www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शनिवार, 1 जून , 2024 | वर्ष-17 | अंक -56 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन की सरकार... 02

■ भाजपा सहायता के बजाय गंदी राजनीति न... 03
■ भारत कर रहा डिहाइड्रेशन से निपटने की...

■ अमेरिका व ब्रिटेन ने हूती ठिकानों को बनाया निशाना 07
■ पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोषी करार

चुनाव प्रचार के दौरान 'इंडिया' गठबंधन का... 10

सार संक्षेप

पुंछ में आतंकी व सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी

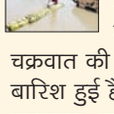

जम्मू। पुंछ जिले के मरहा बुफलियाज इलाके में आतंकवादियों व सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी के बाद इलाके में तलाशी अभियान छेड़ा गया है। अधिकारियों ने बताया कि देर रात सुरक्षा बलों को इलाके में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशेष इनपुट मिला था। पुलिस और सेना द्वारा डीकेजी के पास मरहा बफलियाज के सामान्य क्षेत्र में एक तलाशी अभियान शुरू किया गया था। तलाशी के दौरान छिपे आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की। गोलीबारी के बाद आतंकी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गए।

असम-मणिपुर में बारिश से उफान पर नदियां

नई दिल्ली। असम और मणिपुर में रेमल चक्रवात की वजह से भारी बारिश हुई है। इस वजह से ब्रह्मपुत्र, बराक समेत छह नदियों में बाढ़ आ गई है। जिसके कारण क्षेत्र में कई जिलों में खतरा बढ़ गया है। अधिकारियों के मुताबिक रेमल चक्रवात के कारण असम के नौ जिलों में दो लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। अब तक छह लोगों की मौत हो चुकी है।

बिभव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के मारपीट मामले में आरोपी बिभव कुमार की जमानत याचिका पर शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने बिभव कुमार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उधर, मालीवाल मामले में रिपोर्टिंग रोकने को लेकर दायर याचिका पर हाई कोर्ट ने याची को फटकार लगाई।

मतदान से पहले बंगाल में हिंसा

कोलकाता। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण से पहले बंगाल में हिंसा हुई है। दरअसल इंडियन सेक्युलर फ्रंट के समर्थकों ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर बम फेंक दिया। विस्फोट से पांच टीएमसी कार्यकर्ता घायल हो गए हैं। घटना दक्षिण 24 परगना जिले के भानगोर इलाके की है। बंगाल पुलिस ने इसकी जानकारी दी। हालांकि भानगोर से आईएसएफ विधायक नावेद सिद्दीकी ने आरोपों से इनकार किया है।

झारखंड व ओडिशा में लू से नौ लोगों की मौत

नई दिल्ली। झारखंड और ओडिशा में लू के कारण कुल नौ लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 1300 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। झारखंड में लू से चार लोगों की मौत हो गई। जबकि पूर्वी राज्य के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी के बीच 1,326 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ओडिशा सरकार ने भी शुक्रवार को लू लगने से अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि की है।

लोकसभा चुनाव के सातवें चरण के रण का मंच तैयार

मोदी समेत दो मंत्री की अग्नि परीक्षा

सात राज्यों व एक केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर आज डाले जाएंगे वोट

नई दिल्ली, 31 मई (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में शनिवार को 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर वोटिंग होगी। इन सीटों में सर्वाधिक हाई प्रोफाइल वाराणसी सीट भी शामिल हैं, जहां से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा दो केंद्रीय मंत्री आरके सिंह और अनुराग ठाकुर चुनावी मैदान में हैं। अभिनेत्री से नेत्री बनी कंगना रनौत, हरसिमरत कौर बादल, रवि किशन, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की सबसे बड़ी बेटी मीसा भारती और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी तथा अन्य प्रमुख नेता शामिल हैं। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने ओडिशा विधानसभा के चौथे एवं अंतिम चरण के लिए 42 सीटों पर मतदान सुचारू रूप से कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

उप्र की 13 व हिमाचल प्रदेश की चार सीटों पर भी होगी वोटिंग

शनिवार को उप्र की 13 सीटों महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, रॉबर्ट्सगंज में मतदान कराया जाएगा। हिमाचल प्रदेश की सभी चार सीटों कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर और शिमला तथा पंजाब की सभी 13 संसदीय सीटों गुरदासपुर, अमृतसर, खडूर साहिब, जालंधर (सुरक्षित), होशियारपुर (सुरक्षित), आनंदपुर साहिब, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब (सुरक्षित), फरीदकोट (सुरक्षित), फिरोजपुर, बठिंडा, संगरूर, पटियाला सीट पर एक ही चरण में मतदान सम्पन्न होगा। इस चरण में बिहार की बाकी बची आठ सीटों नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट, जहानाबाद तथा ओडिशा की बाकी छह संसदीय सीटों-मयूरभंज, बालासोर जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, भद्रक के लिए भी वोट डाले जाएंगे। पश्चिम बंगाल की जिन शेष नौ सीटों पर शनिवार को मतदान होना है उनमें दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर क्षेत्र शामिल है। झारखंड के राजमहल, दुमका और गोड्डा संसदीय क्षेत्र तथा केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की एक मात्र सीट पर मतदान कराया जाएगा। अंतिम चरण के चुनाव में कुल 904 उम्मीदवार मैदान में हैं।

■ अंतिम चरण के चुनाव में 904 उम्मीदवार आजमा रहे चुनावी भाग्य

■ कंगना, रवि किशन, पवन सिंह समेत चार अभिनेता भी चुनाव मैदान में

इंडिया गठबंधन की बैठक में जुटेंगे दिग्गज

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन की एक जून को होने वाली बैठक के लिए कांग्रेस के निमंत्रण को सभी दिग्गजों ने स्वीकार किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि ममता बनर्जी चुनावी व्यस्तताओं के कारण बैठक का हिस्सा नहीं होंगी, लेकिन उनकी पार्टी का प्रतिनिधि मौजूद रहेगा। बैठक में राहुल गांधी, शरद पवार, सपा से अखिलेश यादव, राजद से तेजस्वी यादव, पीडीपी से महबूबा मुफ्ती, नेकां से फारूख अब्दुल्ला, डीएमके से टीआर बालू, झारखंड मुक्ति मोर्चा से चंपई सोरेन और कल्पना सोरेन शरीक होंगे। शिवसेना यूबीटी से उद्धव ठाकरे देश से बाहर हैं, लिहाजा उनका प्रतिनिधि शामिल होगा। वहीं, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, आम आदमी पार्टी से अरविंद केजरीवाल के अलावा सहयोगी पार्टियां हिस्सा होंगी। बैठक में मतगणना तैयारियों और फार्म 17 सी को लेकर कार्यकर्ताओं को सचेत किया जाएगा।

ओडिशा में विधानसभा की 42 सीटों पर भी मतदान

ओडिशा में लोकसभा की शेष छह सीटों और 42 विधानसभा सीटों पर भी वोटिंग होगी। 147 विधानसभा सीटों पर चार चरणों में चुनाव हुए हैं। 13 मई को 28, 20 मई को 63, 25 मई को 42 सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। बाकी 42 सीटों पर वोटिंग होगी। मतगणना लोकसभा चुनावों की मतगणना के साथ 4 जून को होगी। ओडिशा में 2019 के विधानसभा चुनाव में बीजेडी ने 147 में से 113 सीटों पर जीत दर्ज की थी। भाजपा को 23, कांग्रेस को 9, सीपीआई (एम) और निर्दलीय को 1-1 सीटें मिली थीं। ओडिशा में लोकसभा के साथ-साथ विधान सभा के चुनाव भी कराए जा रहे हैं।

पांच न्याय की गारंटी व संविधान की सुरक्षा प्राथमिकता : कांग्रेस

जिस आदमी ने पूरे दस साल लोगों का ध्यान भटकाया अब वह ध्यान लगा रहे हैं : जयराम रमेश

■ चार जून को इंडिया गठबंधन को निर्णायक बहुमत मिलने का किया दावा

नई दिल्ली, 31 मई (देशबन्धु)। कांग्रेस ने कहा है कि उसका चुनाव प्रचार सकारात्मक रहा है और प्रचार के दौरान देश को पांच न्याय की गारंटी देने के साथ ही संविधान की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का वादा किया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश, पवन खेड़ा तथा सुप्रिया श्रीनेत ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी का चुनाव प्रचार बहुत अच्छा रहा है और इसके जरिए जनता को सकारात्मक संदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 23 जनवरी से 16 मार्च तक देश के सामने 5 न्याय और 25 गारंटी रखी और प्रचार के दौरान जनता को पांच न्याय और 25 गारंटी देने का वादा किया है। इसके साथ ही हमने संविधान सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। यही कारण है कि चार जून को इंडिया गठबंधन को निर्णायक बहुमत मिलने जा रहा है। जिस आदमी ने पूरे 10 साल लोगों का ध्यान भटकाया, अब वह ध्यान लगा रहे हैं। इन सबके बाद अब प्रधानमंत्री ध्यान लगाने चले गए हैं।

चुनाव आयोग नहीं रहा निष्पक्ष

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि चालू लोस चुनाव में चुनाव आयोग की भूमिका निष्पक्ष नहीं रही। जो कि चिंता का विषय है। जयराम रमेश ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, कांग्रेस पार्टी जिसका पूरा सम्मान करती है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि 2024 के लोस चुनाव में उसकी भूमिका निष्पक्ष नहीं रही। उन्होंने कहा कि 77 दिनों में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर भाजपा नेताओं की 117 शिकायतें की गईं। जिसमें से अकेले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 14 शिकायतें रहीं।

प्रज्वल छह दिन की पुलिस हिरासत में

■ कर्नाटक सेक्स स्कैंडल मामले में 35 दिन बाद हुई गिरफ्तारी
■ मेडिकल के बाद प्रज्वल को मजिस्ट्रेट कोर्ट में किया गया पेश
■ प्रज्वल की मां से पूछताछ के लिए एसआईटी ने भेजा नोटिस

बेंगलुरु, 31 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल के मुख्य आरोपी सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु कोर्ट ने शुक्रवार को 6 दिन की एसआईटी की कस्टडी में भेजा है। वे गुरुवार रात 35 दिन बाद जर्मनी से भारत पहुंचे थे। बेंगलुरु के कैम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर फ्लाइट लैंड होने के बाद रात करीब 1 बजे एसआईटी ने उन्हें कस्टडी में लिया था। प्रज्वल को टीम सीआईडी ऑफिस ले गई, जहां उन्हें रातभर रखा गया था। प्रज्वल को गिरफ्तार करने के लिए महिला पुलिस भेजी गई थी। गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार सुबह पूछताछ से पहले एसआईटी प्रज्वल को बॉरिंग और लेडी कर्जन हॉस्पिटल में मेडिकल के लिए ले जाया गया था। उनके वकील अरुण भी सीआईडी ऑफिस में मौजूद रहे थे। मेडिकल के बाद प्रज्वल को मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था। उधर, एसआईटी ने प्रज्वल की मां भवानी रेवन्ना से पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है।

पोटेंसी टेस्ट करवा सकती है एसआईटी

सूत्रों के अनुसर जांच ऐजेंसी समय-समय पर प्रज्वल का पोटेंसी टेस्ट कराने पर भी विचार कर रही है। बलात्कार का आरोपी पीड़ित पर यौन हमला करने में सक्षम है या नहीं, यह पता लगाने के लिए टेस्ट किया जाता है। फोरेंसिक टीम प्रज्वल का ऑडियो सैंपल भी लेगी, जिससे पता लगाया जा सके कि वायरल वीडियो में सुनाई रही आवाज प्रज्वल की है या नहीं। भारत आने से पहले प्रज्वल ने सेशंस कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका भी लगाई गई थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

राजधानी दिल्ली में पेयजल को लेकर क्लेश बढ़ा

■ जल संकट को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची दिल्ली सरकार
■ हरियाणा, उत्तर प्रदेश व हिमाचल को ज्यादा पानी छोड़ने की लगाई गुहार

नई दिल्ली, 31 मई (देशबन्धु)। दिल्ली में जल संकट गहरा गया है। कई इलाकों में पानी की किल्लत से लोग बेहाल हैं। इस बीच दिल्ली सरकार ने और ज्यादा पानी के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उसने शीर्ष अदालत से गुहार लगाई है कि हरियाणा और हिमाचल प्रदेश को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए और ज्यादा पानी छोड़ने का तत्काल निर्देश दे। वहीं दिल्ली में जारी जल संकट पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का भी बयान सामने आया है। जल संकट को लेकर मैं देख रहा हूं कि हमारे भाजपा के कुछ साथी सियासत कर रहे हैं। मेरी उन लोगों से विनती है कि वो ऐसा करने से बचें। इसके बजाए हम लोग एकजुट होकर इस समस्या का समाधान करें।

दिल्ली में इस समय बहुत गर्मी है। लू भी चल रही है। ऐसे में अगर हम इससे निपटना चाहते हैं, तो हमें एकजुट होना होगा। तभी हम इस स्थिति को पार कर सकेंगे। सरकार का तर्क है कि दिल्ली में तापमान अभूतपूर्व ढंग से बढ़ा है जिससे पानी की डिमांड बढ़ गई है। दूसरी तरफ इस मुद्दे पर सियासी वार-पलटवार का दौर भी चल रहा है। आम आदमी पार्टी सरकार ने कहा है कि दिल्ली में रिकॉर्ड गर्मी और लू की वजह से कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। इससे पानी की बहुत ज्यादा और असाधारण डिमांड बढ़ गई है। इस वजह से पानी की कमी हो गई है और कई हिस्सों में बार-बार सप्लाई कट रही है जिससे आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी अस्त-व्यस्त हो गई है। सरकार का कहना है कि जल संकट से निपटने के लिए उसे सभी प्रशासनिक कदम उठाए हैं जिनमें पानी की राशनिंग और ज्यादा जरूरत वाले इलाकों में सप्लाई जैसे कदम उठाए गए हैं।

केजरीवाल कल करेंगे आत्मसमर्पण

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दो जून को मुझे सरेंडर करना है। वह दो जून को अपने आपको सरेंडर करने के लिए घर से तीन बजे निकलेंगे। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें जेल में जनता की चिंता होती है। उन्होंने अपने परिवार के मांगा है कि उनके माता-पिता के लिए प्रार्थना करें। उनके माता-पिता की तबियत सही नहीं रहती है। सुप्रीम कोर्ट ने मुझे चुनाव-प्रचार करने के लिए 21 दिन की मोहलत दी थी। उन्होंने कहा कि कल मैं वापस तिहाड़ जेल चला जाऊंगा। देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं।

गुप्त धन मामले में फंसे डोनाल्ड ट्रंप

■ छह हफ्तों तक चली सुनवाई में सभी 34 आरोपों में पाए गये दोषी
■ सजा पर सुनवाई 11 जुलाई को

वॉशिंगटन, 31 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को न्यूयॉर्क के गुप्त धन मामले के सभी 34 आरोपों में दोषी पाया गया है। उन पर 2016 में व्हाइट हाउस में आने से पहले पूर्व पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स के साथ अपने यौन संबंधों को छिपाने के लिए व्यापारिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने का आरोप है। इस मामले में 34 आरोप, 11 चालान, 12 वाउचर और 11 चेक पेश किए गए। डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार को किसी अपराध में दोषी पाए जाने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए। राष्ट्रपति चुनावों के बीच न्यूयॉर्क में लगभग 6 हफ्तों तक चली सुनवाई में उन्हें 34 आरोपों में दोषी करार दिया गया है। ट्रंप के खिलाफ पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने और इलेक्शन कैंपेन के दौरान बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के केस चल रहे थे। यह मामला 2016 में उनके अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने से पहले का है। इसके खुलासे के बाद पहली बार ऐसा हुआ था जब अमेरिकी इतिहास में पहली बार किसी प्रेसिडेंट पर आपराधिक केस चलाया गया।

मुझे कलंकित किया गया : ट्रंप

ट्रंप ने अपने खिलाफ चलाए जा रहे इस मुकदमे को अपमानजनक और धांधलीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि मुझे कलंकित किया गया यह शर्मनाक बात है। यह सुनवाई एक विवादित न्यायाधीश द्वारा की गई धांधली वाली सुनवाई थी। हमारे पूरे देश में इस समय धांधली हो रही है। बाइडन प्रशासन ने एक राजनीतिक प्रतिद्वंदी को चोट पहुंचाने के लिए यह सब किया है। उन्होंने जाते हुए कहा, मामला खत्म होने में बहुत समय है। हम अपने संविधान के लिए लड़ेंगे। हमारा देश अब पहले जैसा नहीं रहा, हम एक विभाजित स्थिति में हैं।

देश के चार राज्यों में बर्ड फ्लू का अलर्ट

■ मुर्गियों की असामान्य मौत पर रखी जाए निगरानी

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत के चार राज्यों में बर्ड फ्लू के मामले सामने आए हैं। इसके चलते केंद्र सरकार के स्वास्थ्य महानिदेशालय और पशुपालन मंत्रालय ने राज्यों से सरकारी और निजी अस्पतालों को अलर्ट पर रखने के लिए कहा है। साथ ही एंटीवायरल दवाएं , पीपीई किट और मास्क का तत्काल भंडारण करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र और पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) के इन संयुक्त निर्देशों में राज्यों से कहा है कि घरेलू पक्षियों/मुर्गियों की असामान्य मौत पर निगरानी रखी जाए।

गंभीर मरीजों की निगरानी के निर्देश

स्वास्थ्य महानिदेशालय ने अस्पतालों को ओपीडी या इमरजेंसी में आने वाले गंभीर सांस रोगियों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। इसकी सूचना दिल्ली तक पहुंचाने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है।

परीक्षण के लिए नमूने एकत्र होते ही राज्यों को डीएएचडी व एमओएचएफडब्ल्यू को सूचित करना होगा।

निमहांस को डब्ल्यूएचओ का पुरस्कार

■ स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं की श्रेणी में नेल्सन मंडेला पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वर्ष 2024 के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बेंगलुरु में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस) को स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं की श्रेणी में नेल्सन मंडेला पुरस्कार से सम्मानित किया है। मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि डब्ल्यूएचओ का यह पुरस्कार स्वास्थ्य सेवा और सुविधा के संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों, संस्थानों व सरकारी या गैर-सरकारी संगठनों को प्रदान किया जाता है। मनसुख मांडविया ने इस पुरस्कार से सम्मानित होने पर निमहांस को बधाई दी।

रिपोर्ट | गर्मी के कहर के बीच केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट ने बढ़ाई चिंता

देश के जलाशयों में बचा सिर्फ 23 फीसदी पानी

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। देश में भीषण गर्मी ने जहां लोगों के पसीने छुड़ाए हुए हैं, वहीं पानी के स्त्रोतों को भी सुखा दिया है। केंद्रीय जल आयोग की हालिया रिपोर्ट में कुछ ऐसे आंकड़े दिए गए हैं, जो हमारी चिंता बढ़ाने वाले हैं। जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के 150 मुख्य जलाशयों में पानी घटकर महज 23 प्रतिशत रह गया है। पिछले साल इस समय के मुकाबले यह 77 प्रतिशत कम है।

देश के जलाशयों में कितनी तेजी से पानी कम हो रहा है, उसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बीते हफ्ते ही इन जलाशयों में पानी का लाइव स्टोरेज 24 प्रतिशत था, जो एक हफ्ते में ही एक प्रतिशत घट गया। केंद्रीय जल आयोग ने अपने साप्ताहिक बुलेटिन में शुक्रवार को बताया कि अभी देश के जलाशयों में 41.705 अरब क्यूबिक मीटर पानी की लाइव स्टोरेज है, जो कुल क्षमता का सिर्फ 23 प्रतिशत है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बीते साल इस समय देश के मुख्य जलाशयों में कुल 53.832 अरब क्यूबिक मीटर पानी था। इस साल पिछले साल के मुकाबले सिर्फ 77 प्रतिशत पानी जलाशयों में है। जल आयोग द्वारा देश के जिन मुख्य जलाशयों की निगरानी की जाती है, उनमें कुल जल भंडारण क्षमता 178.784 अरब क्यूबिक मीटर है, जो देश में कुल जल भंडारण क्षमता की 69.35 प्रतिशत है। देश के मुख्य 150 जलाशयों में से 10 जलाशय भारत के उत्तरी इलाके में है, जिनमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान का नाम शामिल है। इन जलाशयों में पानी के भंडारण की क्षमता बीते साल इस समय 19.663 अरब क्यूबिक मीटर थी, जो अब घटकर महज 5.864 अरब क्यूबिक मीटर रह गई है। वहीं पूर्वी इलाकों असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, नगालैंड और बिहार में 23 जलाशय हैं, जिनकी भंडारण क्षमता 20.430 अरब क्यूबिक मीटर है, अब इन जलाशयों में सिर्फ 5.645 अरब क्यूबिक मीटर पानी है।

देश के पश्चिमी क्षेत्र गुजरात और महाराष्ट्र में 49 मुख्य जलाशय हैं, जिनकी जल भंडारण क्षमता 37.130 अरब क्यूबिक मीटर है और अब उनमें 8.833 अरब क्यूबिक मीटर पानी है।

■ पिछले साल के मुकाबले भी आई गिरावट

देश

उवाच “

लोकसभा चुनाव में राज्य की सभी 29 सीटों पर भाजपा ऐतिहासिक जीत हासिल करेगी। भारत की जनता ने सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जीत का आशीर्वाद दिया है, विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता ने जिस तरह का आशीर्वाद दिया था, उसी तरह का आशीर्वाद लोकसभा चुनाव में भी मिलेगा: **विष्णु दत्त शर्मा, नेता भाजपा**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	45.8	29.0
मुंबई	35.6	29.2
कोलकाता	30.2	24.8
चेन्नई	41.5	29.6

राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का किया दावा

नई दिल्ली, 31 मई (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव को लेकर चुनाव प्रचार अब थम चुका है। कल सातवें और आखिरी चरण का मतदान हो जाएगा। ऐसे में अब राजनीतिक अपनी-अपनी सरकार बनाने को लेकर ट्वीट करने लगे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें वे कह रहे हैं कि जिस तरह इस बार जनता ने प्यार दिया है, उन्हें विश्वास है कि केंद्र में इंडिया ब्लॉक ही सरकार बनएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार में पार्टी के सभी नेता पूरे दमखम के

साथ चुनाव के इस महासंग्राम के दौरान भीषण के गर्मी के बावजूद डटकर खड़े रहे। इसके लिए वे सभी को धन्यवाद देते हैं।उन्होंने कहाकि यह चुनाव देश के संविधान को बचाने का है,देश को

जिस तरह इस बार जनता ने प्यार दिया है, उन्हें विश्वास है कि केंद्र में इंडिया ब्लॉक ही सरकार बनएगी, चुनाव प्रचार में पार्टी के सभी नेता पूरे दमखम के साथ चुनाव के इस महासंग्राम के दौरान भीषण के गर्मी के बावजूद डटकर खड़े रहेः राहुल गांधी

बचाने का है। ऐसे में आपका सहयोग बहुत जरूरी है। राहुल ने कहाकि बहुत सारी योजना और एजेंडे को लेकर हम चुनाव प्रचार के दौरान आपके सामने आए। ऐसे में कार्यकर्ताओं से कहना है कि उन एजेंडो को जरूर ध्यान में रखें। पार्टी की नीतियों को ध्यान मे रखें। उन्होंने कहाकि वे पार्टी के बब्बर शेर कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हैं कि वे 4 जून को मतगणना के दिन पोलिंग बूथ पर अंतिम मिनट,अंतिम क्षण तक अपनी नजरें गडाए रखें। उनकी नजर सर्तकता पूर्वक ईवीएम मशीन पर रहनी चाहिए। ताकि मतगणना में कोई हेर-फेर की गुंजाइश न रहे।

एग्जिट पोल से जुड़ी किसी भी डिबेट में शामिल नहीं होगी कांग्रेस : पवन खेड़ा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में शनिवार को वोट डाले जाएंगे। वोटिंग के बाद शनिवार देर शाम से तमाम न्यूज चैनल पर एग्जिट पोल आने शुरू हो जाएंगे। इसी बीच कांग्रेस ने एक बड़ा ऐलान किया है कि पार्टी एग्जिट पोल के डिबेट में भाग नहीं लेगी। कांग्रेस नेता और प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा, 'आगामी एग्जिट पोल डिबेट्स में पार्टी द्वारा भाग ना लिए जाने के निर्णय पर हमारा वक्तव्य : मतदाताओं ने अपने मत दे दिए हैं एवं मतदान के परिणाम मशीनों में बंद हो चुके हैं। 4 जून को परिणाम सबके सामने होंगे।' उन्होंने अपने पोस्ट में आगे लिखा, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नज़रों में परिणाम घोषित होने से पहले किसी भी तरह के सार्वजनिक अनुमान लगाकर घमासान में भाग लेकर टीआरपी के खेल का कोई औचित्य नहीं है। किसी भी बहस का मकसद दर्शकों का ज्ञानवर्धन करना होता है। कांग्रेस पार्टी 4 जून से डिबेट्स में खुशी-खुशी हिस्सा लेगी।, गौरतलब है कि शनिवार को लोकसभा चुनाव के अंतिम और सातवें चरण में 57 लोकसभा सीट पर वोट डाले जाएंगे। अंतिम चरण की वोटिंग के बाद देर शाम से एग्जिट पोल आने शुरू हो जाएंगे। 4 जून को लोकसभा और कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे आएंगे।

'आगामी एग्जिट पोल डिबेट्स में पार्टी द्वारा भाग ना लिए जाने के निर्णय पर हमारा वक्तव्य : मतदाताओं ने अपने मत दे दिए हैं एवं मतदान के परिणाम मशीनों में बंद हो चुके हैं: पवन खेड़ा, प्रवक्ता कांग्रेस

पुणे कार दुर्घटना: बिल्डर अग्रवाल और उनके पिता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

मुंबई, 31 मई (एजेंसियां)। पुणे की एक अदालत ने एक नाबालिग के तेज रफ्तार लक्जरी कार से टक्कर मारकर दो लोगों की

जान लेने से संबंधित मामले में शुक्रवार को उसके पिता विशाल अग्रवाल और दादा सुरेंद्रकुमार बी. अग्रवाल को उनके ड्राइवर को कथित तौर पर धमकाने और उसका अपहरण करने तथा अन्य आरोपों में 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। नाबालिग वर्तमान में सुधार गृह में हिरासत में है। उसने तेज रफ्तार लग्जरी कार से मध्य प्रदेश के दो आईटी पेशेवरों - अश्विनी कोष्ठा और अनीश अवधिया को टक्कर मार दी थी, जिससे उन दोनों की मौत हो गयी। विशाल अग्रवाल (50) को सोमवार (27 मई) देर रात गिरफ्तार किया गया, जबकि उनके पिता सुरेंद्रकुमार बी. अग्रवाल को पहले ही नये आरोपों के तहत गिरफ्तार किया जा चुका है और दोनों को 31 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। इसके साथ ही, नाबालिग आरोपी की मां शिवानी वी. अग्रवाल भी अब अपने बेटे के खून की रिपोर्ट की अदला-बदली की जांच के सिलसिले में पुलिस की रडार पर आ गयी है, जिसे जाहिर तौर पर गंभीर अपराध के आरोप से उसे बचाने के लिए बदला गया था।

बिहार में चुनावी सभाओं के मामले में तेजस्वी आगे निकले

251 रैलियां कर महागठबंधन के लिए मांगे वोट

■ सभी दलों के नेताओं ने चुनाव प्रचार में जमकर पसीना बहाया और जनता को रिझाया

■ पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव चुनावी रैलियों के मामले में आगे रहे

पटना, 31 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रचार थम गया है। चुनाव की तपिश और उस पर बढ़ते तापमान के बीच सभी दलों के नेताओं ने चुनाव प्रचार में जमकर पसीना बहाया और जनता को रिझाया। इस क्रम में राजद के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव चुनावी रैलियों के मामले में आगे रहे। तेजस्वी यादव ने इस चुनाव में कुल 251 सभाएं कीं और महागठबंधन प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। राजद अध्यक्ष लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव इस दौरान कमर दर्द से परेशान भी रहे और इन्हें व्हील चेयर का सहारा लेना पड़ा, लेकिन उन्होंने चुनावी प्रचार से खुद को अलग नहीं किया। पिछले 54 दिनों में तेजस्वी ने 251 चुनावी सभाएं कीं। इनकी अधिकांश सभाओं में विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक मुकेश सहनी भी साथ रहे। इस बीच वे करीब सभी लोकसभा क्षेत्रों में पहुंचे और महागठबंधन में शामिल दलों के प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। तेजस्वी यादव ने तीन अप्रैल से दो मई तक 92 चुनावी सभाएं कर राजद और सहयोगी पार्टियों के लिए प्रचार किया। इसके बाद उन्हें कमर में दर्द शुरू हो गया।

कमर दर्द के दौरान 28 दिनों में इन्होंने 159 चुनावी सभाएं कीं। इस क्रम में उनकी अधिकांश यात्राएं हेलीकॉप्टर से हुईं। वे झारखंड में भी चुनाव प्रचार करने पहुंचे।

उल्लेखनीय है कि आम चुनाव की घोषणा से पहले फरवरी माह में तेजस्वी यादव ने जन विश्वास यात्रा के दौरान 12 दिनों में सभी 38 जिलों की यात्रा कर सड़क मार्ग से 3500 किलोमीटर की दूरी तय की थी और 19 बड़ी रैलियों के साथ 80 मेगा रोड शो किए थे। बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में 3 मार्च को जन विश्वास महारैली के साथ जन विश्वास यात्रा का समापन हुआ, जिसमें इंडिया गठबंधन के शीर्ष नेताओं में भाग लिया था। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण का चुनाव 19 अप्रैल को हुआ था जबकि अंतिम और सातवें चरण का मतदान 1 जून को होने वाला है।

सार संक्षेप

फोन टैपिंग मामले की जांच की मांग को लेकर भाजपा का धरना

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी नेताओं ने फोन टैपिंग मामले की व्यापक जांच कराये जाने की मांग को लेकर शुक्रवार को यहां इंदिरा पार्क में धरना दिया। धरने में भाजपा के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. लक्ष्मण, विधायकों सहित भाजपा के तमाम नेताओं ने भाग लिया। इस मौके पर भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि असली दोषियों को पकड़ने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किए जा रहे हैं इसलिए राज्य सरकार निष्पक्ष जांच के लिए इस मामले को तुरंत केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दे। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि जांच से पता चला है कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव फोन टैपिंग विवाद के पीछे मुख्य सरगना हैं। उन्होंने अब तक कोई महत्वपूर्ण कार्रवाई न करने के लिए राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। डॉ. लक्ष्मण ने कहा कि जांच के दौरान कई सनसनीखेज विवरण सामने आए हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार ऐसे काम कर रही है, जैसे मामले को नजरअंदाज किया जा रहा हो।

अंतिम चरण का मतदान समाप्त होने के बाद ही दें एग्जिट पोल : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने इलेक्ट्रानिक , प्रिंट और अन्य सभी तरह के प्रचार माध्यमों को निर्देश दिया है कि वे शनिवार को लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के मतदान के समाप्त होने के बाद ही एग्जिट पोल का प्रचार या प्रसार कर सकते हैं। आयोग ने 18 वीं लोकसभा के चुनाव और चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के संबंध में गत मार्च में जारी अधिसूचना का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि 19 अप्रैल सुबह सात बजे से लेकर एक जून शाम साढे छह बजे तक मीडिया के सभी प्रचार माध्यमों पर एग्जिट पोल के प्रचार प्रसार करने पर रोक रहेगी। उल्लेखनीय है कि शनिवार को लोकसभा के सातवें और अंतिम चरण तथा ओडिशा विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान होना है। आयोग ने कहा है कि शनिवार को शाम साढे छह बजे तक सभी तरह के एग्जिट पोल के प्रचार प्रसार पर रोक रहेगी।

राजस्थान में जल संकट पहले की कांग्रेस सरकार की देन : सीएम

जयपुर। दिल्ली के साथ-साथ राजस्थान में भी जल और ऊर्जा संकट से लोग बेहाल हैं। आलम यह है कि लोगों को दो बूंद पानी मिलना भी मुश्किल हो रहा है। ऐसी स्थिति में लोगों की उम्मीद भरी निगाहें अब सरकार पर टिकी हैं। इस बीच, प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी मसलों पर खुलकर अपनी बात रखी। जहां उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियों से लोगों को अवगत कराने का प्रयास किया, वहीं दूसरी तरफ पहले की कांग्रेस सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में पुनर्मतदान की याचिका की खारिज, हाई कोर्ट जाने को कहा

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने बिहार के मुंगेर संसदीय क्षेत्र में कथित तौर पर कई मतदान केंद्रों पर कब्जे और कमजोर वर्ग के लोगों को मतदान नहीं करने देने का आरोप लगाते हुए उन जगहों पर पुनर्मतदान का निर्देश चुनाव आयोग को देने की मांग वाली एक याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की अवकाशकालीन पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए इसे खारिज करने का आदेश पारित किया। पीठ ने इस मामले में याचिकाकर्ता कुमारी अनीता की ओर से पहले पटना उच्च न्यायालय से अपनी फरियाद करने का विकल्प नहीं अपनाने पर आपत्ति जतायी न्यायमूर्ति शर्मा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, 'उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाए बिना आप उसे दोषी ठहरा रहे हैं। कृपया वहां (उच्च न्यायालय) जाएं।' शीर्ष अदालत के इस रुख के बाद याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस लेने की गुहार लगाई, जो स्वीकार कर ली

■ कई मतदान केंद्रों पर कब्जे और कमजोर वर्ग के लोगों को मतदान नहीं करने देने का आरोप

गई। पीठ ने अपने आदेश में कहा, 'वर्तमान याचिका वापस लिए जाने के कारण खारिज की जाती है।'

याचिका में राज्य (बिहार) के संबंधित अधिकारियों और वहां की सत्तारूढ़ पार्टी के इशारे पर कई मतदान केंद्रों पर कब्जा कर मतदान में गड़बड़ी करने का आरोप लगाते हुए मुंगेर के जिला चुनाव अधिकारी डॉ. अवनीश कुमार सिंह को सभी प्रशासनिक जिम्मेदारियों से तत्काल हटाने का निर्देश देने की भी गुहार लगाई गयी थी।

कांग्रेस ने कर्नाटक विधान परिषद चुनाव के लिए सात उम्मीदवारों का समर्थन किया

बेंगलुरु, 31 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने आगामी 13 जून को होने वाले कर्नाटक विधान परिषद के चुनाव के लिए आधिकारिक तौर पर सात उम्मीदवारों का समर्थन किया है। कर्नाटक विधानसभा में 11 विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुने जाएंगे। नामांकित उम्मीदवारों की सूची में से कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के बेटे यतींद्र सिद्दारमैया का भी नाम शामिल है, जिन्हें पार्टी के भीतर व्यापक समर्थन मिला है। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ नयी दिल्ली में गुरुवार को हुए बैठक में विचार-विमर्श के बाद श्री यतींद्र की उम्मीदवारी की पुष्टि की गयी। शेष छह सीटों के लिए चयन प्रक्रिया अधिक विवादास्पद रही है। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने पहले पार्टी आलाकमान को उम्मीदवारों की एक सूची पेश की थी। गहन परामर्श और विचार-विमर्श के बाद तैयार की गई इस सूची में मूल रूप से 65 उम्मीदवार शामिल थे। शुक्रवार को हाईकमान की ओर से अंतिम सूची जारी होने की उम्मीद है।

बिहार में भीषण गर्मी से 14 लोगों की मौत

पटना, 31 मई (एजेंसियां)। बिहार के अधिकांश जिले भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं। शुक्रवार को भी दिनभर चिलचिलाती धूप और हीटवेव से लोग परेशान रहे। इस बीच प्रदेश में गर्मी और लू से 14 लोगों की मौत हो गई है। यहां तक कि बड़ी संख्या में लोग बीमार भी पड़ रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी जिलाधिकारियों को गर्मी और लू को लेकर समुचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। आपदा प्रबंधन विभाग से शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गुरुवार को दिन में तापमान में अत्यधिक वृद्धि हो जाने के कारण राज्य में भीषण गर्मी और लू की स्थिति उत्पन्न हुई है। अब तक प्राप्त सूचनानुसार भीषण गर्मी और लू से कुल 14 व्यक्तियों की मौत हुई है, जिसमें 10 चुनाव कर्मी एवं 4 अन्य व्यक्ति शामिल हैं। बताया गया है कि मृतकों में भोजपुर जिला में 5, रोहतास जिला में 3, कैमूर जिला में 1 तथा औरंगाबाद जिला में 1 चुनाव कर्मी शामिल हैं। इसके अलावा 4 अन्य लोग भी मृतकों में शामिल हैं। मृतकों के परिजनों को नियमानुसार अनुग्रह अनुदान की राशि के भुगतान की कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भीषण गर्मी और भयंकर लू के प्रकोप से राज्य में उत्पन्न आपदा की स्थिति के मद्देनजर सभी जिलों के डीएम को समुचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'सभी जिलों के संवेदनशील स्थानों पर पीने के पानी के टैंकर पर्याप्त संख्या में रखे जाएं। भीषण गर्मी और

■ नीतीश कुमार ने जिलाधिकारियों को गर्मी और लू को लेकर समुचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए

■ चिलचिलाती धूप और हीटवेव से लोग परेशान रहे

लू से बचने के लिए लोगों को उचित सावधानी बरतने की सलाह देते हुए माइकिंग की व्यवस्था की जाए। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित अनुमंडल एवं सदर अस्पतालों में जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह से तैयार रखें।' उन्होंने गांव हो या शहर सभी जगहों पर निर्बाध रूप से बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

एसआईटी को प्रज्वल रेवन्ना के मामले की गहन जांच करनी चाहिएः बसवराज बोम्मई

बेंगलुरु, 31 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को मांग की कि विशेष जांच दल (एसआईटी) को प्रज्वल रेवन्ना के मामले की गहन जांच करनी चाहिए। पूर्व सीएम ने कहा कि प्रज्वल रेवन्ना ने कानूनी तरीके से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। लोग मांग कर रहे हैं कि एसआईटी को गहन जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले ने इस बात पर बहस छेड़ दी है कि यह स्कैंडल कैसे उजागर हुआ। कौन इसे दुष्प्रचार में बदलना चाहता था। पेन ड्राइव किसके पास थी। क्यों सेलेक्टेड लोगों को गिरफ्तार किया गया? पूर्व सीएम बोम्मई ने कहा, 'राजनीतिक मंशा स्पष्ट है। कानून के अनुसार, पेन ड्राइव वितरित करना कानून के खिलाफ है। एसआईटी को यह भी देखना चाहिए कि इन पेन ड्राइव को किसने वितरित किया।' इस बीच प्रज्वल रेवन्ना का मोबाइल और बैगेज विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जब्त कर लिया है। पूरे

■ प्रज्वल रेवन्ना ने कानूनी तरीके से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। लोग मांग कर रहे हैं कि एसआईटी को गहन जांच करनी चाहिएः बसवराज बोम्मई

घटनाक्रम को समझने के लिए उन्हें हासन स्थित उनके घर भी ले जाया जाएगा जहां कथित तौर पर अपराध हुआ था। रेवन्ना को भारत आते ही गुरुवार-शुक्रवार की रात बेंगलुरु हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) शुक्रवार तड़के उन्हें बेंगलुरु में सीआईडी परिसर स्थित अपने कार्यालय लेकर गई। म्यूनिख से आई लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट एलएच764 को बेंगलुरु हवाई अड्डे पर

आरक्षण बचाने को लेकर बिहार में शुरू हुई लड़ाई खटाखट, फटाफट, धकाधक तक पहुंची

पटना, 31 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रचार गुरुवार को थम गया। अंतिम दौर की लड़ाई के बाद यह तय माना जा रहा है कि मुख्य मुकाबला दो गठबंधनों के बीच होगा। करीब ढाई महीने के चुनाव प्रचार के दौरान कई मुद्दे उठे और कई मुद्दे गौण रहे। इस बीच, नेताओं के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर भी जारी रहा। इस चुनाव के पहले चरण के मतदान को लेकर आरक्षण और संविधान खत्म करने के लेकर शुरू हुई सियासी लड़ाई खटाखट, फटाफट, धकाधक तक पहुंच गई और लोगों ने भी इसका खूब आनंद लिया।

बिहार में नौकरियों को लेकर दोनों गठबंधनों के बीच श्रेय लेने की होड़ मची रही। राजद ने बिहार में पिछले दिनों नौकरी देने का श्रेय पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को देने को लेकर इस चुनाव में जबरदस्त फील्डिंग सजाई। उसने लोगों तक यह बात पहुंचाने की कोशिश की कि उनकी वजह से ये नौकरियां संभव हो पाई हैं। लेकिन

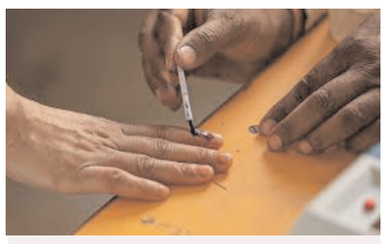

■ मुख्य मुकाबला दो गठबंधनों के बीच होगा

■ नेताओं के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर भी जारी रहा

जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसे लेकर मोर्चा संभाला और एनडीए के नेताओं ने राजद और नीतीश कुमार के कार्यकाल में नौकरी देने की तुलना सार्वजनिक मंचों से करनी शुरू की तब एनडीए ने जमकर पलटवार किया। इधर, राजद ने संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र बचाने की मुहिम से इस चुनाव को जोड़ने का भरसक प्रयास किया। लेकिन इसी बीच, राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद द्वारा मुसलमानों को आरक्षण देने वाले बयान ने एनडीए नेताओं को बड़ा मुद्दा दे दिया और चुनाव के अंतिम चरण तक एनडीए ने इसे हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बिहार की रैलियों में इस बयान को हवा देकर एनडीए के पक्ष में माहौल तैयार करते दिखे। भाजपा पिछड़ों और अति पिछड़ों के आरक्षण को मुसलमानों को देने की बात कर इस समाज को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश करती रही।

इधर, अयोध्या में प्रभु श्रीराम को भव्य मंदिर में स्थापित किये जाने और सीतामढ़ी में मां जानकी के भव्य निर्माण कराने के वादे को भी भाजपा ने मुद्दा बनाया। चैत्र नवरात्र में हेलीकॉप्टर में तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी का मछली खाने का वीडियो वायरल होने पर एनडीए ने इसे सनातन से जोड़कर बड़ा मुद्दा बना दिया।

तैयारी *निर्बाध पंजीकरण को सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए गए*

18वीं लोकसभा के सांसदों के स्वागत, पंजीकरण और सहायता के लिए तैयारी पूरी

नई दिल्ली, 31 मई (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा 4 जून को होगी। इसके बाद नई लोकसभा का गठन होगा, जिसे 18वीं लोकसभा के नाम से जाना जाएगा। इस बीच लोकसभा सचिवालय ने चुनाव जीतकर आने वाले सांसदों के स्वागत, पंजीकरण और सहायता करने के लिए सारी तैयारी कर ली है। 18वीं लोकसभा के सदस्यों के स्वागत और उनके निर्बाध पंजीकरण को सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने शुक्रवार को इस संबंध में की गई तैयारियों का निरीक्षण किया। कागजी कार्यवाही को कम करने और सदस्यों के पंजीकरण की औपचारिकताओं को सुगम बनाने के उद्देश्य से, नव-निर्वाचित सदस्यों का ऑनलाइन एकीकृत सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के माध्यम से पंजीकरण किया जाएगा। सदस्यों को विभिन्न शाखाओं में निर्धारित कागजात पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे

सदस्यों का काफी समय बचेगा।

एकीकृत सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन में न केवल सांसद के बायो प्रोफाइल डेटा की प्रविष्टि की जाएगी, बल्कि, इसमें प्रविष्ट की गई फेशियल और बायोमेट्रिक जानकारी के आधार पर पहचान पत्र जारी करने के साथ ही लोकसभा सदस्यों और उनकी पत्नी या पति को सीजीएचएस कार्ड जारी किए जाने की व्यवस्था भी की गई है। कई जगहों पर जानकारी उपलब्ध कराने की जटिलता को दूर करते हुए इस बार सांसदों की सुविधा और सुगमता के लिए पंजीकरण, नामांकन, अस्थायी आवास और कई अन्य मामलों से संबंधित सभी औपचारिकताओं को कम से कम समय में पूरा करने का प्रस्ताव है।

सचिवालय ने 4 जून को दोपहर 2 बजे से पंजीकरण शुरू करने की व्यवस्था की है और यह प्रक्रिया 5 से 14 जून को सुबह 8 से रात 8 बजे तक चालू रहेगी, जिसमें शनिवार और रविवार भी शामिल हैं। इससे पहले, नवनिर्वाचित सदस्यों का पंजीकरण संसद के पुराने भवन (अब संविधान सदन) में होता था। इस बार, सचिवालय ने संसदीय सौध में यह व्यवस्था की है। संसदीय सौध में बैंक्वेट हॉल और प्राइवेट डाइनिंग रूम (पीडीआर) में 10-10 कंप्यूटर के साथ कुल 20 डिजिटल पंजीकरण काउंटर स्थापित किए गए हैं। काउंटर इंड-टू-इंड पंजीकरण प्रक्रिया के लिए स्थापित किए गए हैं।

प्रत्येक काउंटर पर डबल साइडेड स्क्रीन वाला डेस्कटॉप, प्रिंटर कम स्कैनर, बायोमेट्रिक और हस्ताक्षर प्राप्त करने के लिए एक टैब लगा हुआ है। फोटो खींचने और फेशियल रि-कॉग्निशन के लिए अलग-अलग काउंटर हैं। इसके अतिरिक्त, नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए एसबीआई बैंक खाता खोलने, स्थायी पहचान पत्र, केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना कार्ड जारी करने की व्यवस्था भी की गई है। सांसदों का स्वागत करते हुए सचिवालय प्रत्येक सदस्य को भारत के संविधान, नियम, निर्देश तथा कुछ अन्य उपयोगी प्रकाशनों की प्रतियां उपलब्ध कराएगा।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

चिंटू- भाई समोसा खाएगा ?
मिंटू- नहीं ,आज मेरा व्रत है
चिंटू- भाई मेरी तरफ से है
मिंटू- मीठी चटनी डालकर लाना
चिंटू- राहों में उनसे मुलाकात हो गई, जिससे डरते थे वही बात हो गई...इस गाने का क्या मतलब है ?
मिंटू- इसका मतलब है कि गायक का चालान कट गया है!

दिल्ली में अप्रत्याशित गर्मी और पानी की कमी से लोग परेशान

भाजपा सहायता के बजाय गंदी राजनीति न करें : आतिशी

नई दिल्ली, 31 मई (देशबन्धु)। दिल्ली की जलमंत्री आतिशी ने शुक्रवार को एक प्रेस-कॉफ्रेंस के दौरान भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में अप्रत्याशित गर्मी और पानी की कमी से लोग परेशान हैं, ऐसे समय में भाजपा गंदी राजनीति न करे। उन्होंने भाजपा से सवाल करते हुए कहा कि, गर्मी से दिल्ली में आपातकाल की परिस्थिति है, गंभीर हीटवेव से तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से भी ज़्यादा है, लोग परेशान है, ऐसे में क्या ये गंदी राजनीति करने का समय है?

आतिशी ने कहा कि, दिल्ली के दोनों पड़ोसी राज्य हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार है। ऐसे में भाजपा गंदी राजनीति करने के बजाय इन दोनों राज्यों से दिल्ली को अतिरिक्त पानी देने की अपील करें। भाजपा हरियाणा और उत्तर-प्रदेश की सरकारों से अपील करे कि जबतक हीटवेव चलने वाली है और मानसून नहीं आ जाता, तबतक दिल्ली को अतिरिक्त पानी मुहैया करवाए। उन्होंने कहा कि, ये समय घटिया राजनीति करने का नहीं बल्कि देश की राजधानी में लोगों को राहत मिले उसके लिए काम करने का है। आतिशी ने कहा कि, दिल्ली में इस समय अप्रत्याशित गर्मी है।

भाजपा हरियाणा व यूपी की सरकारों से अपील करे कि जबतक हीटवेव चलने वाली है और मानसून नहीं आ जाता, तबतक दिल्ली को अतिरिक्त पानी मुहैया करवाएं : आतिशी

आतिशी ने कहा कि, मैं भाजपा से ये पूछना चाहती हूं कि जब दिल्ली में आपातकाल जैसी परिस्थिति है, गंभीर हीटवेव है, तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से भी ज़्यादा है, लोग परेशान है, ऐसे में क्या ये गंदी राजनीति करने का समय है? उन्होंने कहा कि दिल्ली के बग़ल में हरियाणा और उत्तर-प्रदेश है। इन दोनों राज्यों में भाजपा की सरकार है। ऐसे में मैं भाजपा से अपील करूंगी कि ये समय साथ आने का है, ये समय भाजपा को अपने शासित उत्तर-प्रदेश, अपने शासित हरियाणा की राज्य सरकारों से अपील करने का है। अगर भाजपा अपने इन दोनों राज्य सरकारों से अपील करेगी तो ये दोनों ज़रूर कुछ पानी दिल्ली को देंगे।

उन्होंने कहा कि, दिल्ली देश की राजधानी है और देशभर से लोग यहां काम की तलाश में, बेहतर सुविधाओं के लिए, बच्चों को पढ़ाने के लिए, अच्छे इलाज के लिए आते है। इसलिए हम सभी की ये ज़िम्मेदारी बनती है कि देश की राजधानी में अगर लोग परेशान है तो गंदी और घटिया राजनीति न की जाए बल्कि कुछ ऐसा किया जाए कि दिल्लीवालों को इस मुश्किल परिस्थिति में कुछ राहत मिले।

भाजपा द्वारा जनता की आवाज को उठाने पर आतिशी की आपत्ति करना चौंकाने वाला : कपूर

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने दिल्ली सरकार की मंत्री अतिशी द्वारा अपनी निष्क्रियता और भ्रष्टाचार के कारण उत्पन्न कृत्रिम पानी की कमी के खिलाफ भाजपा को प्रदर्शन करने से रोकने के लिए कड़ी निंदा की है। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता ने कहा है कि आतिशी को यह पता होना चाहिए कि मुख्य विपक्षी पार्टी के रूप में जनता के मुद्दों को उठाने का दिल्ली भाजपा का कर्तव्य है और कृत्रिम पानी की कमी और बिजली की कटौती दो ऐसे मुद्दे हैं।

श्री कपूर ने कहा है कि अतिशि भाजपा को पानी की कमी पर प्रदर्शन करने के लिए आलोचना कर रही हैं, लेकिन उनकी खुद की पार्टी 'आप' ने आज भाजपा मुख्यालय पर दो बार प्रदर्शन की घोषणा की, लेकिन अंत में वे प्रदर्शन रद्द करने पर मजबूर हो गईं क्योंकि प्रदर्शन के लिए मुट्ठी भर कार्यकर्ता भी नही जुटा पाई।

दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं ने जल संकट को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के नेतृत्व में शुक्रवार को आई.टी.ओ, स्थिति शहीदी पार्क के सामने भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में उत्पन्न जल संकट के लिए केजरीवाल सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और अरविंद केजरीवाल एवं जलमंत्री आतिशी के इस्तीफे की मांग की। धारा 144 लगी होने के कारण वीरेन्द्र सचदेवा एवं लगभग 100 कार्यकर्ताओं को आई.पी. स्टेट थाने ले गई जहां से उन्हे कुछ देर बाद चेतावनी दे कर छोड़ दिया।

प्रदेश महामंत्री योगेन्द्र चंदोलिया द्वारा संचालित विरोध प्रदर्शन में भाजपा नेता प्रवीण खंडेलवाल, बांसुरी स्वराज, ओम प्रकाश शर्मा, मोहन सिंह बिष्ट, अनिल बाजपेयी, प्रवीण शंकर कपूर, गजेन्द्र यादव, विनय रावत, जयप्रकाश, सुमित भसीन, विक्रम मित्तल, रोहित उपाध्याय, सारिका जैन, अजय सहरावत, अमित गुप्ता, विनोद सहरावत, मोहनलाल गिहारा, श्रीमति ऋचा पांडेय, अनिस अब्बासी, सी.एल. मीणा, अशोक गोयल देवराहा और सभी जिला अध्यक्ष एवं हजारों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली का जल संकट प्राकृतिक नहीं है यह अरविंद केजरीवाल द्वारा किए गए भ्रष्टाचार एवं अक्रमणयता से उत्पन्न हुआ है और इस बात को दिल्ली की जनता समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता आज अगर एक-एक बूंद पानी के लिए तड़प रही है तो उसकी इकलौते जिम्मेदार अरविंद केजरीवाल हैं। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि 2014 के बाद हरियाणा सरकार द्वारा सीएलसी का निर्माण किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य पानी की बर्बादी को रोकना था और पानी एक कैनल के माध्यम से होते हुए लोगों तक पहुंचे और उस वक्त मुनक नहर से 1049 क्यूसेक पानी हरियाणा सरकार द्वारा दिल्ली को दिया गया। दिल्ली सरकार द्वारा फिर उसे बवाना, हैदरपुर, द्वारका अलग अलग चैनल की तरफ डाइवर्ट किया जाता था और यही से शुरू हुआ भ्रष्टाचार का खेल।

सार संक्षेप

निगम ने मच्छर जनित बीमारियों के खिलाफ तेज किया अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने मच्छर जनित बीमारियों से बचाव व नियंत्रण का अभियान तेज कर दिया है। निगम द्वारा मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। दिल्ली नगर निगम ने बड़ी संख्या में डीबीसी कर्मियों की तैनाती की है जो मच्छरों के प्रजनन की रोकथाम कर रहे हैं और आवश्यकतानुसार कार्रवाई भी कर रहे हैं। दिल्ली नगर निगम द्वारा राजधानी दिल्ली में विभिन्न एजेंसियों व हितधारकों के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया जा रहा है। अंतर विभागीय बैठक के माध्यम से मच्छर जनित बीमारियों के खिलाफ मुहिम को रणनीतिक रूप से लागू किया जा रहा है। आरडब्ल्यूए, नागरिक संगठनों के साथ मिलकर समुदाय स्तर पर इस दिशा में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही, मच्छर रोधी दवा का भी छिड़काव किया जा रहा है। दिल्ली नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार जमा हुए पानी जैसे स्रोतों पर ही मच्छरों के प्रजनन को नियंत्रित करना डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया की रोकथाम और नियंत्रण का मुख्य आधार है, इसके बाद वयस्क मच्छरों की आबादी को नियंत्रित करना प्रमुख तरीका है। इसे देखते हुए, दिल्ली नगर निगम विभिन्न नियंत्रण उपाय कर रहा है। निगम के डीबीसी कार्यकर्ताओं ने 01 जनवरी से 31 मई 2024 तक घरों में 13567884 करीब 1.35 करोड़ दौरे किए। 26163 घरों, इमारतों और भूमि परिसरों में मच्छरों का प्रजनन पाया गया, जिनका पता लगाया गया और उनका स्रोत पर ही समाधान किया गया है। 192405 घरों,इमारतों में छिड़काव और फॉगिंग की गई है। नालियों, नालों, जल निकायों समेत सभी सतही जल जमाव के क्षेत्रों में नियमित रूप से साप्ताहिक अंतराल पर मैनुअल और मोटर चालित स्प्रेयर द्वारा मच्छररोधी दवा का छिड़काव किया जाता है।

दिल्ली अस्पताल अग्निकांड : झुलसी बच्ची की इलाज के दौरान मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के विवेक विहार इलाके में बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल में आग लगने के बाद बचाई गई करीब दो महीने की बच्ची की शुक्रवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। इसी के साथ इस घटना में मरने वाले शिशुओं की संख्या सात हो गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह दो महीने की बच्ची की मौत हो गई। आग की घटना के संबंध में आगे की जांच जारी है। अस्पताल में आग लगने की घटना 25 मई को हुई थी। अधिकारी ने कहा कि अस्पताल में 12 नवजात शिशु भर्ती थे। आग लगने से पहले ही उनमें से एक की मौत हो चुकी थी। सभी नवजात शिशुओं को अन्य लोगों की मदद से अस्पताल से बाहर निकाला गया। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए पूर्वी दिल्ली के एडवांस एनआईसीयू अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान छह की मौत हो गई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार बेबी केयर न्यू बोर्न चाइल्ड अस्पताल ने ऑक्सीजन सिलेंडर के स्टोरेज के संबंध में गृह मंत्रालय (एमएचए) के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया था।

टिल्लू-ताजपुरिया गैंग का शार्प शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राष्ट्रीय राजधानी से टिल्लू-ताजपुरिया गैंग के एक शार्प शूटर को गिरफ्तार किया है। उसे जेल में बंद गैंग लीडर की ओर से प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्यों को खत्म करने का निर्देश मिले थे। आरोपी की पहचान हरियाणा के रोहतक जिले के निवासी विशाल उर्फ घैसल (24) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, क्राइम ब्रांच को दिल्ली और उसके आसपास एक्टिव गैंग के सदस्यों को गिरफ्तार करने का काम सौंपा गया है। डीसीपी (क्राइम) सतीश कुमार ने बताया कि आरोपी विशाल के भलस्वा झील, भलस्वा डेयरी के पास आने के बारे में एक विशेष इनपुट मिला था। टीम ने उस जगह पर छापा मारा और विशाल को गिरफ्तार कर लिया।

मुख्यमंत्री केजरीवाल का दिल्लीवालों को भावुक संदेश, बोले

जनता को सारी सहूलियतें मिलती रहेंगी

- **चुनाव के लिए 21 दिन की मोहलत देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का किया धन्यवाद**

नई दिल्ली, 31 मई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अंतरिम जमानत की अवधि समाप्त होने से पहले शुक्रवार को दिल्लीवासियों को भावुक संदेश दिया। उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए 21 दिन की मोहलत देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद किया और दिल्लीवालों से कहा कि एक जून को मुझे मिली मोहलत समाप्त हो रही है और दो जून को दोपहर तीन बजे सरेंडर करने के लिए मैं घर से निकलूंगा, लेकिन आप चिंता मत करना। मैंने हमेशा आपके परिवार का बेटा बनकर अपना फर्ज निभाया है। मैं चाहे जहां रहूं, लेकिन आपकी 24 घंटे व फ्री बिजली, इलाज, महिलाओं की बस यात्रा समेत सारे काम चलते रहेंगे। संभव है, ये लोग इस बार मुझे

मुझे फक्र है कि मैं देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं : अरविंद केजरीवाल

पहले से ज्यादा प्रताड़ित करें, लेकिन मैं इनके आगे झुकूंगा नहीं। इन्होंने मुझे तोड़ने-झुकाने की खूब कोशिश की, पर सफल नहीं हुए। मुझे फक्र है कि मैं देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं। आपने हर मुश्किल वक्त में एक परिवार की तरह मेरा साथ दिया है। देश बचाने के लिए मुझे कुछ हो भी जाए तो गम मत करना।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए मुझे 21 दिन की मोहलत दी थी। एक जून को 21 दिन पूरे हो रहे हैं और 2 जून को मुझे सरेंडर करना है। मुझे नहीं पता ये लोग इस बार मुझे कब तक जेल में रखने वाले हैं, लेकिन मेरे हौसले बुलंद हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब मैं अभी जेल में था, तब इन्होंने मुझे कई तरह से प्रताड़ित किया। इन्होंने मेरी दवाईयां रोक दी। मैं 20 साल से सीरियस शुगर का मरीज हूं। पिछले 10 साल से मुझे रोज मेरे पेट में 4 बार इंसुलिन के इंजेक्शन लगते हैं।

■ श्री श्री राम मंडल ने भीषण गर्मी में लगाया प्याऊ, लोगों को पिलाया जल।

भारत कर रहा डिहाइड्रेशन से निपटने की गंभीर चुनौती का सामना

नई दिल्ली, 31 मई (देशबन्धु)। देश को इस समय डिहाइड्रेशन से निपटने की गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ता है, खासकर बच्चों में, जहां डायरिया मृत्यु दर का तीसरा प्रमुख कारण है। हाल के एनएफएचएस-5 डेटा से पता चलता है ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट (ओआरएस) एक आवश्यक दवा होने के बावजूद डायरिया से पीड़ित केवल 60.6 प्रतिशत बच्चों को मिलता है, जो जागरूकता बढ़ाने और उचित उपयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। डॉ. पंकज गर्ग, प्रेजिडेंट इलेक्ट, इंडियन एकेडमी ऑफ पेडियाट्रिक्स, दिल्ली चैप्टर

और सीनियर कंसल्टेंट, नियोनेटोलॉजी, सर गंगाराम हॉस्पिटल, नई दिल्ली बच्चों में दस्त और पानी की कमी के प्रबंधन में ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करते हुए बताते हैं, दस्त से तेजी से तरल पदार्थ की कमी, इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन और पानी की कमी होता है। ओआरएस इन खोए हुए तरल पदार्थों और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा करने का एक सरल लेकिन अत्यधिक प्रभावी तरीका है, जो कॉम्प्लीकेशन्स को रोकता है और विशेष रूप से छोटे बच्चों में तेजी से सुधार में मदद करता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि ओआरएस सुरक्षित और प्रभावी दोनों है। गलत नमक या चीनी के मिश्रण का उपयोग हानिकारक हो सकता है। पानी की कमी के उचित प्रबंधन के लिए पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सटीक संतुलन आवश्यक है। गलत घरेलू समाधान या मिठे पेय से संतुलन खराब हो सकता है। इससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

आग की घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठा रहा दिल्ली नगर निगम

- **नगर निगम के सभी विभागों के प्रमुखों के साथ की बैठक**
- **हीट वेव को लेकर जारी की गई एडवाइजरी**

नई दिल्ली, 31 मई (देशबन्धु)। भीषण गर्मी को देखते हुए दिल्ली नगर निगम दिल्लीवासियों की दिक्कतें कम करने को लेकर कई कदम उठा रहा है। मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने भीषण गर्मी की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर नगर निगम के सभी विभाग प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली में किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए सभी विभागों को एक विस्तृत हीट वेव एडवाइजरी जारी की। मेयर ने 31 मई तक सभी विभागों को अपनी एक्शन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी आदेश दिया है।

जब से दिल्ली में भीषण गर्मी पड़नी शुरू हुई है। दिल्ली सरकार के भी सभी विभाग हाई अलर्ट पर हैं। केजरीवाल सरकार लगातार यह सुनिश्चित कर रही है कि दिल्लीवासियों के रोजमर्रा की जिंदगी पर इस हीट वेव का कोई बुरा प्रभाव न पड़े। एमसीडी के विभागों के प्रमुखों के साथ बैठक के बाज जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि स्वास्थ्य और हेल्थकेयर सुविधाओं में आग की घटनाओं को रोकने के लिए

इंजीनियरिंग विभाग के साथ-साथ सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य इकाई प्रबंधकों को कई निर्देशों का पालन कराने के लिए कहा गया है।

जिसमें अस्पतालों को आग बुझाने वाले यंत्र, हाइड्रेंट और अलार्म जैसे अग्निशमन उपकरणों की नियमित रूप से जांच होनी चाहिए ताकि जरूरत के समय ये उपकरण ठीक से काम करते मिलें। अग्नि सुरक्षा उपकरणों का नियमित रखरखाव और जांच की जानी चाहिए।

31 मई 2024 सभी अस्पतालों और हेल्थ यूनिट के प्रभारियों को अपनी एक्शन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

बैठक के बाद मेयर डॉ शैली ओबेरॉय ने अपने एक्स हैंडल एक पर लिखा कि नगर निगम के सभी विभागों के प्रमुखों के साथ एक विस्तृत बैठक हुई, जिसमे भीषण गर्मी की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई और चर्चा के आधार पर सभी विभागों को हीट वेव को लेकर विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई ताकि दिल्ली में कहीं भी कोई दुर्घटना न हो।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत
मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक उत्तर रेलवे नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र.सं.	निविदा सं0	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	77245411	मैन्युफैक्चरिंग एंड सप्लाई ऑफ़ सिलिकॉन कार्बाइड एस पर टी पी पी / एल के ओ	10 एम टी	20-06-24
02	12241029A	एलस्टोमेरिक 19 कोर 750 वी ट्रैन लाइन वायर केबल 50 / 0.25 एम एम	6954 मीटर	01-07-24
03	19244277	आयल कूलर रेडियेटर	22 नग	08-07-24
04	07242670	लवटोरी डोर अरेंजमेंट फॉर ए सी कोचेस	494 नग	21-08-24
05	07241598A	हेक्स एच डी बोल्ट एम 20 X 80-8.8	74661 नग	26-08-24
06	07240280	लॉकएबल गैस स्प्रिंग	9686 नग	28-08-24
07	07241530	एयर ब्रेक होज कपलिंग फॉर फीड पाइप	18068 नग	02-09-24

निविदा शर्तें –1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।
टेंडर नोटिस स. 20 / 2024–2025 दिनांक 31.05.2024 1632/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी–2, सैक्टर–ओमेगा–1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर–201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम मिर्जापुर में उप जिलाधिकारी सदर, जनपद गौतमबुद्धनगर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 259 / एस0टी0–एस0डी0एम0 / 2024 दिनांक 22.03.2024 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक स्व0 अतर सिंह पुत्र अन्तराम निवासी ग्राम चपरगढ, माजरा मिर्जापुर तहसील व जनपद गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग
मिर्जापुर	42 08 35	स्व0 अतर सिंह पुत्र अन्तराम निवासी ग्राम चपरगढ माजरा मिर्जापुर तहसील व जनपद गौतमबुद्धनगर	श्रीमती भुदा देवी	पत्नी	64 वर्ष
			श्री अजय कुमार	पुत्र	37 वर्ष
			श्री विजय कुमार	पुत्र	36 वर्ष
			श्री राहुल कुमार	पुत्र	32 वर्ष
			श्रीमती पूनम	पुत्री विवाहित	38 वर्ष

उपरोक्त परिवार सदस्यों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व अन्य अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा। यदि उच्च स्तरीय जांच के क्रम में प्रश्नगत भूमि पर कृषक का स्वत्व समाप्त होता है तो इस वारिसानों को स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर–ओमेगा–1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर–201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पारसौल में जिलाधिकारी, गाजियाबाद द्वारा प्रस्तुत परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 306 / अह.राजस्व–एस.डी.ओ.गाजि. / 2015 दिनांक 10.03.2015 के अनुसार स्व0 सुखवीर सिंह पुत्र स्व0 शीशराम व स्व0 रामवती पत्नी स्व0 सुखवीर सिंह नि0 ग्राम पारसौल की मृत्यु क्रमशः दिनांक 31.08.2014 व 14.09.1994 को हो चुकी है जिसमें मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है:–

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग	मृतक से संबंध
पारसौल	16 679	स्व0 सुखवीर सिंह पुत्र स्व0 शीशराम व स्व0 रामवती पत्नी स्व0 सुखवीर सिंह नि0 ग्राम पारसौल	राजकुमार मलिक	48	पुत्र
			संजीव मलिक	55	पुत्र
			राजीव मलिक	52	पुत्र
			पूनम चौधरी	44	पुत्री विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड, 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर या प्राधिकरण द्वारा अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी–2, सैक्टर–ओमेगा–1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर–201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम निलौनी शाहपुर में उप जिलाधिकारी जेवर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 736 / एस0टी0–एस0डी0एम0 / 2023 दिनांक 02.08.2023 स्व0 श्रीमती रामवती पत्नी स्व0 श्री गोपीचन्द शर्मा, नि0 ग्राम मिर्जापुर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 18.11.2022 को हो चुकी है। मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
निलौनी शाहपुर	37, 617 629, 1436	श्रीमती रामवती पत्नी स्व0 श्री गोपीचन्द शर्मा नि0 ग्राम मिर्जापुर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्री भोजराज शर्मा	पुत्र	58 वर्ष	
			श्री जयप्रकाश	पुत्र	54 वर्ष	
			श्री शिवदत्त	पुत्र	52 वर्ष	
			श्री गजेन्द्र	पुत्र	47 वर्ष	
रूस्तमपुर	69		श्री रविन्द्र शर्मा	पुत्र	44 वर्ष	
			श्री हरिओम शर्मा	पुत्र	39 वर्ष	
			श्रीमती उर्मिला	पुत्री	53 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर–ओमेगा–1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर–201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम धनौरी में उपजिलामजिस्ट्रेट, मोदीनगर द्वारा प्रस्तुत परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 252 / रीडर.एस0डी0एम0मोदीनगर / 2024 दिनांक 0305.2024 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है:–

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग	मृतक से संबंध
धनौरी	1756	श्री अनुज शर्मा पुत्र स्व0 जे0पी0शर्मा व श्रीमती प्रवीन शर्मा पत्नी स्व0 अनुज शर्मा नि0 गोविन्दपुरी मोदीनगर, जिला गाजियाबाद	श्री हर्षित शर्मा	22	पुत्र
			श्री रचित शर्मा	19	पुत्र

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड, 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर या प्राधिकरण द्वारा अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

कैपिटल ज़ोन

उवाच

वसुंधरा जोन अंतर्गत बृज विहार वार्ड संख्या 68 के क्षेत्र जहां पर जल भराव की समस्या अधिक बनी रहती थी इस बार मानसून से पूर्व बृज बिहार नाले की अभियान के रूप में कराई गई है। जो की निरंतर चल रही है उपकरणों के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग ने बृज विहार नाला सफाई गहनता से की जा रही है।

विक्रमादित्य सिंह मलिक, नगर आयुक्त गाजियाबाद

प्राधिकरण की दो महत्वाकांक्षी परियोजना के लागत में बढ़ोत्तरी की जांच कर रही दो समिति

नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण ने अपनी दो महत्वाकांक्षी विलंबित परियोजनाओं जिसमें सेक्टर 151ए में अंतरराष्ट्रीय गोल्फ कोर्स और सेक्टर-96 में प्रशासनिक भवन के लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया है। ताकि परियोजनाओं के डिजाइन में संशोधन के कारण आए लागत वैरिएशन को संशोधित किया जा सके। दोनों परियोजना को और बेहतर करने के लिए इसके इंटीरियर में बदलाव किए गए है।

अधिकारियों के समक्ष सेक्टर 96 में निर्माणाधीन प्रशासनिक भवन का प्रेजेंटेशन भी दिया गया। जिसमें सीईओ लोकेश एम ने निर्देश दिया कि सभी विभागों के रिकॉर्ड रूम एक ही स्थान पर नहीं बल्कि संबंधित विभागों के कार्यालयों के साथ ही बनाए जाएं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि सीईओ का कक्ष आम जनता के लिए आसानी से सुलभ हो। प्रशासनिक भवन की लागत में वैरिएशन की जांच के लिए एसीईओ संजय कुमार खत्री, ओएसडी महेंद्र प्रसाद और एफसी (एफसी) स्वतंत्र कुमार की तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। दोनों समिति जून में अपनी रिपोर्ट सब्मिट करेंगे।

- अंतरराष्ट्रीय गोल्फ कोर्स और प्रशासनिक भवन का अब तक पूरा होना था काम
- इंटीरियर में बदलाव के चलते बजट में होगी बढ़ोतरी

दोनों परियोजनाओं में देरी के होने के ये है कारण

सेक्टर 151 ए में 113 एकड़ भूमि पर 94 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे गोल्फ कोर्स प्रोजेक्ट में भूमि अधिग्रहण से संबंधित मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है। गोल्फ कोर्स का निर्माण 1 जुलाई, 2021 को शुरू हुआ, 31 दिसम्बर, 2022 तक काम पूरा करने की समय सीमा थी। परियोजना को पूरा करने की वर्तमान समय सीमा मार्च 2025 है।

नोएडा प्राधिकरण का प्रशासनिक भवन दिसम्बर 2024 तक पूरा होने की उम्मीद है। नए कार्यालय का निर्माण 5 जनवरी, 2016 को शुरू हुआ, जिसकी प्रारंभिक समाप्ति तिथि 2 जनवरी, 2019 निर्धारित की गई थी। हालांकि, घटिया काम और 451 दिन देरी होने पर मूल ठेकेदार को 2022 में काली सूची में डाल दिया गया था। नतीजतन, परियोजना अक्टूबर 2022 में एक नए ठेकेदार को हस्तांतरित कर दी गई। जिसे जनवरी 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। संशोधित परियोजना बजट को 478 करोड़ रुपए के प्रारंभिक अनुमान से 303.92 करोड़ रुपए तक समायोजित किया गया है।

मानसून में जल भराव से निपटने के लिए नगर निगम तैयार

गाजियाबाद, 31 मई (देशबन्धु)। नगर निगम ने मानसून से पहले ही गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत जल भराव की समस्या न हो कार्रवाई तेज की है। नगर आयुक्त का दावा है कि शहर के अधिकांश नालो की सफाई हो चुकी है तथा बचे हुए नालों को भी साफ किया जा रहा है। ऐसे जल भराव के हॉटस्पॉट जहां पर जल भराव की स्थिति ज्यादा रहती है उनको चयनित करते हुए प्राथमिकता पर विभागों द्वारा कार्य किया गया है। कई स्थानों पर नालों का निर्माण भी कराया गया है तथा कई नालों को नीचली तली तक साफ किया गया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने बताया कि वसुंधरा जोन अंतर्गत बृज विहार वार्ड संख्या 68 के क्षेत्र जहां पर जल भराव की समस्या अधिक बनी रहती थी इस बार मानसून से पूर्व बृज बिहार नाले की अभियान के रूप में कराई गई है। जो की निरंतर चल रही है उपकरणों के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग ने बृज विहार नाला सफाई गहनता से की जा रही है। जल भराव ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है, जिसके लिए शहीद नगर तथा जे पॉइंट से होते हुए, नाले की सफाई कराई गई है। इसी प्रकार सिटी ज़ोन अंतर्गत पटेल नगर सेकंड वार्ड संख्या 9 तथा 19 का प्रमुख नाला जिसको आरआरटीएस से समन्वय कर तेजी से बनाया जा रहा है। महामाया स्टेडियम से मेरठ रोड के प्रमुख नाले से जोड़ने का कार्य चल रहा है, जिसकी लंबाई लगभग 300 मीटर है जिससे क्षेत्र वासियों को जल भराव की समस्या से निजात मिलेगी इस कार्य को प्राथमिकता पर कराया गया है। मोहन नगर जोन वार्ड संख्या 38 अर्थला मेट्रो स्टेशन के पास जल भराव की विकराल समस्या बनी हुई थी जिसका समाधान करते हुए लगभग 210 मीटर नाले का निर्माण कराया गया, तथा दोनों तरफ सिल्ट चैंबर भी बनाए गए मानसून से पहले प्राथमिकता पर कार्य कराया गया। अर्थला क्षेत्र वासियों को जल भराव की समस्या से निजात दिलाने हेतु सराहनीय कार्रवाई की गई। कवि नगर जोन अंतर्गत वार्ड संख्या 24 महरौली क्षेत्र में लगभग 250 मीटर सड़क तथा नाले का निर्माण प्राथमिकता पर कराया गया जिससे मानसून के समय पर जल भर की समस्या उत्पन्न न हो विशेष ध्यान रखा गया प्रमुख मार्ग तथा नाले के निर्माण से जल भराव की समस्या से क्षेत्र वासियों को निजात मिलेगीद्य जल भराव की समस्या को देखते हुए विजयनगर जोन अंतर्गत वार्ड संख्या 55 में लगभग 350 मी नाले का निर्माण कराया गया जो की कुटी मंदिर से लेकर कृष्णा पार्क तक नाला का निर्माण कराया गया वार्ड संख्या एक में लाइन पर क्षेत्र की तरफ रोज बेल पब्लिक स्कूल से होते हुए 400 मी नाले का निर्माण कराया गया।

- निर्बाध रहेगी जल की प्रवाह
- जनता को इस बार मिलेगा जल भराव की समस्या से निजात : नगर आयुक्त

गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत कहीं भी जल भराव की समस्या न हो जल पूरी तरह से प्रवाहित स्थिति में रहे इस बात को ध्यान रखते हुए नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार निर्माण तथा स्वास्थ्य विभाग वृहद स्तर पर कार्रवाई कर रहे हैं ऐसे हॉटस्पॉट जहां जल भराव की स्थिति बनी रहती थी वहां पर नाला निर्माण का कार्य भी तेजी से कराया गया है।

सार संक्षेप

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर लापता

नोएडा। गिझोड़ गांव स्थित घर से एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरी के पिता ने एक युवक पर किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए सेक्टर-24 थाने में केस दर्ज कराया है। शिकायत में बिहार के सुपौल निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि वर्तमान में वह परिवार के साथ गिझौड़ गांव में रहता है। आरोप है कि बुधवार को अनुभव नाम का युवक शिकायतकर्ता की नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर कहीं ले गया है। परिजनों ने बेटी के साथ अनहोनी होने की आशंका जाहिर की है। किशोरी की सकुशल बरामदगी के लिए एक टीम गठित कर दी गई है। किशोरी के घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की खंगाला जा रहा है।

कुख्यात दनकौरिया गैंग का सरगना गिरफ्तार

नोएडा। रेकी करने के बाद दो और चार पहिया वाहनों की चोरी करने वाले कुख्यात दनकौरिया गैंग के सरगना और उसके साथी को क्राइम रिस्पांस टीम और सेक्टर-39 पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। सरगना पर नोएडा पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। बदमाशों के पास से तमंचा, कारतूस और चाकू बरामद हुआ है। गिरोह में शामिल कई अन्य आरोपी पूर्व में ही पुलिस के हत्थे चढ़ चुके हैं। डीसीपी क्राइम शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना पर टीमों ने दनकौरिया गैंग के सरगना दनकौर निवासी दीपक प्रजापति और गाजियाबाद निवासी अतुल कुमार को सदरपुर कॉलोनी के पास से दबोच लिया। दीपक पर दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा के अलग-अलग थानों में 33 और अतुल के खिलाफ नौ मुकदमे दर्ज हैं। गिरोह के सरगना की तलाश दिल्ली और गाजियाबाद पुलिस भी कर रही थी।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले तीन चालकों पर केस दर्ज

नोएडा। सड़क पर खराब वाहन खड़ा करने और स्टंट करने पर यातायात विभाग की ओर से तीन मामले में चालकों के खिलाफ संबंधित थाने में केस दर्ज कराया गया है। वीडियो वायरल होने के बाद विभाग की ओर से मामले का संज्ञान लिया गया। एक्सप्रेस वे थाने में दी शिकायत में टीआई राम सिंह ने बताया कि परी चौक से दिल्ली की तरफ जा रहे एक्सप्रेस वे पर सेक्टर-142 के पास स्टंट करते हुए लाल रंग के कार चालक ने गाड़ी दौड़ाई। इससे आम लोगों को नुकसान और भय पैदा होने का खतरा पैदा हो गया। स्टंट का वीडियो भी सोशल मीडिया के विविध प्लेटफॉर्म पर वायरल हुआ था। अब इस मामले में टीआई की शिकायत पर कार चालक के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। इसके अलावा विपरीत दिशा में ट्रक को खतरनाक तरीके से एलिवेटेड रोड पर दौड़ाने पर अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। टीएसआई राजवीर सिंह ने सेक्टर-24 पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 25 मई को रात के समय एलिवेटेड रोड पर ट्रक चालक विपरीत दिशा में अट्टा की ओर से सेक्टर-60 अंडरपास की तरफ खतरनाक तरीके से दौड़ा रहा था।

प्रतीक लौरल सोसाइटी में बच्चे के साथ लिफ्ट में फंसे दंपति

नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। सेक्टर-120 स्थित प्रतीक लौरल सोसाइटी की लिफ्ट में छोटे बच्चे संग दंपत्ति 15 मिनट से अधिक समय तक फंसे रहे। दंपति सोसाइटी में परिचित से मिलने आए थे। काफी प्रयास के बाद उन्हें लिफ्ट से निकाला गया। इस दौरान बच्ची रोने लगी। मॉ उसको चुप कराने के लिए लगातार प्रयास करती रही। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सोसाइटी के ई टावर में सातवीं मंजिल पर गौरव उपाध्याय रहते हैं। उनसे गुरुवार को उनके परिचित मेहमान मिलने आए थे। देर रात वापस जाते समय लिफ्ट बंद हो गई। इससे लिफ्ट में दंपति अपने छोटे बच्चे संग फंस गए। लिफ्ट बंद होने के बाद उन्हें लिफ्ट में लिखे सभी नंबरों पर संपर्क किया। लेकिन कोई मदद नहीं मिली। लिफ्ट में सभी जरूरी बटन भी दबाए गए, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। इस दौरान बच्चा काफी रोता रहा।

- 15 मिनट बाद लिफ्ट खोलकर निकाला बाहर

फिर काफी प्रयास के बाद सोसाइटी के लोगों से संपर्क हुआ। लोगों ने सोसाइटी के मेंटेनेंस विभाग में फोन किया। जिसके बाद सर्विस के लोगों ने लिफ्ट को खोलकर दंपति और बच्चे को बाहर निकाला। इसके बाद से दंपति दहशत में है। दंपति के लिफ्ट में फंसे होने का वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहा है। बता दे नोएडा में आए दिन लिफ्ट में फंसने की घटनाएं होती रहती है। लिफ्ट एक्ट कैबिनेट से पास से लेकिन यहां अब इसे लागू नहीं कराया जा सका है। ऐसे में लोगों में आक्रोश है।

तपती दोपहरी में जीडीए ओएसडी ने रुकवाए अवैध निर्माण

गाजियाबाद, 31 मई (देशबन्धु)। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के सख्त रुख के बाद अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान जारी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जीडीए ओएसडी व जोन दो की प्रभारी कनिका कौशिक ने अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाया और कई अवैध निर्माण रुकवा दिए। कनिका कौशिक दलबल के साथ जोन 2 में पहले निरीक्षण किया और अभियान चलाया। निरीक्षण के दौरान डीपीएस स्कूल दुहाई के सामने की सड़क के निकट निर्माणकर्ता/विकासकर्ता द्वारा अवैध कॉलोनी निर्मित किये जाने हेतु जगह-जगह पर बाउण्ड्रीवाल एवं कॉलमों का निर्माण होता हुआ पाया गया तथा सड़क निर्मित किये जाने के लिए जेसीबी द्वारा कार्य संचालित किया जा रहा था। स्थल पर मौजूद मजदूरों द्वारा बताया गया कि अवैध निर्माण अंकित त्यागी द्वारा कराया जा रहा है। स्थल पर निर्माणकर्ता/विकासकर्ता द्वारा कोई स्वीकृत मानचित्र नहीं दिखाया गया। स्थल पर संचालित अवैध निर्माण को सख्त चेतावनी देते हुए तत्काल रूकवाया गया। निर्देशित किया गया कि स्थल पर कोई अवैध निर्माण न होने पाये। निर्माणकर्ताओं/विकासकर्ताओं को निर्देशित किया जाता है कि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत भूमि पर विधिवत मानचित्र स्वीकृत के अनुसार ही निर्माण किया जाए। इसके साथ ही आम जनमानस को भी सूचित किया जाता है कि किसी भी वादग्रस्त विवादित निर्माण में भूखण्डों/भवनों का क्रय-विक्रय न करें।

- अवैध निर्माण बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं : कनिका

जिलाधिकारी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

गाजियाबाद, 31 मई (देशबन्धु)। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने शुक्रवार को डासना जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल अधीक्षक आलोक सिंह को निर्देशित किया जेल में कैदियों से मिलने वाले उनके परिजनों को निर्देशित किया जाए कि जेल के अन्दर पॉलीथीन, प्रतिबंधित प्लास्टिक सहित अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं ना लायी जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि इस बात का ध्यान रखा जाए कि जो सही मायने में अस्पताल में भर्ती कराने की स्थिति में हो उसी को भर्ती करवाया जाए। इसके साथ ही बढ़ते तापमान को देखते हुए कैदियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाए।

उन्होंने देखा कि जेल में साफ-सफाई, स्वच्छता, पेयजल एवं मौसम अनुकूल वातावरण है। उन्होंने इसके साथ ही बीमार कैदियों का समय से उपचार करवाया निरीक्षण के दौरान एडीएम सिटी गम्भीर सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

बकाया जमा नहीं करने वाले बिल्डरों पर होगी सख्त कार्रवाई : मनोज सिंह

नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। बकाया जमा नहीं करने वाले बिल्डरों पर नोएडा प्राधिकरण सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। ऐसी बिल्डर परियोजना की संपत्ति अटैच की जा सकती है। कार्रवाई करने को लेकर औद्योगिक विकास आयुक्त एवं नोएडा-ग्रेनो प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह ने निर्देश जारी कर दिए हैं। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद औद्योगिक विकास आयुक्त ने शुक्रवार को सेक्टर-75 समेत कुछ परियोजना का मौके पर जाकर जाएजा लिया। परियोजना का जाएजा लेते समय उन्होंने मौके पर खाली पड़ी संपत्ति समेत अन्य बिंदुओं पर प्राधिकरण अधिकारियों से मौके पर ही जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि जिन परियोजना पर औद्योगिक विकास आयुक्त मौके पर गए उन पर सबसे ज्यादा बकाया है। प्राधिकरण अधिकारियों का कहना है कि अमिताभ कांत समिति की सिफारिश के मामले में बकाया देने की सहमति नहीं देने वाले या सहमति देने के बाद भी 25 प्रतिशत धनराशि जमा नहीं करने वाले वाले बिल्डरों पर अब सख्ती बरती जाएगी। चुनाव आचार संहिता समाप्त होते ही कार्रवाई शुरू हो जाएगी। ऐसी परियोजना में खाली पड़ी संपत्ति अटैच की जाएगी।

प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि 57 ऐसी बिल्डर परियोजनाएं हैं जिनका किसी न्यायालय में कोई विवाद नहीं है। ऐसे में पहले चरण में इन बिल्डरों से ही बकाया लेकर फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री प्रक्रिया चल रही है। अभी तक 57 में से 18 परियोजना के बिल्डर ने कुल बकाए में से 25 प्रतिशत धनराशि जमा कर दी है। इसके अलावा 18 परियोजना के बिल्डर ने कुछ-कुछ राशि जमा की है। सहमति देने के बाद पांच परियोजना पर प्राधिकरण का बकाया जीरो हो गया था। अभी तक 11 परियोजनाएं ऐसी हैं जिनके बिल्डरों ने बकाया देने के लिए सहमति तक नहीं दी है।

ग्रोसरी की दुकान में लगी आग से लाखों का सामान जलकर राख

नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। सेक्टर-119 स्थित आम्रपाली जोडिएक सोसाइटी के लोअर बेसमेंट की एक ग्रोसरी की दुकान में शुक्रवार सुबह पांच बजे शार्ट सर्किट से आग लग गई। फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर महज 20 मिनट में काबू पा लिया गया। हालांकि इस दौरान दुकान के अंदर रखा लाखों रुपए का सामान जलकर पूरी तरह से राख हो गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सुबह पांच बजे के करीब कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि सेक्टर-119 स्थित एक सोसाइटी में आग लग गई है। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों को रवाना किया गया। हालांकि एक गाड़ी की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। इसमें किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। जिस समय आग लगी दुकान के अंदर कोई मौजूद नहीं था। दुकान के अंदर से धुआं और लपट निकलता देख सोसाइटी के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी। जांच में सामने आया है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। आग से दुकान में रखा सामान जला है। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। आग बुझाने में स्थानीय लोगों ने काफी मदद की।

डॉ. अशोक कुमार गदिया साउथ एशिया चैप्टर के अंतरराष्ट्रीय गवर्नर नियुक्त

गाजियाबाद, 31 मई (देशबन्धु)। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरपर्सन डॉ. अशोक कुमार गदिया को अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लोबल पीस, यूएसए के साउथ एशिया चैप्टर का अंतरराष्ट्रीय गवर्नर नियुक्त किया गया है। शिक्षा के प्रति मजबूत इच्छाशक्ति, दृढ़ विश्वास, संकल्प, समर्पण, दूरदर्शिता, असाधारण उपलब्धियां और नेतृत्व के गुणों के कारण उनकी यह विशेष नियुक्ति हुई है। डॉ. अशोक कुमार गदिया अपनी निपुणता एवं कार्यकुशलता से मानव कल्याण, शिक्षा एवं वैश्विक शांति के क्षेत्र में नए आयामों का सृजन करने में सफल रहेंगे।

यहां बता दें कि एक सफल चार्टर्ड अकाउंटेंट होने के साथ डॉ. अशोक कुमार गदिया प्रमुख शिक्षाविद् हैं। वर्तमान में वे राजस्थान स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय के संस्थापक और मेवाड़ शिक्षा संस्थानों के चेयरमैन हैं। स्त्री शिक्षा को वरीयता, युवाओं में कौशल विकास को बढ़ावा देना और अनुसूचित, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग को समाज में शिक्षा के माध्यम से सम्मानजनक स्थान सुनिश्चित करवाने के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। अपने नए-नए प्रयोगों और सूझ-बूझ से चित्तौड़गढ़ राजस्थान स्थित मेवाड़ यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने हमेशा नौजवान विद्यार्थियों को देश और समाज की मुख्यधारा से जोड़ा है। उनमें देशभक्ति का जज्बा और समाज के प्रति जिम्मेदारियों के संस्कारों का पोषण किया है।

अवैध निर्माण का गढ़ बनता जा रहा खोड़ा

■ सी पी पाठक

खोड़ा, 31 मई (देशबन्धु)। इसे व्यवस्था की बदहाली कहे या भ्रष्टाचार की चरम सीमा। निकाय क्षेत्र के अंतर्गत नहीं रुक रहा है अवैध निर्माण का खेल। चाहे बेसमेंट हो अथवा पांचवीं मंजिल का अवैध निर्माण नगर पालिका परिषद के अधिकारियों के अथक प्रयास के बावजूद भी आखिरकार लोग अपने मकसद में कामयाबी हासिल कर ही लेते है। बाद में होती है सीलिंग और मुकदमा पंजीकृत करवाने की कागजी कार्रवाई। मामला चाहे सरकारी जमीनों को कब्जाने का हो अथवा अवैध निर्माण का थोड़ी सी बाधाओं के उपरांत कामयाबी मिल जाती है।

यही तो वजह है कि आज नगर पालिका परिषद के पास किसी प्रमुख बाजार या चौराहे पर यूरिनल बनाने के लिए जगह उपलब्ध नहीं है। लोग चंद रुपयों की लालच में अधाधुंध अवैध निर्माण करने से गुरेज नहीं करते। यहां किरायेदारी का कारोबार खूब फल फूल रहा है नोएडा दिल्ली गाजियाबाद की फैक्ट्रियों में कार्यरत कामगारों को सुलभ और सस्ता मकान आसानी से मिल जाता है। दिनोदिन स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। पांच सात सौ फिट की गहराई और हजारों की संख्या में बोरो की वजह से जमीन से पानी के

अत्यधिक दोहन के साथ धरती माता की कोख खोखली होती जा रही है। नगर पालिका परिषद बोर्ड द्वारा प्रस्तावित नियमावली के अनुसार यहां पर ग्राउंड + तीन मंजिला भवन के निर्माण की अनुमति है। लेकिन बेसमेंट बनाने की इजाजत नहीं है। मगर नगर पालिका परिषद की लचर व्यवस्था की वजह से हजारों की संख्या में बेसमेंट बन चुके है। प्रत्येक पचास मकान के बाद एक पांचवीं मंजिल का अवैध निर्माण भी देखने को मिलेगा।

नगर पालिका परिषद के पास निर्माण से संबंधित एक अवर अभियंता और पांच संविदाकर्मी है। अवैध निर्माण को लेकर कोई भी गंभीर नहीं है। अवैध निर्माण को लेकर ई ओ और चेयरमैन पर भी लोग आरोप लगाते है। मगर असली खेल तो अवैध निर्माण से होने वाली कमाई का है। तीन वर्ष पहले अवैध निर्माण को रोकने के लिए अवर अभियंता के नेतृत्व में प्रवर्तन दल की चार सदस्यीय टीम थी। अवैध उगाही की शिकायते मिलने पर पूर्व अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता द्वारा प्रवर्तन दल को भंग कर निर्माण का कार्य अन्य संविदाकर्मियों को दे दिया गया। दो चार माह स्थिति नियंत्रण में रही। मौजूदा समय में नपा में एक दो शिकायते प्रतिदिन मिल रही है। दो दिन पहले प्राथमिक विद्यालय नेहरू गार्डेन में पांचवी मंजिल पर शेट्रिंग कर दी गई। एक सप्ताह पहले दीपक विहार में बेसमेंट बनाने की शिकायत मिली थी। 30 मई को वार्ड 22 की सभासद सरोज देवी ने नगर पालिका परिषद कार्यालय में मास्टर पार्क में अवैध निर्माण की लिखित शिकायत दी है। शिकायत का सिलसिला पिछले चार पांच वर्षो से चल रहा है। इसके बावजूद भी अवैध निर्माण रोकने में नपा फेल साबित हो रही है।

- पांच मंजिला तक बनाई जा रही इमारत
- कमाई का खेल बन गया है अवैध निर्माण

क्या वजह है अवैध निर्माण की

नगर पालिका परिषद के पास भवन नियमावली नहीं है। भवन नियमावली गाजियाबाद विकास प्राधिकरण में विचाराधीन है। नपा के पास स्थाई और जिम्मेदार कर्मचारियों का अभाव है। अधिकारी मामले की तह तक नहीं पहुंच पाते। अवैध निर्माण से होने वाली उगाही का मामला भी अहम है। कुछ मामलों में सभासद और जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप की वजह से अधिकारी कारवाई से बचते है। पिछले चार वर्षों से नपा द्वारा सीलिंग और मुकदमा पंजीकृत कराने के अलावा कोई ध्वस्तीकरण की प्रभावी कारवाई न होने की वजह से अधाधुंध निर्माण करने में लोग सफल रहे है। नगर पालिका परिषद के प्रभारी अधिशासी अधिकारी के के मिश्र का कहना है कि अवैध निर्माण की शिकायत मिलने पर प्रभावी ढंग से कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मकानों की सीलिंग के उपरांत मुकदमा दर्ज करवाया जाता है। यदि लोग नियमो का पालन नहीं करेगे तो ध्वस्तीकरण की कारवाई की जाएगी। नगर पालिका की चेयरमैन मोहिनी शर्मा का आरोप है कि कई कर्मचारी अवैध निर्माण से उगाही कर रहे है। उन्हें हटाए जाने पर ई ओ द्वारा पुन: रख लिया जाता है। जिसकी वजह से अवैध निर्माण रोकने में दिक्कतें हो रही है।

एक करोड़ रुपए हड़पने के मामले में कंपनी समेत नौ आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। एक करोड़ रुपए हड़पने के मामले में एक नामी कंपनी के निदेशक ने नौ नामजद आरोपियों और एक अन्य कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में सेक्टर-58 थाने में केस दर्ज कराया है। आरोप है कि पैसे वापस मांगने पर आरोपियों द्वारा शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस इस मामले में नामजद आरोपियों से पूछताछ करने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत अभिलाशा कामर्शियल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक पंकज अरोड़ा की ओर से दर्ज कराई गई है। आरोप है कि मैथोडेक्स सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक और कर्मचारियों ने सोची समझी रणनीति के तहत शिकायतकर्ता के साथ धोखाधड़ी की है। केस रोहित कटारिया, करण कटारिया, संजय कटारिया, वीरल शाह, जितेंद्र पालीवाल, निश्वल खन्ना, विपिन बाबूभाई शाह, पंकज गांधी, कल्पक गांधी और मेथोडेक्स सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के खिलाफ दर्ज हुआ है। शिकायत में पंकज अरोड़ा ने बताया कि आरोपियों ने सितम्बर 2021 में उनसे संपर्क किया और बताया कि वह बहुत मुनाफे वाला काम कर रहे हैं। आरोपियों ने शिकायतकर्ता को व्यावसायिक प्रोग्राम में शामिल होने पर करोड़ों रुपए का मुनाफा होने का झांसा दिया। जब प्रोग्राम के बारे में शिकायतकर्ता ने जानकारी मांगी तो आरोपियों द्वारा बताया गया कि आंध्र प्रदेश की सरकार में उनकी बड़े लोगों से जान पहचान है। बड़े अधिकारियों की मदद से उनकी कंपनी को एक बड़ा अनुबंध टेंडर आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से मिला है। इस अनुबंध को जानबूझकर गोपनीय रखा गया है ताकि टेंडर की जानकारी कहीं लीक न होने पाए। शिकायतकर्ता को यह भी बताया गया हि टेंडर के चलते इंटीग्रेटेड मिनी फिश रिटेल आउटलेट आंध्र प्रदेश में स्थापित किया जाना है। इन आउटलेट्स के लिए आरोपियों की कंपनी को काफी सामान चालिए। सामान की आपूर्ति कर करोड़ों रुपए का मुनाफा कमाया जा सकता है। आरोपियों द्वारा यह भी बताया गया कि उनके द्वारा राष्ट्रमंडल खेल, राजस्थान सरकार का सोलर प्रोजेक्ट और उत्तराखंड चार धाम योजना आदि का भी टेंडर लिया गया है।

- पैसे वापस मांगने पर आरोपियों ने शिकायतकर्ता को दी जान से मारने की धमकी
- सरकारी भुगतान रुकने की बात कहकर आरोपियों ने मांगी थी एक करोड़ की मदद

कैपिटल ज़ोन

उवाच

मतगणना दिवस से पहले मीडिया में एडवाइजरी जारी करा दी जाएगी कि फूल मंडी के किस गेट से एंट्री होगी और कहां पर पार्किंग व्यवस्था की गई है, इसकी सूचना पहले से ही राजनीतिक पार्टियों, उम्मीदवारों, अभिकर्ताओं तथा मीडिया बन्धुओं को दे दी जाए, ताकि मतगणना के दिन किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अतुल कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी

सुपरटेक अपकंट्री प्रोजेक्ट के 900 बायर्स के फ्लैट की रजिस्ट्री का रास्ता साफ

- अतिरिक्त मुआवजा व लीजरेंट का भुगतान करने पर यीडा करेगा राजिस्ट्री
- सुपरटेक अपकंट्री वेलफेयर एसोसिएशन को यमुना प्राधिकरण से मिली राहत

ग्रेटर नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। सुपरटेक बिल्डर के दिवालिया होने पर अपकंट्री प्रोजेक्ट के 900 फ्लैट बायर्स को यमुना प्राधिकरण ने बड़ी राहत दी है। अतिरिक्त मुआवजा और लीज रेंट जमा करने पर प्राधिकरण रजिस्ट्री करने के लिए तैयार हो गया। आईआरपी को यमुना प्राधिकरण के साथ स्क्रो एकाउंट खुलवाना होगा। स्क्रो एकाउंट में बकाया पैसा जमा करने पर प्राधिकरण फ्लैट की रजिस्ट्री करेगा। इससे प्राधिकरण को करीब 107 करोड़ मिलेगा।

यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण सेक्टर-17 ए में सुपरटेक के अपकंट्री प्रोजेक्ट के 900 पिछले कई साल से फ्लैट का मालिकाना हक मिलने का इंतजार कर रहे हैं। सुपरटेक बिल्डर के दिवालिया होने पर आईआरपी के हवाले प्रोजेक्ट हो गया है। सुपरटेक अपकंट्री वेलफेयर एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरूणवीर सिंह से मिला। फ्लैट बायर्स ने मांग रखी कि उनके फ्लैट की रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है। बिल्डर और आईआरपी के बीच वे लोग पिस रहे हैं। सीईओ ने फ्लैट बायर्स को आश्वासन दिया कि किसानों को बकाया अतिरिक्त मुआवजा व लीजरेंट आवंटी जमा करा दें तो फ्लैट की रजिस्ट्री करा देंगे। बिल्डर पर 15.86 करोड़ रूपए अतिरिक्त मुआवजा और 33.53 करोड़ रूपए लीजरेंट का बकाया है। यमुना प्राधिकरण के साथ आईआरपी को बैंक में स्क्रो एकांउट खुलवाना होगा। जिसमें फ्लैट बायर्स अतिरिक्त मुआवजा और लीज रेंट जमा कर प्राधिकरण से रजिस्ट्री के लिए एनओसी ले सकते हैं।

फ्लैट बायर्स ने अतिरिक्त मुआवजा और लीज रेंट का भुगतान करने के लिए सहमत हो गए है। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉक्टर अरूणवीर ने बताया कि आईआरपी से बात कर जल्द ही फ्लैट बायर्स को रजिस्ट्री के लिए एनओसी जारी कर देंगे। इससे करीब 900 बायर्स को राहत मिलेगी। अपकंट्री प्रोजेक्ट के करीब 100 बायर्स के फ्लैट की रजिस्ट्री पहले हो चुकी है।

यीडा 40 गांवों की आबादी को छोड़कर जमीन अर्जन का तैयार करेगी प्रस्ताव

- जमीन अर्जन के बाद किसानों को अब आबादी के लिए नहीं होगा भटकना
- यमुना प्राधिकरण पांच साल में 40 गांव की 15 हजार हेक्टेयर जमीन का करेगी अधिग्रहण

ग्रेटर नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण में पांच साल के दौरान 40 गांव की 15 हजार हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण करने का प्रस्ताव तैयार कर रही है। प्रस्ताव तैयार करने से पहले प्राधिकरण इन गांवों की आबादी का सर्वे करा रहा है। सर्वे के दौरान आबादी को अधिग्रहण से मुक्त रखा जाएगा। आबादी के चारों तरफ बाउंड्रीवाल बनाकर सेक्टर को विकसित किया जाएगा। आबादी विनियमावली एक्ट के तहत गांवों का सर्वे कराकर जमीन अर्जन का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

जमीन अधिग्रहण के बाद आबादी को अधिग्रहण से मुक्त करने को लेकर अक्सर किसानों की शिकायत रहती है। जमीन अधिग्रहण के तहत आबादी निनियमावली एक्ट का ध्यान नहीं रखा जाता है। आबादी की जमीन को भी अधिग्रहण प्रस्ताव में शामिल कर लिया जाता है। आने वाले पांच साल के दौरान यमुना प्राधिकरण 40 गांवों की जमीन का अधिग्रहण करने जा रहा है। जिसका प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। प्रस्ताव तैयार करने से पहले गांवों की आबादी का सर्वे कराया जा रहा है, आबादी के चारों तरफ पेरीफेरल बनाकर उसे अर्जन प्रस्ताव से मुक्त रखा जाएगा। यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण के सीईओ डॉक्टर अरूणवीर सिंह ने बताया कि आबादी का सर्वे के लिए भूलेख विभाग की टीम मौके पर जाकर सर्वे कर रही है। मौके पर बनी आबादी के चारों तरफ पेरीफेरल क्षेत्र चिन्हित किया जा रहा है। जमीन अधिग्रहण प्रस्ताव में पेरीफेरल क्षेत्र को अर्जन प्रस्ताव में शामिल नहीं किया जाएगा।

यीडा 33 गांव के किसानों को एक माह में देगा 2842 करोड़ मुआवजा

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण ने 33 गांव के किसानों को एक माह के अंदर 2842 करोड़ रूपए का अतिरिक्त मुआवजा का भुगतान करेगा। गांवों में शिविर लगाकर किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। किसानों को अतिरिक्त मुआवजा न मिलने पर प्राधिकरण कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए हैं। कोर्ट में केस और वारिसान को लेकर विवाद होने के कारण इन गांवों के किसानों को अतिरक्त मुआवजा नहीं मिल पाया था। जिसके कारण प्राधिकरण के विभिन्न सेक्टरों में विकास कार्य नहीं हो पा रहा है। प्राधिकरण ने अब उन गांवों के किसानों की सूची तैयार कर ली है जिन गांव के किसानों ने कोर्ट से केस वापस ले लिया और वारिसान का भी विवाद खत्म हो गया है।

यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण सेक्टर-18, 20, 33, 32, 28, 17 जैसे कई सेक्टरों में कुछ हिस्सों की जमीन पर किसानों ने कोर्ट से स्टे था। वारिसान को लेकर भी विवाद चल रहा था। प्राधिकरण को जमीन पर कब्जा न मिल पाने के कारण इन सेक्टरों में पूरी तरह विकास कार्य नहीं पा रहा था। यमुना प्राधिकरण ने इन गांवों की जमीन का सर्वे कराकर पूरी सूची तैयार कर ली है, जिन गांव के किसानों ने कोर्ट से केस वापस ले लिया और वारिसान का विवाद भी खत्म हो चुका है। ऐसे करीब 33 गांव है, जहां पर जमीन पर कब्जा लेने को लेकर कोई विवाद नहीं है। प्राधिकरण अब इन गांवों में एक जून से 30 जून तक शिविर लगाकर किसानों को अतिरिक्त बांटेगा।

यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरूणवीर सिंह ने बताया कि 33 गांव के करीब सैकड़ों किसानों को एक माह के अंदर 2842 करोड़ रूपए का अतिरिक्त मुआवजा बांट जाएगा। मुआवजा देने के साथ जमीन पर कब्जा लेकर विकास कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

ग्रेनो प्राधिकरण ने रूपवास में जमीन अतिक्रमण पर चलाया बुलडोजर

- 5 हजार वर्ग मीटर जमीन को कराया कब्जा मुक्त
- रूपवास बाईपास पर रोड की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया

ग्रेटर नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने रूपवास और बाईपास के पास रोड की जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर चलाया। प्राधिकरण ने लगभग 5000 वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 10 करोड़ रुपए है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने अधिसूचित एरिया में अतिक्रमण के खिलाफअभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। परियोजना विभाग अतिक्रमण हटाने की लगातार कार्रवाई कर रहा है। शुक्रवार को वर्क सर्किल दो की टीम ने रूपवास और रूपवास बाईपास के पास रोड की जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। रूपवास बाईपास के पास स्थित 5000 मीटर जमीन पर कालोनाइजर अवैध कालोनी विकसित करने की कोशिश कर रहे थे। शुक्रवार को प्राधिकरण के परियोजना विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार के नेतृत्व में वर्क सर्किल दो की टीम ने अतिक्रमण को ढहा कर रास्ते की जमीन खाली करा ली है। टीम ने प्राधिकरण के सुरक्षाकर्मियों की मदद से इन खसरा नंबरों की 5000 वर्ग मीटर जमीन को भी अतिक्रमण से मुक्त करा लिया है। परियोजना विभाग के महाप्रबंधक व ओएसडी हिमांशु वर्मा ने चेतावनी दी है कि प्राधिकरण की अधिसूचित एरिया में जमीन कब्जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने परियोजना विभाग के सभी वर्क सर्किल प्रभारियों को अपने एरिया में जमीन पर अतिक्रमण रोकने के लिए कड़ी नजर रखने और अतिक्रमण की सूचना मिलते ही कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग ने कहा है कि अवैध रूप से जमीन कब्जा कर काटी जा रही कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं। अगर किसी कॉलोनाइजर से अवैध कॉलोनी में प्लॉट खरीदा है तो रजिस्ट्री का प्रपत्र लेकर पुलिस से शिकायत करें। साथ ही इसकी एक कॉपी प्राधिकरण को भी उपलब्ध कराएं ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने कहा है कि ग्रेटर नोएडा के अधिसूचित एरिया में किसी भी व्यक्ति को अवैध निर्माण करने की इजाजत नहीं है। ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें।

ग्रेनो प्राधिकरण ने व्यवसायिक भूखंडों की योजना में आवेदन की तिथि बढ़ाई गई

- अब 10 जून तक कर सकते हैं पंजीकरण, 4 के बाद होगा आरक्षित मूल्य का निर्धारण
- सेक्टर-10,12 टेकजोन -6 आदि सेक्टरों में 2313.47 से 12,000 वर्गमीटर तक के 12 भूखंड
- ई- नीलामी के माध्यम से आवंटित किए जाएंगे भूखंड, व्यवसायिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

व्यवसायिक भूखंडों की योजना में पंजीकरण करने की तिथि बढ़ा दी गई है। अब 10 जून तक आवेदन किया जा सकता है। भूखंडों का आवंटन ई- नीलामी के माध्यम से किया जाएगाः **संतोष कुमार, ओएसडी, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण**

ग्रेटर नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की व्यवसायिक भूखंडों की योजना में आवेदन करने की तिथि एक बार फिर बढ़ा दी गई है। अब 10 जून तक पंजीकरण कर सकते हैं। आरक्षित मूल्य का निर्धारण न हो पाने की वजह से यह निर्णय लेना पड़ा। आरक्षित मूल्य का निर्धारण चार जून के बाद होगा। इससे पहले 14 मई तक आवेदन करना था। योजना में अलग-अलग साइज के 12 भूखंड हैं, जिनका आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा।

शहर के आवासीय सेक्टरों में रहने वाले लोगों के अलावा औद्योगिक सेक्टरों के लोगों को जरूरी वस्तुओं की खरीदारी करने के लिए सेक्टर से दूर न जाना पड़े, इसके लिए प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के आवासीय सेक्टर-10 व 12 के अलावा टेकजोन-6, इकोटेक-12, अल्फा-2, डेल्टा-2 आदि सेक्टरों में 12 व्यवसायिक भूखंडों की योजना निकाली है। जिसमें पंजीकरण की अंतिम तिथि पहले 19 मार्च थी। जिसे बढ़ाकर 14 मई किया गया और अब 10 जून कर दी गई है। योजना में 2313.47, 2580, 9250, 10,400 व 10,600 वर्गमीटर से लेकर 12 हजार वर्गमीटर तक भूखंड हैं। आवेदन प्राप्त होने के बाद अन्य प्रक्रिया पूरी कर ई नीलामी के माध्यम से भूखंडों का आवंटन किया जाएगा।

उद्घोष में मनमोहक प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थी सम्मानित

ग्रेटर नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। आईटीएस इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में दो दिवसीय कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत से लेकर रॉक बैंड का आयोजन किया गया। जिसमें एकल और समूह नृत्य प्रदर्शनों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद फैशन शो हुआ, जो सबसे स्टाइलिश और फुल हाउस इवेंट था, जिसे बड़े पैमाने पर सराहना मिली और आईटीएस इंजीनियरिंग कॉलेज के हर कोने में ग्लैमर फैल गया। इस दौरान विजेताओं को बधाई और उद्घोष के शानदार सफलता बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों और समर्थकों को धन्यवाद दिया।

विद्यार्थियों को उद्योग व नवाचार के प्रति किया गया जागरुक

ग्रेटर नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। लॉयड बिजनेस स्कूल में इनोवेट एंड एलिवेट मास्टरिंग एंटरप्रेन्योरियल स्किल्स पर एक अकादमिक इंटरेक्शन सत्र का आयोजन हुआ। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम लॉयड बिजनेस स्कूल एल.बी.एस., एसोचैम और लॉयड टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस इनक्यूबेटर फाउंडेशन के बीच एक सहयोग है, जो अकादमिक विशेषज्ञता और उद्योग अंतर्दृष्टि के समृद्ध संगम का वादा करता है। इस सत्र का उद्घाटन लॉयड बिजनेस स्कूल के ग्रुप डायरेक्टर द्वारा किया गया। इस सत्र के दौरान, छात्रों को उद्यमिता की पेचीदगियों को समझने का अवसर मिला, जिसमें यह पता लगाया गया कि कैसे शिक्षा और उद्योग नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए तालमेल कर सकते हैं। इस कार्यक्रम ने छात्रों को उद्यमशीलता कौशल की अपनी समझ को बढ़ाने और शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत संबंध बनाने में निहित अपार संभावनाओं को उजागर करने में मदद की।

किसानों को जैविक खेती प्रशिक्षण व उत्पाद के लिए किया जागरुक

ग्रेटर नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। गलगोटिया विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय कृषि छात्र संघ-उत्तर प्रदेश के सहयोग से ग्रेटर नोएडा के कनरसा-कनारसी गांव में एक व्यापक जैविक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम और जैविक उत्पाद सेटअप की स्थापना का आयोजन किया, जिसमें जीवामृत, वर्मीकम्पोस्ट और अन्य टिकाऊ कृषि आदानों का उत्पादन शामिल है। यह पहल विश्व पर्यावरण दिवस 2024 के हिस्से के रूप में स्थायी कृषि और पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। गलगोटियास विश्वविद्यालय जैविक खेती प्रथाओं को अपनाने और उच्च गुणवत्ता वाले जैविक आदानों का उत्पादन करने के लिए ज्ञान और उपकरणों के साथ स्थानीय किसानों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे मिट्टी के स्वास्थ्य, फसल की उच्चतम गुणवत्ता वाली पैदावार और पर्यावरणीय स्थिरता में वृद्धि होती है। प्रशिक्षण के अलावा, छात्र स्टार्टअप, किसान मित्र ने गलगोटिया विश्वविद्यालय और एआईएएसए- उत्तर प्रदेश से वित्तीय सहायता के साथ किसान जीतराम सिंह के खेतों में विभिन्न जैविक उत्पादों के लिए उत्पादन इकाइयां स्थापित की हैं। गलगोटिया विश्वविद्यालय के सीईओ डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने कहा कि इस तरह की पहल टिकाऊ कृषि के लिए एक मॉडल के रूप में काम करेगी। जैविक उत्पाद इकाइयों की स्थापना के साथ प्रशिक्षण के संयोजन से, यह गांव एक स्वस्थ, अधिक समृद्धशाली भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर आलू से भरा कैंटर पलटा

दनकौर, 31 मई (देशबन्धु)। दनकौर क्षेत्र में स्थित यमुना एक्सप्रेस वे पर गुरुवार रात आलू के बोरों से भरा एक कैंटर गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। आलू के बिखर जाने पर एक्सप्रेस वे पर भी जाम भी लग गया। इस हादसे में कैंटर के ड्राइवर और हेल्पर को चोट आई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। बुलंदशहर निवासी ताहिर कैंटर गाड़ी के ड्राइवर है। जो एक किसान के आलू के बोरों में भरकर गुरुवार रात दिल्ली की गाजीपुर मंडी के लिए अपने हेल्पर नरसी के साथ यमुना एक्सप्रेस वे के रास्ते जा रहे थे। जब उनकी गाड़ी दनकौर क्षेत्र में स्थित स्पोर्ट्स सिटी के पास पहुंची। इस दौरान ड्राइवर को नींद की झपकी आ जाने से गाड़ी का बैलेंस बिगड़ गया और वह डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। इस हादसे में ड्राइवर और हेल्पर दोनों गाड़ी के अंदर फंस गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद दोनों को बाहर निकाला। पुलिस का कहना है कि दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लेकिन दोनों की जान खतरे से बाहर हैं। पुलिस का कहना है की घटना के दौरान आलू एक्सप्रेसवे पर बिखर गया। जिसके चलते कुछ समय के लिए ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ। इसके बाद पुलिस ने आलू को वहां से अलग किया। साथ ही पलटी हुई गाड़ी को सीधा करके वहां से हटाया। जिसके बाद ही ट्रैफिक सुचारू रूप से चल सका। कोतवाली दनकौर संजय सिंह का कहना है कि अनियंत्रित होने के चलते गाड़ी पलटी है। इस घटना में ड्राइवर हेल्पर को चोट आई है। हालांकि दोनों की जान खतरे से बाहर है।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः-0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

मतगणना की तैयारी को लेकर उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने की बैठक

मतगणना स्थल पर मतगणना कार्मिक, उम्मीदवारों, अभिकर्ताओं, मीडिया बन्धुओं के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं रखें

ग्रेटर नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव का मतगणना 4 जून को फूल मंडी फेस 2 नोएडा होगा, जिसकी तैयारी को लेकर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में मतगणना की व्यवस्था हेतु नियुक्त किए गए नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप अपनी-अपनी तैयारी को युद्ध स्तर पर पूरा करते हुए अंतिम रूप प्रदान करें, ताकि मतगणना को जनपद में निष्पक्ष, स्वतंत्र, पूर्ण पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके।

मतगणना स्थल पर सुरक्षा के मद्देनजर वाहन प्रवेश प्रतिबंधित रहेंगे सिर्फआब्जर्वरों के वाहन ही मतगणना स्थल तक जाएंगे। इसके साथ ही मतगणना स्थल पर साफ-सफाई, पीने के पानी व मतगणना के कार्य में लगे कार्मिकों के लिए भोजन की व्यवस्था, विद्युत, प्रकाश, टेन्ट, कुर्सियों, फर्नीचर सहित कूलर, पंखा आदि की भी उचित व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए की मतगणना स्थल पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कम्युनिकेशन सेंटर, पब्लिक कम्युनिकेशन सेंटर एवं मीडिया सेंटर बनाते हुए उनमें सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तथा सुविधा समय रहते सुनिश्चित कर दी जाए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मतगणना दिवस से पहले मीडिया में एडवाइजरी जारी करा दी जाएगी कि फूल मंडी के किस गेट से एंट्री होगी और कहां पर पार्किंग व्यवस्था की गई है, इसकी सूचना पहले से ही राजनीतिक पार्टियों, उम्मीदवारों, अभिकर्ताओं तथा मीडिया बन्धुओं को दे दी जाए, ताकि मतगणना के दिन किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में अपर जिलाधिकारी भू.आ. बच्चू सिंह, डिप्टी कलेक्टर अनुज नेहरा, चारूल यादव, समस्त उप जिलाधिकारी/ ए.आर.ओ. सहित भी नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

सेक्टरों की समस्या को लेकर फेडरेशन ऑफ आर डब्ल्यू ऐज की टीम ने प्राधिकरण से की वार्ता

ग्रेटर नोएडा, 31 मई (देशबन्धु)। फेडरेशन ऑफ आर डब्ल्यू ऐज की आम सभा की बैठक में प्राधिकरण की बेरुखी को लेकर, फेडरेशन द्वारा आंदोलन की रूप रेखा तैयार की थी, जिसमे पहले वार्ता के लिए एक 7 सदस्यीय चुनाव कमेटी का गठन आम सभा में प्राधिकरण से वार्ता के लिए किया गया था। पिछले मंगलवार को देवराज नागर इस विषय को लेकर मुख्य कार्यपालक अधिकारी से मिले थे और उनसे सामूहिक बैठक, पानी आदि विषयों पर चर्चा की थी और उन्होंने इसमें कमेटी की वार्ता और आगामी बैठक के लिए अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग को आदेशित किया था। शुक्रवार को फेडरेशन की स्पेशल वार्ता कमेटी आरपीएस यादव रिटायर्ड डीआईजी उत्तर प्रदेश पुलिस के नेतृत्व में प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी से मिला और शहर के महत्वपूर्ण विषय उद्यान, परिवहन व सामूहिक बैठक पर चर्चा की, जिसमें अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने व्यवस्था को जल्द सुधारने और 4 तारीख को चुनाव की मतगणना के उपरांत बैठक करवाने का आश्वासन दिया है। मतगणना समाप्त होते ही सभी विभागों को साथ लेकर फेडरेशन के साथ बड़ी बैठक की जाएगी, जिसकी तैयारी के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित भी किया गया। इस मौके पर आरपीएस यादव, गजेंद्र चौधरी, देवराज नागर, युधिष्ठिर शर्मा, भुवनेश गर्ग उपस्थित रहे।

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्लॉट नं0-01, सेक्टर-के0पी0-04, ग्रेटर नौएडा सिटी
जिला गौतमबुद्ध नगर
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि NIPCCD Co-Operative Housing Society Ltd. के माध्यम से आवंटित भूखण्ड/भवन संख्या-58, Sector- Alpha-1 Greater Noida क्षेत्रफल-109.62 वर्ग मीटर, Shri A.K. Sinha S/o Late Shri Awadhesh Kumar Sinha के पक्ष में आवंटित/पंजीकृत है। आवंटी Shri A.K. Sinha की मृत्यु दिनांक-15.12.2022 को हो जाने के उपरान्त उनके स्थान पर उनकी पत्नी एवं पुत्री Mrs. Vineeta Sinha & Ms. Ritwika Srivastava W/o, D/o Late Abhay Kumar Sinha ने उक्त भवन को अपने पक्ष में नामान्तरण कराने हेतु आवेदन किया है। इस म्यूटेशन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में आवंटी Shri A.K. Sinha के स्थान पर उनकी पत्नी एवं पुत्री Mrs. Vineeta Sinha & Ms. Ritwika Srivastava W/o, D/o Late Abhay Kumar Sinha के नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रभारी (ग्रुप हाउसिंग)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्लाट नं0-1 सैक्टर नॉलिज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी
जिला-गौतमबुद्धनगर।
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की सी0ओ0पी01 आवासीय भूखण्ड योजना के अन्तर्गत भूखण्ड संख्या-ए-169, सैक्टर-आर.एच.ओ-01, आकार-120 वर्गमीटर आवंटन संख्या-सी15139, के आवंटी श्री मोहिन्द्र कुमार चोपडा पुत्र श्री नौहरिया राम चोपडा के नाम आवंटित है। आवंटी श्री मोहिन्द्र कुमार चोपडा पुत्र श्री नौहरिया राम चोपडा के मृत्यु दिनांक 02.08.2023 को हो जाने के उपरान्त उक्त भूखण्ड को वारिसान के आधार पर उनके पुत्र श्री संदीप चोपडा पुत्र स्वं० मोहिन्द्र कुमार चोपडा निवासी-ग्राम-मकान नं0-1545, सेक्टर-37, ग्रेटर नोएडा जिला-गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश-201303 द्वारा उक्त भूखण्ड को अपने पक्ष में नामान्तरण करने हेतु प्राधिकरण कार्यालय में प्रपत्र प्रस्तुत किये हैं। इस नामान्तरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की तिथि से 35 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें। अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों मे उक्त भूखण्ड का नामांतरण श्री मोहिन्द्र कुमार चोपडा पुत्र श्री नौहरिया राम चोपडा के स्थान पर उक्त भूखण्ड को उनके पुत्र श्री संदीप चोपडा पुत्र स्वं० मोहिन्द्र कुमार चोपडा निवासी-ग्राम-मकान नं0-1545, सेक्टर-37, ग्रेटर नोएडा जिला-गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश-201303 के नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

अभिमत

पेड़ों का हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है। गर्मी तो हर साल आती है, और आएगी, लेकिन उससे बचने के लिए हमने कोई उपाय नहीं किया है। और जो पेड़ हमारे पूर्वजों ने लगाए थे, उन्हें भी हमने काट दिया है। अब हमें नए सिरे से पौधारोपण करना बहुत जरूरी है। कंद-मूल, फल-फूल, चारा, चारा, ईंधन, रेशे, औषधि, प्राणवायु के लिए इनका योगदान तो है ही। साथ ही, जलवायु बदलाव के दौर में कार्बन उत्सर्जन को रोकने में भी इनकी अहम भूमिका है। यह धरती की प्राकृतिक रूप से शोभा भी बढ़ाते हैं।

पर्यावरण रक्षक है वृक्ष खेती

नवाचार

■ बाबा मायाराम

इन दिनों जब काफी तेज गर्मी पड़ रही है, तापमान बढ़ रहा है, तब पेड़ों की बहुत याद आती है। लेकिन अब पेड़ ही कम बचे हैं, लगातार कटते जा रहे हैं। लेकिन मैं आज के स्तंभ में ऐसी पहल के बारे में बताने जा रहा हूं, जिन्होंने पेड़ लगाने और बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

छुटपन में हम देखते थे कि गांवों में और उसके आसपास कई तरह के पेड़ हुआ करते थे। आम, नीम, इमली, बरगद, पीपल, बबूल, कटहल के पेड़ होते थे। इनकी गहरी छाया होती थी, और मौसमी फल खाने को मिलते थे। कुछ पेड़ों से अच्छी लकड़ियां मिलती थीं। ईंधन, चारा और औषधियों में भी इनका उपयोग किया जाता था। मिट्टी-पानी के संवर्धन में भी इनका विशेष योगदान होता था। ऑक्सीजन के लिए भी पेड़ महत्वपूर्ण हैं।

कुछ समय पहले मेरा महाराष्ट्र जाना हुआ। वहां अमरावती जिले के रवाला गांव में बसंत फुटाणे के खेतों को देखने का मौका मिला। वे एक गांधीवादी किसान कार्यकर्ता हैं, और प्राकृतिक खेती करते हैं। उनके खेत में कई तरह के पेड़ हैं। इनमें से कुछ कुदरती तौर पर उगे हैं, और कुछ का उन्होंने रोपण किया है। खेत में ही लकड़ी और मिट्टी का घर भी बनाया है।

वहां मेरा स्वागत अम्बाड़ी के शरबत से किया गया। इसके बाद, मैंने बसंत फुटाणे के बड़े बेटे विनय के साथ खेत का एक चक्कर लगाया। कुछ दूर चलने पर हम आम के बगीचे में पहुंचे। अमरूद तोड़कर खाया और नींबू भी चखा।

उनके खेत में आम के 350 पेड़ हैं। इसमें कई देसी किस्में हैं। इसके अलावा, संतरा के 500 पेड़ हैं। आंवला, रीठा, बेर, भिलावा, महुआ, दक्खन इमली, तेंदू, अगस्त, अमलतास, मुनगा/शहजन, कचनार, चीकू, अमरूद, जामुन, सीताफल, करौंदा, पपीता, बेल, कैथ, इमली, रोहन, नींबू, नीम, महुआ इत्यादि के फलदार व छायादार पेड़ हैं।

बसंत फुटाणे ने बताया कि साल 1983 में खेती की शुरूआत की। उनके परिवार की 30 एकड़ जमीन है, इसमें आधी जमीन कुओं के पानी से सिंचित है। इसमें एक 6 एकड़ के टुकड़े की जमीन सूखी व बंजर थी।

वे आगे बताते हैं कि 'जब हमने विषमुक्त और बिना प्रकृति के साथ छेड़छाड़ वाली प्राकृतिक खेती की शुरूआत की, उस समय रासायनिक खाद की कीमतें बढ़ रही थीं। इससे खेती में व्यापारियों और कंपनियों की लूट बढ़ रही थी। विदर्भ के खेतों की मिट्टी की उर्वरता घट रही थी, भूजल का संकट बढ़ रहा है, भोजन व पानी जहरीला हो रहा है, किसानों की स्थिति बिगड़ रही थी।'

उन्होंने बताया कि 'इस सबके मद्देनजर हमने कम जुताई वाली अनाज की खेती और वृक्ष खेती की शुरूआत की और मिट्टी व जल प्रबंधन पर जोर दिया। प्राकृतिक खेती में बिना जुताई, बिना रासायनिक खाद, बिना कीट-नाशी के खेती की जाती है। मिट्टी प्रबंधन के लिए, हरी खाद, जैविक पदार्थ, कंटूर बंडिंग, कंटूर बुआई, केंचुआ खाद का इस्तेमाल किया।'

वृक्षों की जल संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका है। वृक्षों के कारण बारिश की सीधी मार जमीन पर नहीं पड़ती। कुछ बारिश की बूंदें पत्तियों पर ही ठहर जाती हैं। हवा के हल्के झोंकों के साथ बूंदें धीरे-धीरे नीचे जाकर भूजल में तब्दील हो जाती हैं। वृक्षों के नीचे केंचुए सक्रिय होते हैं, वे जमीन को हवादार व पोला बनाते हैं। इस कारण वर्षा जल अधिक मात्रा में भूजल में परिवर्तित होता है।

यहां तालाब भी है। जहां पानी और पेड़ होते हैं, वहां पक्षी होते हैं। यहां कई तरह के रंग-बिरंगे पक्षी हैं, जो खेती में सहायक हैं। वे परागीकरण में मदद तो करते ही हैं, कीट नियंत्रण करते हैं, खरपतवार नियंत्रण करते हैं। पूरे भू दृश्य को सुंदर व जीवंत बनाते हैं। जैव विविधता व पर्यावरण का संरक्षण व संवर्धन करते हैं। गौरैया, तोता, बसंता, भारद्वाज जैसे कई पक्षी हैं।

बसंत भाई कहते हैं कि 'आम ऐसा फलदार पेड़ है, जिससे पूर्ण आहार मिलता है। चाहे सूखा हो या अकाल, पेड़ों से फल मिलते ही हैं। उनकी जड़ें गहरी होती हैं जो धरती की गहरी परतों से पोषक तत्व और नमी लेती हैं। हमने अनाज कम व फलदार पेड़ ज्यादा उगाए हैं, जिससे हमारे परिवार को भोजन की जरूरतें पूरी हो सकें। फिर हमारी बंजर व कम उपज वाली जमीन व शुष्क जलवायु वृक्ष खेती के लिए उपयुक्त हैं।

वे कहते हैं यह हमारी अगली पीढ़ियों के लिए उपहार है। यह जीती-जागती सुंदर प्रकृति है, जो फलती-फूलती है, सदाबहार है। ताजा हवा, फल, फूल, छाया, ईंधन, चारा, रेशा, और जड़ी-बूटियां सभी मिलती हैं। पेड़ भूख के साथी होते हैं। और सालों तक साथ देते हैं।

वे आगे बताते हैं कि 'अब हमें भोजन की जरूरतों के लिए बाजार से बहुत कम चीजें खरीदने की जरूरत होती हैं। हम धान, ज्वार, मूंग, उड़द, गेहूं, चना, अलसी, तिल भी बोते हैं, जो साल भर खाने के लिए पर्याप्त हैं। बैंगन, टमाटर, गाजर, मूली, प्याज जैसी मौसमी सब्जियां भी उगाते हैं, जिससे सब्जियां के लिए पूरी तरह बाजार पर निर्भरता नहीं रहती।'

इसी तरह का एक उदाहरण उत्तराखंड के जलधार गांव का है। यह गांव हेंवलघाटी के गढ़वाल जिले में स्थित है। यहां 80 के दशक में पहाड़ों की हरियाली बहुत कम हो गई थी। जंगल में इने-गिने पेड़ ही बचे थे। चारा, पानी और ईंधन की कमी हो गई थी। इससे चिंतित होकर गांव वालों ने पेड़ बचाने व उजड़े जंगल को हरा-भरा करने का संकल्प लिया और इसे कुछ ही सालों में कर दिखाया।

चिपको आंदोलन के कार्यकर्ता रहे विजय जड़धारी बताते हैं कि गांव के लोगों ने मिलकर तय किया कि जंगल को बचाया जाए। इसके लिए एक वन सुरक्षा समिति बनाई गई। जंगल से किसी भी तरह के हरे पेड़, ठूंठ, यहां तक कि कंटीली हरी झाड़ियों को काटने पर रोक लगाई गई। कोई भी व्यक्ति यदि अवैध रूप से हरी टहनी या झाड़ी काटता है तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा, ऐसा तय किया गया। कुछ समय के लिए पशु चरने पर भी रोक लगाई गई। कोई व्यक्ति वनों को किसी प्रकार नुकसान न पहुंचाए, यह सुनिश्चित किया गया।

जड़धार गांव के निवासी विजय जड़धारी ने बताया कि हालांकि यहां वृक्षारोपण व पेड़ लगाने का काम भी प्रतीकात्मक हुआ है, लेकिन वनों को फिर से हरा-भरा करने में महती भूमिका वनों को विश्राम (बंद वन) देने की है। यानी उन्हें उसी हाल में प्रकृति के हवाले छोड़ दिया जाए, जिसमें वह है। सिर्फ उनकी रखवाली की जाए और उसे पनपने दिया जाए, और बढ़ने, पल्लवित-पुष्पित होने दिया जाए। लोग जैसे अपने खेतों की देखभाल करते हैं, उसी तरह जंगल की देखभाल करने लगे। धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लाने लगी। दो-तीन सालों में ही सूखे जंगलों में फिर से हरियाली लौटने लगी।

वे आगे बताते हैं कि शंकुधारी वृक्ष चीड़, देवदार यदि कट गए तो इनमें दुबारा कल्ले (नई कोंपलें) नहीं आते हैं। जबकि बांज, बुरांस, काफल, अथांर, घिघारू, किनगोड़, खाकसी, बमोर घने होते हैं। और उनमें नए कल्ले आने शुरू हो गए। झाड़ियां आ गईं। जलाऊ लकड़ियां मिलने लगीं। इससे उत्साह बढ़ने लगा।

बांज, बुरास, काफल के पुराने ठूंठों पर फिर नई शाखाएं फूटने लगीं। अंयार, बंमोर, किनगोड हिंसर, साकिना, धौला, सिंस्यारू, खाकसी आदि पेड़-पौधे दिखाई देने लगे। और आज ये पेड़ लहलहा रहे हैं।

दुनिया भर में पेड़ों की महिमा का बखान करता साहित्य प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। इनमें से एक अमरीका के प्रसिद्ध लेखक शेल सिल्वरस्टाइन की मशहूर कहानी 'द गिविंग ट्री' है। इस कहानी में बताया गया है कि हम पेड़ से क्या-क्या चीजें लेते हैं। पत्ते, फूल, फल, छांव, घर, नाव, ऑक्सीजन आदि। फूलों की माला बनाते हैं, पेड़ों की शाखाओं से बच्चे खेलते हैं, झूला झूलते हैं, भूख लगने पर फल तोड़कर खाते हैं, चलते-चलते थकने पर पेड़ों की छांव में सो जाते हैं, और खाना पकाने, घर बनाने के लिए लकड़ी लेते हैं इत्यादि। लेकिन हम बदले में उन्हें क्या देते हैं- केवल काटते हैं और जलाते हैं। यह कहानी दयालु प्रकृति को उजागर करने वाली सदाबहार कहानी है। बुद्ध ने भी उनके शिष्यों को साल में 5 पेड़ लगाने की सलाह दी थी।

कुल मिलाकर, इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि पेड़ों का हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है। गर्मी तो हर साल आती है, और आएगी, लेकिन उससे बचने के लिए हमने कोई उपाय नहीं किया है। और जो पेड़ हमारे पूर्वजों ने लगाए थे, उन्हें भी हमने काट दिया है। अब हमें नए सिरे से पौधारोपण करना बहुत जरूरी है। कंद-मूल, फल-फूल, चारा, चारा, ईंधन, रेशे, औषधि, प्राणवायु के लिए इनका योगदान तो है ही। साथ ही, जलवायु बदलाव के दौर में कार्बन उत्सर्जन को रोकने में भी इनकी अहम भूमिका है। यह धरती की प्राकृतिक रूप से शोभा भी बढ़ाते हैं।

इन उदाहरणों से साफ स्पष्ट है कि हमें पेड़ लगाना व वृक्ष खेती करना उपयोगी है। बसंत फुटाणे व विजय जड़धारी की पहल यही बताती है। इससे हम न केवल गर्मी से अपने आपको बचाएगे, भूख मिटा सकेंगे, बल्कि मनुष्यों के अलावा, अन्य जीव-जंतुओं की भी रक्षा कर सकेंगे, जैव विविधता व पर्यावरण की रक्षा कर सकेंगे। साथ ही, अगली पीढ़ी के लिए भी पेड़ों के रूप में अच्छा उपहार दे सकेंगे। लेकिन क्या हम सच में इस दिशा में आगे बढ़ने तैयार हैं?

वृक्षों की जल संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका है। वृक्षों के कारण बारिश की सीधी मार जमीन पर नहीं पड़ती। कुछ बारिश की बूंदें पत्तियों पर ही ठहर जाती हैं। हवा के हल्के झोंकों के साथ बूंदें धीरे-धीरे नीचे जाकर भूजल में तब्दील हो जाती हैं। वृक्षों के नीचे केंचुए सक्रिय होते हैं, वे जमीन को हवादार व पोला बनाते हैं। इस कारण वर्षा जल अधिक मात्रा में भूजल में परिवर्तित होता है। यहां तालाब भी है। जहां पानी और पेड़ होते हैं, वहां पक्षी होते हैं। यहां कई तरह के रंग-बिरंगे पक्षी हैं, जो खेती में सहायक हैं।

बीता सप्ताह

25 मई
- लोकसभा के छठे चरण के लिए 58 संसदीय सीटों पर वोट डाले गए।
- छत्तीसगढ़ के बस्तर के नारायणपुर में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में 8 नक्सली मारे गए।
- बंगाल की खाड़ी में इस सीजन का पहल चक्रवाती तूफान रेमल ने मचाया उत्पात।
- वियतनाम में हनोई की एक इमारत में आग लगने से 14 लोगों की मौत हो गई।

26 मई
- छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के बोरसी गांव में बारूदी विस्फोट से एक की मौत कई लापता।
- गुजरात के राजकोट के एक माल में भीषण आग से 17 लोगों की मौत हो गई।
- द लैंसेट मेडिकल जर्नल के अनुसार दुनिया में संक्रमण से हर साल 77 लाख मौतें हो रही है।
- इटली के एक किशोर एवं कम्प्यूटर विशेषज्ञ कार्लो एक्यूटिस को मरणोपरांत संत की उपाधि दी जाएगी। सीएनएन के अनुसार पोप फ्रांसिस ने गेमर एवं कम्प्यूर्टर प्रोग्रामर कार्लो को दूसरा चमत्कार माना है।

27 मई
- केन्द्र सरकार ने सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे का कार्यकाल एक माह के लिए बढ़ा दिया।
- मितली के बेबी रेयर सेंटर में आग लगने से 7 नवजात मासूमों की मौत हो गई।
- गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि सत्ता में आने पर अगले पांच साल के भीतर देशभर में यूसीसी लागू होगा।
- रीपा करमाकर एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी।

28 मई
- लगातार नक्सलियों की धमकी के चलते छत्तीसगढ़ के पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त हेमचंद मांझी ने पुरस्कार लौटाने का ऐलान किया।
- भारतीय सेना को हाइड्रोजन इंधन सेल प्रौद्योगिकी वाली पहली बस सुलभ कराई गई।
- अर्जेंटीना में इस साल डेंगू के 488000 मामले पाए गए।
- गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर रफा में हजरायली बमबारी से 40 लोगों की मौत हो गई।

29 मई
- मिजोरम में रेयल तूफान से भारी बारिश में एक खदान ढह जाने से 17 लोगों की मौत हो गई।
- जापान में पहली बार कोविड-19 एंटीबॉडीज दर 60 प्रतिशत हुई।
- मध्यपूर्व व यूरोपीय संघ के देशों ने की राफा शिविर पर इजरायली हमले की निंदा।
- माउंट एवरेस्ट पर आरोहण के दौरान भारतीय पर्वतारोही 86 वर्षीय बंशीला की मौत हो गई।

30 मई
- नीदरलैंड के पूर्व जासूस प्रमुख डिक शूफ को देश के नए प्रधानमंत्री बनने का प्रस्ताव मिला।
- इजरायल ने राफा शिविर पर बमबारी में संलिप्तता से किया इंकार।
- सीरिया से सउदी अरब के लिए 13 साल बाद हज यात्रा की उड़ाने शुरू हुई।
- दक्षिण अफ्रिका में आम चुनाव के लिए शुरू हुआ मतदान।

31 मई
- जम्मू कश्मीर में अखनूर के रंगली मोड़ पर श्रद्धालुओं की बस खाई में गिर जाने से 21 लोगों की मौत हो गई।
- उत्तर पश्चिमी राज्यों में भीषण गर्मी के बाद एक राहत भरी खबर आई कि मानसून ने केरल में दसतक दे दिया है।
- चार हजार साल पहले मिस्र के लोगों ने किया था कैंसर के इलाज का प्रयास।
- अफगानिस्तान में 5 मानव तस्कर और 26 अन्य अपराधी गिरफ्तार।

संविधान की रक्षा लोकसभा चुनावों में एक प्रमुख मुद्दा बनकर उभरा

■ पी. सुधीर

इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत का संविधान और इसकी सुरक्षा लोकसभा चुनाव में मुख्य मुद्दों में से एक रहा। शुरू से ही, इंडिया गठबंधन की घटक पार्टियों के नेताओं ने अपने चुनावी मंच पर संविधान की रक्षा को केंद्रीय विषय के रूप में पेश किया था।

इसका लोगों की एक बड़ी संख्या पर बड़ा प्रभाव पड़ा, जिन्होंने पिछले एक दशक में देश में सत्तावादी शासन के विभिन्न पहलुओं का कटु अनुभव किया था। विपक्ष का 'संविधान खतरे में' विषय मोदी के भाजपा के लिए 400 से अधिक सीटों के आह्वान के साथ मेल खाता था। संविधान बदलने की धमकी को भाजपा के विभिन्न नेताओं द्वारा यह तर्क दिये जाने से बल मिला कि संविधान बदलने के लिए 400 सीटें या बड़ा बहुमत चाहिए।

9 मार्च को ही भाजपा सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने कहा कि- भाजपा लोकसभा में 400 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य इसलिए रख रही है, क्योंकि संविधान बदलने के लिए संसद में उसे दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता है। फैजाबाद से भाजपा सांसद लल्लू सिंह, नागौर से भाजपा उम्मीदवार ज्योति मिर्धा और मेरठ से भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किये।

विपक्ष के इस अभियान को कि यह चुनाव संविधान की रक्षा के लिए है, भाजपा उम्मीदवारों के ऐसे बयानों से और मजबूती मिली। भाजपा नेताओं, खासकर नरेंद्र मोदी और अमित शाह को जल्द ही इस बारे में रिपोर्ट मिल गई कि संविधान को खतरा का संदेश जनता तक पहुंचाने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है, खासकर दलितों के बीच, जो संविधान के निर्माता डॉ. अंबेडकर का बहुत ही सम्मान करते हैं। यही कारण है कि मोदी ने विपक्ष के आरोपों का आक्रामक तरीके से जवाब देना शुरू कर दिया। मतदान के पहले चरण से पहले ही मोदी ने घोषणा कर दी थी कि पार्टी के लिए संविधान पवित्र पुस्तक है, सरकार के लिए संविधान गीता, रामायण, महाभारत, बाइबिल और कुरान है, और यहां तक कह दिया कि 'बाबासाहेब अंबेडकर भी इसे नहीं बदल सकते'।

यह तीखी आवाज और जवाबी हमला कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक ही संविधान को बदलेंगे, सरासर झूठा आरोप था। वास्तव में इंडिया ब्लॉक का आरोप भाजपा नेताओं को चुभ गया और इसलिए अपराधबोध वाली ऐसी तीखी प्रतिक्रिया हुई।

'संविधान खतरे में' का दूसरा पहलू जिसने मोदी को परेशान किया, वह यह आरोप था कि संविधान में बदलाव से एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण खत्म हो जायेगा। मीडिया से बात करते हुए मतदाताओं के एक समूह ने इस डर को व्यक्त किया। मोदी ने संविधान बदलने के मुद्दे को सांप्रदायिक मोड़ देकर जवाबी हमला करने की कोशिश की। एक के बाद एक भाषणों में मोदी ने घोषणा की कि इंडिया ब्लॉक संविधान बदलना चाहता है, ताकि एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण काटकर मुसलमानों को धर्म के आधार पर आरक्षण दिया जा सके। मोदी और अमित शाह दोनों ने कर्नाटक और तेलंगाना में ओबीसी श्रेणी के तहत मुसलमानों को दिये गये 4 प्रतिशत आरक्षण का हवाला दिया। लगातार यह कहा जा रहा था कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक न केवल आरक्षण छीन लेंगे, बल्कि हिंदुओं की संपत्ति भी मुसलमानों को सौंप देंगे।

लेकिन पिछड़े घोषित किये गये और ओबीसी दर्जा दिये गये मुस्लिम समूहों को दिये गये आरक्षण को धर्म आधारित आरक्षण के रूप में चित्रित करने का प्रयास एक झूठा प्रयास था। ओबीसी के मामले में, संविधान के अनुच्छेद 15 (4) और 16 (4) ने धर्म के बावजूद पिछड़ेपन के मानदंड निर्धारित किये हैं। मुस्लिम समूह, जिन्हें वैज्ञानिक सर्वेक्षण के बाद राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े के रूप में पहचाना गया था, कई राज्यों में ओबीसी श्रेणी में शामिल किये गये थे। वास्तव में, मोदी ने खुद दो साल पहले एएनआई के एक साक्षात्कार में गुजरात में 70 मुस्लिम समूहों को ओबीसी दर्जा दिलाने का श्रेय लिया था।

वास्तविकता यह है कि लोगों का एक बड़ा वर्ग भाजपा के खिलाफ मतदान करने के लिए उत्साहित रहा क्योंकि उनका मानना है कि मोदी सरकार लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा है। इसीलिए इस चुनाव के परिणाम और उसके बाद क्या होगा, इस बारे में बेचैनी का माहौल है। मोदी शासन के दस वर्षों ने राज्य के सभी संवैधानिक निकायों और संस्थाओं को नष्ट कर दिया है।

चुनाव के दौरान चुनाव आयोग ने जिस तरह से खुद को संचालित किया है, उससे यह आशंका पैदा हुई है कि क्या वह निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कर सकता है और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की निगरानी कर सकता है? प्रधानमंत्री की भड़काऊ सांप्रदायिक चुनाव प्रचार को रोकने में घोर विफलता; व्यापक मतदान के आंकड़े उपलब्ध कराने में दिखाई गई अनिच्छा और मामला सुप्रीम कोर्ट में जाने के बाद ही ऐसा करना और आदर्श आचार संहिता को लागू करने में सामान्य विफलता, इन सभी ने इन आशंकाओं को आधार प्रदान किया है।

मतदान के अंतिम चरण से कुछ ही दिन पहले सरकार ने सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को एक महीने का विस्तार दिया है, जो 31 मई को सेवानिवृत्त होने वाले थे। यह एक अभूतपूर्व कदम है। किसी भी सेना प्रमुख को (1975 में एक बार को छोड़कर) विस्तार नहीं दिया गया था। तब तक के लिए एक कार्यवाहक चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया जाता है। इस मामले में, नये चीफ ऑफ स्टाफ की नियुक्ति नयी सरकार द्वारा की जायेगी। ऐसा क्यों किया गया है, इसका कोई स्पष्टीकरण नहीं है, न ही यह स्पष्ट है कि चुनाव आयोग ने इस विस्तार के लिए मंजूरी दी थी या नहीं। इसने चुनाव के बाद के परिदृश्य के बारे में सभी प्रकार की अटकलों को जन्म दिया है।

अंत में, नरेंद्र मोदी ने खुद संविधान के प्रति अपनी निष्ठा को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में, मोदी ने यह अजीबोगरीब दावा किया है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यह परमात्मा ही हैं जिन्होंने उन्हें देश और लोगों की सेवा करने के लिए भेजा है। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि वे किसी और के प्रति उत्तरदायी नहीं हैं, बल्कि ईश्वर के प्रति हैं। अब जबकि उन्होंने मतदान के अंतिम चरण के दौरान कन्याकुमारी में विवेकानंद शिला पर 48 घंटे ध्यान में बिताने का फैसला किया है, तो यह देखना बाकी है कि उनके भविष्य के कार्य संवैधानिक रूप से अनिवार्य होंगे या ईश्वर द्वारा निर्धारित।

विपक्ष के इस अभियान को कि यह चुनाव संविधान की रक्षा के लिए है, भाजपा उम्मीदवारों के ऐसे बयानों से और मजबूती मिली। भाजपा नेताओं, खासकर नरेंद्र मोदी और अमित शाह को जल्द ही इस बारे में रिपोर्ट मिल गई कि संविधान को खतरा का संदेश जनता तक पहुंचाने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है, खासकर दलितों के बीच, जो संविधान के निर्माता डॉ. अंबेडकर का बहुत ही सम्मान करते हैं।

तेलुगुभाषी दो राज्यों में कड़ी है चुनावी टक्कर

दक्षिण के दो तेलुगुभाषी राज्यों में मतदान होने के बाद तेलंगाना और आंध्रप्रदेश में जून के पहले सप्ताह में आने वाले परिणामों के बारे में बहुत सारी अटकलें लगाई जा रही हैं। क्या भाजपा तेलंगाना के कुछ शहरी हिस्सों से आगे अपनी पैठ बढ़ायेगी या कांग्रेस अपना नया गढ़ बनाए रखेगी? आंध्र में अब भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल चंद्रबाबू नायडू भाजपा की पूर्व सहयोगी वाईएसआरसीपी के जगन रेड्डी से किस तरह मुकाबला कर पाएंगे? चुनावी जंग में नए गठबंधनों ने पुराने गठबंधनों की जगह ले ली है इसलिए तेलंगाना की 17 लोकसभा सीटों और आंध्रप्रदेश की 25 लोकसभा सीटों पर इस तरह के सवाल उठ रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी इसे अपना 'कुरुक्षेत्र' कहते हैं। वाईएसआरसीपी सभी 25 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है और लोकसभा के साथ ही हो रहे विधानसभा चुनाव जीतकर आंध्र प्रदेश पर अपना कब्जा बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है।

तेलंगाना राज्य के गठन के लिए 2014 में आंध्रप्रदेश को विभाजित किया गया था। तेलंगाना पर पिछले दस वर्षों से के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) ने शासन किया है। मूल रूप से चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के एक महत्वपूर्ण सदस्य केसीआर ने पार्टी में अपना कोई भविष्य न होने के कारण बगावत कर दी और तेलंगाना के मुद्दे का प्रचार किया। तेलंगाना राज्य की मांग 70 के दशक की शुरुआत से ही रही है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने तेलंगाना के पीवी नरसिम्हा राव को एकीकृत आंध्रप्रदेश का मुख्यमंत्री बनाकर यह संकट टाला था। पीवी नरसिम्हा राव दो दशक बाद प्रधानमंत्री बने। स्थानीय लोग एनटी रामाराव के 'आंध्रीकरण' के विचारों से परेशान थे क्योंकि इसका मतलब तेलंगाना क्षेत्रों में आंध्र संस्कृति का आयात था इसलिए 1990 के दशक में पृथक तेलंगाना का मुद्दा एक बार फिर सामने आया। दोनों क्षेत्र खान-पान सम्बन्धी शैलियों और स्थानीय संस्कृतियों में भिन्न थे और यहां तक कि तेलुगु बोलने के उनके लहजे में भी फर्क था।

किंशुक नाग

तेलंगाना गठन की केसीआर की योजना सफल रही क्योंकि उन्हें राज्य में मुख्य विपक्षी कांग्रेस पार्टी का समर्थन प्राप्त था। कांग्रेस ने नए राज्य के गठन को मंजूरी दी और चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के लिए केसीआर की पार्टी टीआरएस के साथ गठबंधन किया। नायडू उस समय भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा थे। लेकिन केसीआर ने कांग्रेस के साथ गठबंधन का दिखावा करते हुए भी तेलंगाना के गठन के बाद 2014 में हुए चुनावों में कांग्रेस को धोखा दिया। केसीआर ने जनता को यह दिखाने के लिए सफलतापूर्वक लॉबिंग की थी कि वे तेलंगाना के एकमात्र निर्माता थे और क्योंकि उन्होंने इसके लिए कड़ी मेहनत की थी, आमरण अनशन भी किया था इसलिए वे इसका श्रेय लेने के हकदार थे। इसी भावना का फायदा उठाते हुए केसीआर ने विधान सभा की कुल 119 सीटों में से 63 सीटों पर जीत हासिल की। कांग्रेस पार्टी 21 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। 2019 में केसीआर ने फिर से विजय प्राप्त की थी।

सत्ता में आने के बाद केसीआर ने तेलंगाना सरकार को अपनी निजी जागीर बना लिया और बेटे केटी रामाराव और भतीजे हरीश राव को महत्वपूर्ण मंत्री बनाया। उनकी बेटी के. कविता सांसद बनी। कई मंत्री और महत्वपूर्ण नेता उनकी ही वेलमा जाति से थे। वेलमा एक समृद्ध जाति है लेकिन उनकी संख्या बहुत ज्यादा नहीं हैं। यहां तक कि उन्होंने वेलमा जाति के व्यवसायियों को भी बढ़ावा दिया। तेलंगाना के लिए उनकी लड़ाई में समाज के सभी वर्गों के नागरिकों ने केसीआर का समर्थन किया था। लेकिन सत्ता में आने के बाद केसीआर ने खुद को इन वर्गों से काट लिया। उन्हें इस बात का एहसास नहीं हुआ कि इस वजह से उन्होंने अपना आधार खो दिया है। पहले हैदराबाद निज़ाम द्वारा शासित एक सामंती गैर लोकतांत्रिक राज्य था जिसके एक हिस्से पर तेलंगाना राज्य ने कब्ज़ा कर लिया था। स्वतंत्र भारत एक लोकतांत्रिक राज्य था लेकिन लोगों की प्रकृति और नैतिकता नहीं बदली थी। ऐसा लगता है कि केसीआर की सोच थी कि वे एक राजकुमार की तरह व्यवहार करके लोगों से दूर रहकर राज्य पर प्रभावी ढंग से शासन कर सकते हैं लेकिन नए राज्य को संसाधनों की आवश्यकता थी। तेलंगाना को यह कैसे मिलेगा? उनके बेटे केटी रामाराव हैदराबाद के व्यावसायीकरण की योजना के साथ आए। उन्होंने यह बात तब कही थी जब 2014 में उनसे पूछा गया था कि नवगठित राज्य के लिए वे संसाधन कैसे जुटाएंगे। उन्होंने कहा था -'हम हैदराबाद का इतना विस्तार करेंगे कि यह एक तरह से पूरे राज्य को कवर करेगा'।

इस विस्तार योजना की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने की थी जिन्होंने हाईटेक सिटी और विश्वस्तरीय हवाई अड्डे का निर्माण तथा शिक्षा व आईटी क्षेत्र में नए निवेश की योजना बनाई। केसीआर शासन अचल संपत्ति, इमारतों और एक वित्तीय जिले की आकर्षक योजनाओं के साथ आगे बढ़ा। इस सब के कारण जमीनों की कीमतें बढ़ गईं और बैंगलुरू व मुंबई सहित अन्य स्थानों से नए निवेशकों को आमंत्रित किया गया। शहर के बड़े हिस्सों को कवर करने के लिए एल एंड टी द्वारा एक नई मेट्रो रेल भी शुरू की गई थी। अन्य मेट्रो शहरों से आने वाले नागरिक इस चमक-धमक से अत्यधिक प्रभावित हुए। इस सब ने सरकार के राजस्व में वृद्धि की और अधिक सड़कों, बांधों और सिंचाई कार्यों को बनाने में खर्च किया गया। फिर भी ठेकेदारों के कामों पर प्रभावी नियंत्रण रखने में सरकार विफल रही। नतीजतन, जर्जर सड़कों और सिंचाई व्यवस्था के कारण जनता में नाराजगी मालूम होती है जो चुनाव परिणामों में दिखाई दे सकती है।

आंध्रप्रदेश शुरू से ही कांग्रेस का गढ़ रहा है। यहां तक कि आपातकाल के ठीक बाद उत्तर भारत से बेदखल होने के बावजूद पार्टी ने आंध्र प्रदेश में अपनी स्थिति बनाए रखी। विभाजन ने आंध्र में कांग्रेस को ध्वस्त कर दिया। पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली और तत्कालीन कई केंद्रीय मंत्री चुनाव हार गए। संयुक्त आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे टीडीपी के नेता चंद्रबाबू नायडू चुनाव जीत गए। नए आंध्रप्रदेश की कोई राजधानी नहीं थी और लोग हैदराबाद स्थानातंरित हो गए थे। अब नए मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अपनी राजधानी स्थापित करने के लिए एक ग्रीन फील्ड क्षेत्र अमरावती पर ध्यान केंद्रित किया। कृष्णा नदी के तट पर अमरावती में उपजाऊ भूमि है। नायडू तमाम विरोधों के बावजूद इसे ही राजधानी बनाने पर अड़े थे। यह क्षेत्र अमीर कम्मा (नायडू की जाति) के नियंत्रण में था जो अमेरिका स्थानातंरित हो गए थे। नई राजधानी स्थापित करने के पीछे नायडू का उद्देश्य सिंगापुर और जापान से निवेश आकर्षित करने का था। नायडू ने तर्क दिया कि अमरावती एक पारंपरिक बौद्ध केंद्र था इसलिए जापान, थाईलैंड जैसे देश आकर्षित होंगे। जगन रेड्डी ने हमेशा इसका विरोध किया है। उनका मानना था कि कम्मा व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए अमरावती को चुना गया था। कम्मा रेड्डी बंधुओं की प्रतिद्वंद्वी जाति है और दोनों समूह एक-दूसरे के घोर विरोधी हैं। उल्लेखनीय है कि आंध्रप्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी के बेटे जगन रेड्डी अपने पिता के निधन के बाद कांग्रेस से अलग हो गए थे।

2019 के चुनावों में जगन रेड्डी ने जीत हासिल की। उनकी पार्टी वाईएसआर कांग्रेस ने 175 सीटों में से 151 सीटों पर कब्जा कर लिया। जगन रेड्डी ने राजधानी को कहीं अधिक विकसित शहर विशाखापत्तनम में स्थानांतरित करने की योजना बनाई और इसे अपने नए मुख्यालय के रूप में घोषित किया। लेकिन अमरावती में विधानसभा और उच्च न्यायालय की इमारतें तैयार होने के कारण यह कदम आंशिक ही हो सकता है। आंध्रप्रदेश विचित्र स्थिति में फंस गया है। लोगों को आशा है कि परिणाम घोषित होने के बाद राजधानी को अंतिम रूप देकर प्रदेश आगे बढ़ सकता है। जगन रेड्डी को उम्मीद है कि लोगों को मुफ्त या सस्ता अनुदान देने की उनकी नीति भी उन्हें चुनावों में स्वीप करने में मदद करेगी।

दक्षिण भारत में पैठ जमाने की कोशिश कर रही भाजपा ने हाल ही में वाईएसआरसीपी के साथ अपने पहले के अलिखित गठबंधन को तोड़ते हुए टीडीपी के साथ चुनावी गठबंधन किया है। फिनिशिंग लाइन तक पहुंचने की होड़ में तेलंगाना और आंध्र में भाजपा की उम्मीदें अधिक बढ़ गयी हैं। वाईएसआरसीपी अपनी जगह बनाए रखना चाहती है वहीं तेलंगाना में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने वाली कांग्रेस सत्ता में अधिक हिस्सेदारी चाहती है जबकि भाजपा उनके किले में सेंध लगाने की फिराक में है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और लेखक हैं। सिंडिकेट: द बिलियन प्रेस)

तेलंगाना गठन की केसीआर की योजना सफल रही क्योंकि उन्हें राज्य में मुख्य विपक्षी कांग्रेस पार्टी का समर्थन प्राप्त था। कांग्रेस ने नए राज्य के गठन को मंज़ूरी दी और चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के लिए केसीआर की पार्टी टीआरएस के साथ गठबंधन किया। नायडू उस समय भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा थे।

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

अमेरिका में डेयरी प्रकोप से जुड़े तीसरे मानव बर्ड फ्लू मामले की पुष्टि

लॉस एंजिल्स, 31 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के मिशिगन राज्य में अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा (एचपीएआई) ए (एच5) वायरस संक्रमण के दूसरे मानव मामले की पहचान की गई है। यह देश की डेयरी गायों में ए (एच5एन1) के चल रहे मल्टीस्टेट प्रकोप से जुड़ा तीसरा मानव मामला है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुसार नया मामला एक डेयरी फार्म कर्मचारी का है जो संक्रमित गायों के संपर्क में आया था, जो संभवत: गाय से व्यक्ति में फैलने के कारण हुआ। सीडीसी के अनुसार अमेरिका में एच5 का यह पहला मानव मामला है, जिसमें ए (एच5एन1) वायरस सहित इन्फ्लूएंजा वायरस संक्रमण से जुड़ी तीव्र श्वसन बीमारी के विशिष्ट लक्षण सामने आए हैं।

अमेरिका व ब्रिटेन ने हूती ठिकानों को बनाया निशाना

लंदन, 31 मई (एजेंसियां)। अमेरिका और ब्रिटेन की सेनाओं ने एक संयुक्त ऑपरेशन में यमन में हूती ठिकानों को निशाना बनाया है। इस साल जनवरी से यमन में यह उनका पांचवां साझा ऑपरेशन है।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की है कि लाल सागर और अदन की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर हूती हमलों के जवाब में गुरुवार को हूती ठिकानों पर हमले किए गए।

मंत्रालय ने बताया कि खुफिया सूचना में अल हुदायदा के पास दो स्थानों के बारे में पुष्टि की गई थी कि उनका इस्तेमाल जहाजों पर हमलों में किया गया था। इन इमारतों के बारे में बताया गया था कि वहां हमलों में इस्तेमाल किए गए ड्रोन के ग्राउंड कंट्रोल यूनिट हैं और लंबी दूरी तक जाने में सक्षम ड्रोन के स्टोरेज की सुविधा है। माना जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय जहाजों की सुरक्षा के लिए किए जाने वाले संयुक्त

■ इस साल जनवरी से यह अमेरिका एवं ब्रिटेन का पांचवां साझा ऑपरेशन है

ऑपरेशन के खिलाफ लड़ाई के लिए वहां जमीन से हवा में मार करने वाले हथियार भी थे। इसके अलावा, यमन के तट से दक्षिण में गुलयफिका में भी हूती ठिकानों की पहचान की गई थी जिनका इस्तेमाल समूह जहाजों पर हमलों के लिए कमांड एंड कंट्रोल के रूप में कर रहा था। रॉयल एयर फोर्स के टाइफून एफजीआर4 विमानों ने तीन स्थानों पर लक्षित इमारतों पर पेववे आईवी गाइडेड बम गिराए। मंत्रालय ने कहा कि हमलों की योजना बनाते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया था कि किसी नागरिक या असैन्य ढांचे को नुकसान न हो। एक हमले में दो लोग मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। ब्रिटेन और अमेरिका की संयुक्त कार्रवाई में इस साल 12 जनवरी से यह हूती ठिकानों पर पांचवां हमला है।हूतियों ने हाल के महीनों में लाल सागर और अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाजों पर हमले बढ़ा दिए हैं। वे गाजा में इजरायली हमले बंद करने की मांग कर रहे हैं जिसमें 36 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। पिछले साल सात अक्टूबर को हमास के इजरायल में अचानक किए गए हमले में 1,200 से ज्यादा लोगों की मौत के बाद इजरायल ने गाजा में सैन्य कार्रवाई शुरू की है। अमेरिकी समुद्री प्रशासन के अनुसार, नवंबर 2023 से अबतक हूतियों ने 50 जहाजों पर हमले किए हैं, एक जहाज को डुबो दिया है और एक पर कब्जा कर लिया है।

रूस ने खार्किव में दागीं मिसाइलें, पांच की मौत

कीव। यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी शहर खार्किव में रूसी मिसाइल हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 24 से ज्यादा लोग घायल हो गए। गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने शुक्रवार को टेलीग्राम के माध्यम से बताया, मरने वाले ज्यादातर लोग पांच मंजिला अपार्टमेंट में रह रहे थे। हमलों में एक दमकल गाड़ी और एक एम्बुलेंस को भी नुकसान पहुंचा है। रूसी सेना ने शहर पर पांच मिसाइलें दागीं। हमले में कम से कम 20 आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि कीव पर एक क्रूज मिसाइल से हमला किया गया। हमले में एक कार मरम्मत की दुकान और छह वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। यूक्रेन दो साल से भी अधिक समय से रूस के बड़े पैमाने पर आक्रमण का सामना कर रहा है। यूक्रेनी बिजली आपूर्ति पर रूसी हमलों के कारण बार-बार बिजली कटौती हो रही है।

रफा क्रॉसिंग खोलने के लिए इजरायल के साथ सहमति से मिस्र का इनकार

काहिरा। मिस्र ने रफा क्रॉसिंग को फिर से खोलने के लिए इजरायल के साथ किसी भी सहमति से इनकार किया है। इस महीने की शुरुआत में इजरायल ने गाजा के हिस्से वाली रफा क्रॉसिंग पर नियंत्रण हासिल कर लिया था। यह इलाका मिस्र से भी लगा हुआ है। इसके कारण तटीय क्षेत्र की बड़ी जनसंख्या तक मदद नहीं पहुंच सकी। मिस्र के सरकारी अल-काहिरा न्यूज टीवी ने शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय सूत्र के हवाले से बताया कि क्रॉसिंग को दोबारा खोलने के लिए मिस्र-इजरायल समझौते के बारे में मीडिया रिपोर्टों में कोई सच्चाई नहीं है। सूत्रों ने कहा कि मिस्र अपना काम फिर से शुरू करने के लिए एक शर्त के रूप में क्रॉसिंग से इजरायल की पूरी वापसी पर जोर दे रहा है। रफा क्रॉसिंग के बंद होने के बाद से मिस्र ने संकेत दिया कि वह रफा के माध्यम से सहायता परिवहन का समन्वय तब तक नहीं करेगा, जब तक कि इजरायली सेनाएं वापस नहीं लौट जातीं। मिस्र 1979 में इजरायल के साथ शांति संधि पर हस्ताक्षर करने वाला पहला अरब देश था। लेकिन, गाजा में चल रहे सैन्य अभियान ने अरब दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में इजरायल विरोधी भावना को भड़का दिया। इसने दशकों पुराने संबंधों में तनाव पैदा कर दिया है।

सुडोकू 6572

		3					2	
5	4		9		3			6
	9	8						
7			2		5			8
		4				5		
3			8		6			9
						3	9	
8			5		9		1	4
	1					6		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6572

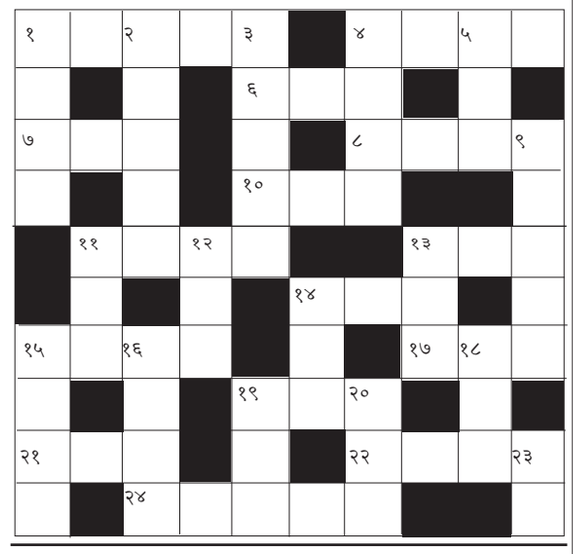

बायें से दायें :-

१. कूटनीतिज्ञ
४. जंगल की पैदावार
६. घर
७. दौड़ने वाला, धोबी, दूत
८. वेश्या
१०. जोड़ने वाला, संधि, मेल
११. गुत्थी, फंसाव, सोच, चिंता, कठिनाई
१२. लड्डू
१४. घूस , रिश्वत
१५. नुकसान के बदले दी जाने वाली रकम, क्षतिपूर्ति, (उर्दू)
१७. दृष्टि, निगाह
१९. दूर तक फैली हुई ऊंची और चौरस भूमि
२१. कमल
२२. अनुभव, कुशल, विद्वान
२४. सूर्य पुत्री

ऊपर से नीचे:-

१. शासन, केंद्र
२. मनुष्य की खोपड़ी
३. ब्रम्ह, पद्मासन
४. जंगलों में रहना
५. बांस की तीलियों और कागज से बना एक खिलौना जिस तागों में बांध कर उड़ाया जाता है
९. नाटक करने या लिखने वाला
११. कर्ज, ऋण
१२. पहाड़ आदि से गिरने वाली जलधारा, निर्झर
१३. बंधन, कष्ट आदि से छुड़ाना
१४. विलंब न सह सकने वाली इच्छा, प्रिय से मिलने की इच्छा
१५. सहयात्री (उर्दू)
१८. अवश्य, (उर्दू)
१९. पढ़ा हुआ
२०. चलन, तौर-तरीका
२३. निपुण, कुशल

वर्ग पहेली-6571

१ च	दु	२ ला	ल	स		३ व	क्ष	४ स्थ	ल
मं		भ		५ म	वे	शी		गि	
६ का	रिं	दा		झ		७ क	ल्प	त	८ रू
र		य		९ दा	य	र			प
	१० मि	क	११ दा	र		१२ ब	ढ़ि		या
	लिं		खि		१३ वि	द्रो	ह		पै
१४ ब	द	१५ हा	ल		वा		१६ स	१७ ह	सा
र		स्य		१८ ना	ह	१९ क		ल	
२० सा	रं	गी		सू		२१ जा	य	फ	२२ ल
त		२३ त	त्प	र	ता				ज्ञा

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 1 जून, 2024 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 9

राशिफल

मेष - आज आपको सावधानीपूर्वक दिन व्यतीत करना चाहिए। सर्दी- बुखार होने से आपकी तबीयत खराब होने की आशंका है। प्रिय व्यक्तियों से दूर जाना पड़ सकता है।

वृषभ - भाग्य इस समय आपके साथ है। आपके परिवार में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। पारिवारिक सदस्यों और मित्रों के साथ आप मौज-मस्ती में समय व्यतीत कर सकेंगे।

मिथुन - आपका तन-मन स्वस्थ और आनंद में रहेगा। ऑफिस में लोग आपके काम की प्रशंसा करेंगे। अधिकारी भी आपके काम की सराहना करेंगे। प्रोत्साहन देंगे। आपकी पदोन्नति भी हो सकती है।

कर्क - आज आप धार्मिक काम में व्यस्त रहने वाले हैं। कहीं धार्मिक यात्रा पर जाना हो सकता है। तन-मन से आप खुश रहेंगे। आपकी किस्मत चमकने की पूरी संभावना है। दोस्तों के साथ भी अच्छा समय व्यतीत कर सकेंगे।

सिंह - आज का दिन थोड़ा परेशानी से भरा है। आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना पड़ेगा। खान-पान में ध्यान नहीं रखने से बीमारी के पीछे खर्च होगा। मन में नेगेटिविटी को न आने दें। पारिवारिक सदस्यों के साथ संभलकर रहना पड़ेगा।

कन्या - आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। प्रिय व्यक्ति के साथ आपकी निकटता आपको आनंदित करेगी। अपने वैवाहिक जीवन में अधिक आत्मीयता का अनुभव करेंगे। आप प्रिय पात्रों के साथ समय बिताना पसंद करेंगे।

तुला - आपके घर में सुख- शांति बनी रहेगी। अच्छे अवसर आएंगे। काम में सफलता और प्रतिष्ठा दोनों प्राप्त होगी। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। किसी जरूरी जगह पर खर्च की संभावना है। नौकरी में आपकी प्रगति होगी।

वृश्चिक - आपका स्वास्थ्य थोड़ा नाजुक रहेगा। संतान की तकलीफ चिंता का कारण बन सकती है। किसी काम के पूरा नहीं होने से अपयश मिल सकता है। आपको शेयर- सट्टे के काम में आज नहीं पड़ना चाहिए।

धनु - आपको शारीरिक और मानसिक सुस्ती का अनुभव होगा। मानसिक भय भी रहेगा। घर का वातावरण काफी गंभीर रहेगा। मां की तबीयत की चिंता आपको रहेगी।

मकर - दैनिक काम में परिस्थिति आपके अनुकूल होने से आप स्वस्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन की समस्या हल होगी। जायदाद और संपत्ति से सम्बंधित विवाद हल होंगे। आपको व्यापार में वित्तीय लाभ हो सकता हैं।

कुंभ - यदि आप वाणी पर अंकुश रखेंगे, तो बहुत-सी परेशानियों से बच सकेंगे। किसी विवाद में आज ना पड़ें। कोई अनावश्यक खर्च आपको परेशान कर सकता है। आपको किसी भी काम में मनोनुकूल सफलता नहीं मिलेगी।

मीन - आपका दिन मौज मस्ती से भरपूर रहेगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। किसी शुभ प्रसंग के आयोजन की संभावना है। नए काम शुरू करने के लिए भी दिन अच्छा है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1485 - हंगरी के राजा मथायस ने ऑस्ट्रिया के विएना पर विजय प्राप्त की या वहां अपनी राजधानी स्थापित की।
1495 - पहली स्कॉच व्हिस्की फ्रायर जॉन कोर द्वारा बनाई गई।
1660 - मैरी डायर को अमेरिकी राज्य मैसाचुसेट्स में निर्वासन के दौरान क्वेकर धर्म का पालन करने के लिए फांसी दी गई।
1792 - केंटकी संयुक्त राज्य अमेरिका का 15वां राज्य बना।
1796 - टेनेसी संयुक्त राज्य का 16वां राज्य बना।
1812 - युद्ध - अमेरिकी राष्ट्रपति जेम्स मैडिसन ने यूनाइटेड किंगडम पर युद्ध की घोषणा करने के लिए अमेरिकी कांग्रेस का आह्वान किया।
1815 - नेपोलियन बोनापार्ट ने फ्रांस के प्रति निष्ठा की शपथ ली।
1842 - भारतीय सिविल सेवा में शामिल होने वाले पहले भारतीय सत्येंद्रनाथ टैगोर का जन्म 1 जून 1842 को हुआ। वह एक लेखक, गीतकार और भाषाविद् थे जिन्होंने ब्रिटिश राज के दौरान भारतीय समाज में महिलाओं की मुक्ति के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया था।
1855 - संयुक्त राज्य अमेरिका के विलियम वॉकर ने निकारागुआ पर विजय प्राप्त की और दासता फिर से शुरू की।
1922 - रॉयल अलस्टा पुलीस की आधिकारिक तौर पर स्थापना की गई। एनवर पाशा के नेतृत्व में बोल्शेविक बलों ने बसमची सेना को पराजित कर दिया।
1924 - हैरी ग्राइंडेल पैरिस से लंदन लौटे। वे एक फिल्म के सहारे यह दिखाने की कोशिश कर रहे थे की उनकी मृत्यु किरण कार्य करती है।
1929 - कोल्हापुर में प्रभात फिल्म कंपनी की स्थापना।
1945 - भारतीय विज्ञान संस्थान के परिसर में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ बेसिक रिसर्च की स्थापना।
2001 - नेपाल के युवराज दीपेंद्र ने राजा बीरेंद्र समेत पूरे परिवार को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मार ली।2001 - हमास के आत्मघाती हमलावर ने तेल अवीव में खुद सहित 21 लोगों की हत्या की।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोषी करार

न्यूयॉर्क, 31 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव प्रचार के बीच एक ऐतिहासिक फैसले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को किसी अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है। गुरुवार को 12 जूरी ने फैसला सुनाया। ट्रंप को एक पोर्न स्टार को चोरी छुपे पैसे देने के मामले में दोषी ठहराया गया।

पोर्न स्टार ने आरोप लगाया था कि उनके बीच यौन संबंध थे। हालांकि, अमेरिकी कानून उन्हें राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने या निर्वाचित होने से नहीं रोकता। उनके खिलाफ लंबित चार आपराधिक मामलों में से यह पहला मामला है, जिसका फैसला आया है और अन्य मामलों में देरी हो सकती है। ट्रंप पर आरोप था कि उन्होंने पोर्न स्टार को चुप रहने के लिए पैसे दिए और इसके लिए अपने व्यापारिक रिकॉर्ड में हेराफेरी की। उन्होंने वकील माइकल कोहेन को दिए गए कानूनी खर्च के रूप में इस पैसे को दिखाया, जो न्यूयॉर्क राज्य के कानून के तहत एक अपराध है।

उन्हें 34 आरोपों में से प्रत्येक के लिए जुर्माने से लेकर चार साल तक की जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है।अगर उन्हें जेल की सजा सुनाई जाती है, तो भी वे बाहर रह सकते

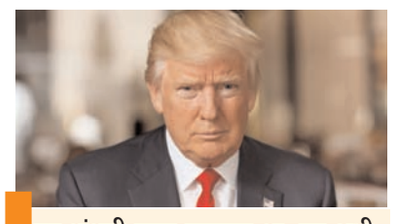

यह धांधली वाला मुकदमा था, यह अभी खत्म नहीं हुआ है : डोनाल्ड ट्रंप

हैं और हाई कोर्ट में अपील कर सकते हैं। अदालत से बाहर निकलते हुए ट्रंप ने कहा कि यह धांधली वाला मुकदमा था। यह अभी खत्म नहीं हुआ है। ट्रंप को 11 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी, जो रिपब्लिकन पार्टी कन्वेंशन से ठीक चार दिन पहले है। इसमें उन्हें औपचारिक रूप से राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि असली फैसला नवंबर में होगा, जब राष्ट्रपति चुनाव होंगे।अमेरिकी पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग सर्विस द्वारा प्रायोजित एक सर्वे से पता चला कि 67 प्रतिशत मतदाताओं ने कहा कि उनकी सजा उनके वोट को प्रभावित नहीं करेगी। ट्रंप और बाइडेन सर्वे में बराबर पर चल रहे हैं।

पाकिस्तान से दो दिन में 900 से ज्यादा अफगानिस्तानी शरणार्थी स्वदेश लौटे

काबुल, 31 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान से पिछले दो दिन में 900 से ज्यादा अफगानिस्तानी शरणार्थी स्वदेश लौट आए हैं। देश के शरणार्थी और प्रत्यावर्तन मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान के अनुसार, शरणार्थी तोरखम और स्पिन बोल्डक सीमा से स्वदेश वापस लौटे। इसमें कहा गया कि अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने क्रॉसिंग प्वाइंट पर लौटने वाले परिवारों को अस्थायी आश्रयों और सहायता पैकेज सहित आवश्यक सुविधाएं प्रदान की हैं। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक वर्ष में 21 मार्च, 2023 से 19 मार्च, 2024 तक पड़ोसी देश पाकिस्तान और ईरान से 15 लाख से ज्यादा अफगान शरणार्थी वापस लौटे हैं। अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने विदेशों में निवास कर रहे अफगान प्रवासियों से स्वदेश वापस लौटने और युद्ध प्रभावित देश के पुनर्निर्माण में अपना योगदान देने की अपील की है।

पाकिस्तान व अजरबैजान द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने पर सहमत

इस्लामाबाद, 31 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अजरबैजान के विदेश मंत्रियों ने व्यापार, रक्षा, जलवायु कार्रवाई और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी सहित आपसी हित के सभी क्षेत्रों में सहयोग का दायरा बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने यहां एक बयान में यह जानकारी दी। पाकिस्तान की दो दिवसीय यात्रा के दौरान पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार और अजरबैजान के विदेश मंत्री जेहुन बायरामोव के बीच एक बैठक में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए मजबूत प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। वे संसदीय आदान-प्रदान को बढ़ाने, सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करने और छात्रों, शिक्षाविदों और व्यापारिक लोगों सहित लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर भी सहमत हुए। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष जलवायु कार्रवाई और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और विशेषकर ऊर्जा क्षेत्र में द्विपक्षीय निवेश बढ़ाने के लिए आर्थिक सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने पर सहमत हुए।

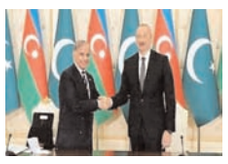

मेजर राधिका सेन को एंटोनियो गुटेरेस ने किया सम्मानित

संयुक्त राष्ट्र, 31 मई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारतीय सेना की मेजर राधिका सेन को मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड प्रदान करते हुए उन्हें 'सच्चा नेता और रोल मॉडल' कहा।

गुटेरेस ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में संगठन स्थिरीकरण मिशन में शांति रक्षक के रूप में उनके काम के बारे में कहा, 'उनकी सेवा संयुक्त राष्ट्र के लिए एक सच्चा श्रेय है। भारतीय सेना के एक चिकित्सक, नायक धनंजय कुमार सिंह, जो पिछले साल डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इसी मिशन में सेवा करते हुए शहीद हो गए थे, को समारोह के दौरान डैग हैमरशॉल्ड पदक से सम्मानित किया गया।

गुटेरेस ने कहा कि सशस्त्र समूहों द्वारा युद्ध के लिए आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल करने, डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करने के बावजूद हमारे शांति रक्षक डटे हुए हैं। इस अवसर पर मेजर सेन ने कहा कि वह एमओएनयूएससीओ में अपने सम्मानित सहयोगियों और अपने देश भारत की ओर से यह पुरस्कार प्राप्त करके 'बहुत सम्मानित और विनम्र महसूस कर रही हैं'।

■ मेजर राधिका सेन को मिला 'मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड'

उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार मेरे लिए विशेष है, क्योंकि यह एमओएनयूएससीओ के चुनौतीपूर्ण वातावरण में काम करने वाले सभी शांति सैनिकों द्वारा की गई कड़ी मेहनत को मान्यता देता है। समारोह में दिखाए गए अपने काम के एक वीडियो में सेन ने कहा कि महिलाओं और युवा लड़कियों को यह कहते हुए देखना मेरे लिए बहुत ही सुखद है कि वे एक महिला सैनिक को पुरुष और महिला दोनों सैनिकों की टीम का नेतृत्व करते हुए देखकर बहुत खुश और सशक्त महसूस करती हैं।

पर्यटन *एलओसी की ओर बढ़ रहा कश्मीर आने वालों का रूख*

एलओसी के गांव बन रहे पर्यटकों के नए ठिकाने

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 31 मई। कश्मीर आने वाले पर्यटकों के ठिकाने अब बदलते जा रहे हैं। डल झील, गुलमर्ग और पहलगाम के नारे देखने के बाद उनके कदम भारत पाकिस्तान को बांटने वाली एलओसी से सटे उन गांवों की ओर उठने लगे हैं जो बेहद खूबसूरत होने के साथ ही अभी तक अछूते रहे हैं। यह सच है कि कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल पर पर्यटकों की भीड़ उमड़ने के कारण, पर्यटक कश्मीर के एलओसी टूरिज्म का आनंद लेने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों की ओर रुख कर रहे हैं। मई के मध्य तक कश्मीर में दस लाख से अधिक पर्यटक आ चुके हैं।

■ मई के मध्य तक कश्मीर में दस लाख से अधिक पर्यटक आ चुके

■ वर्तमान में पर्यटकों के लिए सबसे पसंदीदा जगह है गुरेज

जिसके कारण कश्मीर के अधिकांश पर्यटन स्थल पर्यटकों से खचाखच भरे हुए हैं। होटल और अन्य आवास भी आने वाले महीने के लिए बुक हो चुके हैं। ऐसे में कई पर्यटक कश्मीर के सीमावर्ती पर्यटन का आनंद लेने के लिए कश्मीर के बाहरी इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं, जो f

गुरेज से लेकर केरन, उड़ी और तंगधार तक, इन सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ रही है, जहां पर्यटक शांत वातावरण और कुंवारी सुंदरता का आनंद ले रहे हैं। गुरेज वर्तमान में पर्यटकों के लिए सबसे पसंदीदा जगह है, जो विभिन्न प्रकार के परिदृश्यों का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में इस गंतव्य पर आते हैं।

स्थानीय सेवा प्रदाता गुलाम नबी खान का कहना था कि गुरेज हाल ही में सर्दियों की छुट्टियों के बाद पर्यटकों के लिए खोला गया है। पिछले कुछ वर्षों से हमारे यहां अच्छी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। इस साल अब तक यहां पर्यटकों की संख्या उत्साहजनक रही है।

इसी तरह, उत्तरी कश्मीर के केरन और तंगधार इलाकों में भी पर्यटकों की अच्छी खासी तादाद है। स्थानीय निवासी फिरोज अहमद खान के बकौल, केरन में कई होमस्टे खुल गए हैं। भारत के अलग-अलग राज्यों से पर्यटक यहां आते हैं और लोगों की मेहमाननवाजी का लुत्फ उठाते हैं।

यह जगह उन पर्यटकों को एक शानदार अनुभव देती है, जो कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों को देखना चाहते हैं। हाल ही में अपने खूबसूरत नजारों के लिए चर्चा में आए उड़ी में भी इस मौसम में पर्यटकों की अच्छी खासी तादाद है। गेस्ट हाउस के मालिक सुहीम अहमद भट बताते थे कि इस जगह पर बहुत कम भीड़ होती है और पर्यटक यहां ऑफ-रोडिंग के लिए आते हैं।

वे कमान पोस्ट और उड़ी के दूसरे इलाकों में प्राकृतिक खूबसूरती को देखने आते हैं। इस इलाके में कई ट्रैकिंग स्पॉट भी हैं, जिन्हें पर्यटक खूब पसंद करते हैं। इस बीच, सरकार ने भी जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती और ऑफबीट डेस्टिनेशन को बढ़ावा देने के लिए एक अभियान शुरू किया है।

दुनिया को जानें

टैटू गुदवाने से हेपेटाइटिस, एचआईवी व कैंसर का खतरा : डॉ. कुरैशी

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। अगर आप भी टैटू बनवाने का शौक रखते हैं तो सावधान हो जाइए। डॉक्टरों की राय है कि टैटू बनवाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली स्याही और सुई से हेपेटाइटिस बी और सी, एचआईवी और लीवर के अलावा ब्लड कैंसर का खतरा भी हो सकता है। आजकल युवाओं में टैटू बनवाने का चलन है।

युवा अपने टैटू के जरिए अपने विचारों या जुनून को समाज के सामने रखते हैं, वह अपनी पसंद के अनुसार अपने शरीर पर टैटू गुदवाते हैं। फोर्टिस अस्पताल शालीमार बाग के एडिशनल डायरेक्टर और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के यूनिट हेड सुहैल कुरैशी ने बताया कि स्वास्थ्य को लेकर जोखिम तब होता है जब किसी एक्सपर्ट के हाथों से टैटू नहीं बनवाया जाता। इसकी जानकारी न रखने वाले लोग संक्रमित सुइयों का इस्तेमाल करते हैं, जिससे हेपेटाइटिस बी, सी या यहां तक कि एचआईवी जैसे संक्रमण का जोखिम भी बढ़ जाता है। स्वीडन में लुंड्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने 11,905 व्यक्तियों पर एक शोध किया। इस हालिया शोध में टैटू बनवाने वाले व्यक्तियों में लिम्फोमा (एक प्रकार का ब्लड कैंसर) का जोखिम अधिक पाया गया।

प्रादेशिकी

कांगड़ा में भारी संख्या में मतदाताओं के आने की उम्मीद

धर्मशाला। लोकसभा के आम चुनाव को लेकर जिला कांगड़ा में सभी बंदोबस्त किए गए हैं। पोलिंग पार्टियां शुक्रवार को अपने-अपने मतदान केंद्रों में पहुंच चुकी हैं। जिला के पोलिंग स्टेशन वोटर्स के स्वागत के लिए सज चुके हैं। भारी संख्या में मतदाताओं के आने की उम्मीद के साथ चुनाव आयोग ने सारी व्यवस्थाएं चाक चौबंद रखी हैं। यह जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी हेमराज बैरवा ने आज मतदान की तैयारियों का जायजा लेने के बाद दी। उन्होंने बताया कि एक जून सुबह 5:30 बजे मॉक पोलिंग शुरू कर दी जाएगी। उसके बाद सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक लोग मतदान केंद्रों में जाकर अपना वोट डाल सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस बार जिला कांगड़ा में कांगड़ा-चम्बा लोकसभा सीट के लिए दस प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं और धर्मशाला विधानसभा उपचुनाव में चार प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं।

चार लोस व छह विस सीटों के लिए 7992 मतदान केंद्रों पर आज मतदान

चार लोकसभा सीटों के लिए 37 व छह विधानसभा सीटों के लिए 25 प्रत्याशी मैदान में

- चार जून को होनी हैं मतगणना
- आज तक सबसे अधिक मतदान 2019 में 72.42 दर्ज आज टूटता है रिकार्ड क्या रहेगा
- प्रदेश में 1.71 लाख मतदाता 18 से 19 वर्ष की आयु के हैं जो पहली बार मतदान कर रहे हैं
- सबसे कम मतदाताओं वाला विधानसभा क्षेत्र लाहुल स्पीति 25967
- सबसे अधिक पैदल चलने वाला मतदान केंद्र भरमौर का चस्क भटौरी कुल मतदाता 93
- सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित विश्व का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र लाहुल स्पीति का टशीगंग ऊंचाई 15256 फीट
- 12 हजार से अधिक ऊंचाई पर स्थित 20 मतदान केंद्र
- 10 हजार से 12 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित मतदान केंद्र 65
- सबसे अधिक मतदाताओं वाला मतदान केंद्र सिद्धबाड़ी 1494 मतदाता

■ हिमकिरण मांटा

शिमला, 31 मई (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश में चार लोकसभा सीटों कांगड़ा, शिमला, मंडी व हमीरपुर और छह विधानसभा क्षेत्रों के लिए शनिवार सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक 7992 मतदान केंद्रों पर मतदान होगा। 7990 सामान्य मतदान केंद्र व दो सहायक मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर का कांग्रेस के पूर्व विधायक सतपाल रायजादा से सीधा मुकाबला है और वहां 12 प्रत्याशी मैदान में हैं। मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा से फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत का सीधा मुकाबला छह बार मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह के बेटे लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह कांग्रेस प्रत्याशी से है और दस प्रत्याशी मैदान में हैं। कांगड़ा संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी से राजीव का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे आनन्द शर्मा से है और वहां पर कुल दस उम्मीदवार मैदान में हैं। शिमला संसदीय क्षेत्र से भाजपा से वर्तमान सांसद सुरेश कश्यप और कांग्रेस से विनोद सुल्तानपुरी के बीच मुकाबला है और कुल पांच प्रत्याशी मैदान में हैं। मतदान को सुचारू रूप से करवाने के लिए मतदान केंद्रों में एक पीठासीन अधिकारी, तीन मतदान कर्मियों ने जिम्मा संभाल लिया है। करीब 33 हजार कर्मी मतदान करवाएंगे। जबकि सुरक्षा में अर्धसैनिक बलों के सशस्त्र जवानों के अलावा प्रदेश सशस्त्र पुलिस बल और गृह रक्षकों को लगाया गया है। मतदान केंद्रों से हो रहे मतदान की लाइव वेबकास्टिंग का भी प्रावधान किया गया है। प्रदेश में चारों लएकसभा सीटों के लिए 1.71 लाख मतदाता 18 से 19 वर्ष की आयु के हैं जो पहली बार मतदान कर रहे हैं। हर बार के लोकसभा चुनाव में महिला मत प्रतिशत अधिक रहता है।

चुनाव ईमानदारी और बेईमानी के बीच, आज जरूर डालें वोट: मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेश के सभी मतदाताओं से एक जून को अपना मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि इस बार चुनाव ईमानदारी और बेईमानी के बीच है। उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्यौहार है और इस पर्व में सभी की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है। चुनाव में एक-एक वोट क़ीमती है। उन्होंने कहा कि इस बार का चुनाव साधारण चुनाव नहीं है क्योंकि इस बार चुनाव बिकाऊ और टिकाऊ के बीच है। जिन लोगों ने वोट को धनबल से खरीदने का प्रयास किया है, यह समय उन्हें सबक़ सिखाने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल के कार्यकाल में कांग्रेस सरकार प्रदेश की जनता के साथ हर सुख-दुख में साथ रही। आपदा में कांग्रेस सरकार ने 4500 करोड़ रुपए का विशेष पैकेज दिया और आपदा प्रभावित 22 हजार परिवारों का फिर से बसाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने 1.36 लाख सरकारी कर्मचारियों को पेंशन प्रदान की। सवा साल के कार्यकाल में में सात प्रतिशत महंगाई भत्ता और पुलिस कर्मियों की डाइट मनी बढ़ाकर 1000 रुपए की। इसके साथ-साथ पेंशनर्स के एरियर को भी क्लीयर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने कर्मचारी वर्ग के साथ अन्य वर्गों के कल्याण के लिए भी योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने महिलाओं को 1500 रुपए पेंशन देने की योजना शुरू की, हालांकि भाजपा ने इसमें रुकावटें पैदा की। इसके साथ-साथ राज्य सरकार ने लंबित राजस्व मामलों का निपटारा प्राथमिकता पर किया और प्रदेश में राजस्व लोक अदालतों के माध्यम से इंतकाल के एक लाख से अधिक और तकसीम के लगभग आठ हजार मामलों का निपटारा कर लोगों को राहत प्रदान की गई।

279 मतदान केंद्र आदर्श मतदान केंद्र , 195 का जिम्मा महिलाओं के सुपुर्द

प्रदेश में 279 मतदान केंद्रों को आदर्श मतदान केंद्र बनाया गया है। इनमें हर तरह की सुविधा जिसमें प्रतीक्षा कक्ष,स्वागत गेट के अलावा अन्य प्रावधान किए गए हैं। इनमें सुगमता से पहुंचा जा सकेगा, साइन बोर्ड के साथ पेयजल व शौचालय सुविधा और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था होगी। 195 मतदान केंद्रों का जिम्मा महिलाओं के सुपुर्द किया गया है। जिसमें महिला सुरक्षा कर्मी और बूथ पर मतदान करवाने वाली महिलाएं ही होंगी। 29 मतदान केंद्रों संचालन का जिम्मा दिव्यांगों और 54 मतदान केंद्रों का संचालन युवा करेंगे।

प्रदेश में चारों लोकसभा सीटों के कुल मतदाताओं की संख्या 5711959 है। जिसमें से 66390 सर्विस वोटर यानी सेना और अर्धसैनिक बलों में सेवारत मतदाता हैं। सामान्य मतदाता 5645545 हैं। इनमें से 2848301 पुरुष मतदाता, 2797209 महिला मतदाता हैं जबकि 35 तृतीय लिंग मतदाता हैं।

सार संक्षेप

महिला मित्र को इम्प्रेस करने के लिए बीबीए का छात्र बना वाहन चोर

देहरादून। रायपुर पुलिस ने वाहन चोरी का खुलासा करते हुए बीबीए के छात्र को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से यूके 07 एफई 0683 यामाहा आर1-5 बरामद की। वाहन चोर को न्यायालय में पेश करते हुए पुलिस ने जेल भेज दिया। विनित तोमर पुत्र सतीश तोमर निवासी कैडिट डिफेंस एकेडमी रायपुर ने थाना रायपुर में अपनी मोटर साईकिल नम्बर यूके 07 एफई 0683 यामाहा आर1-5 मोटर साईकिल के सहस्त्रधारा से चोरी हो जाने के संबंध में तहरीर दी गई, तहरीर के आधार पर थाना रायपुर में मोटरसाइकिल चोरी होने का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने घटनास्थल के आस-पास आने जाने वाले मार्गो पर लगे सीसीटीवी कैमरों को चैक किया गया एंव वाहन चोरी की घटना में पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों का सत्यापन किया गया, साथ ही मुखबीर तंत्र को सक्रिय किया गया, पुलिस टीम के किए गए प्रयासों के फलस्वरुप मुखबीर ने चोरी की मोटरसाइकिल अज्ञात ने चलाने जाने की सूचना मिली जिस पर पुलिस टीम ने थाना रायपुर क्षेत्रान्तर्गत सघन चैकिंग अभियान चलाया गया।

उत्तराखंड को ऑर्गेनिक स्टेट घोषित करने की मांग

रुड़की। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत मन्नाखेड़ी गांव में आयोजित जनसभा में पहुंचे। इस दौरान किसानों ने राकेश टिकैत का जोरदार स्वागत किया। इसी के साथ उत्तराखंड में किसान संगठन को मजबूत करने के लिए अराजनैतिक किसान यूनियन संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता भारतीय किसान यूनियन टिकैत में शामिल हुए। जनसभा को संबोधित करते हुए राकेश टिकैत ने प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। राकेश टिकैत ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा उत्तराखंड में किसानों के साथ पहाड़ और प्लेनवाद किया जा रहा है। सरकार उत्तराखंड किसानों का शोषण करने में जुटी हुई है। सरकार किसानों की फसलों का उचित दाम नहीं दे रही है। पिछले वर्ष हरिद्वार जनपद में आई आपदा से किसानों की कई हजार एकड़ फसल पूरी तरह बर्बाद ही गई, लेकिन सरकार ने किसानों की कोई सुध नहीं ली।

तुंगनाथ धाम में बना भरतनाट्यम और कैलीग्राफी का कॉक्टेल

रुद्रप्रयाग। कुछ कर दिखाने का जज्बा इंसान को बड़ी से बड़ी कठिनाइयों का सामना करने का साहस देता है। ऐसा ही काम दून के दो कलाकारों ने किया है। दोनों ने अपनी-अपनी कला के माध्यम से अपने अराध्य को पाने का प्रयास किया है। इसके साथ ही लोगों के बीच एक गहरी छाप छोड़ी है। दुनिया के सबसे ऊंचे शिव मंदिर तुंगनाथ में भरतनाट्यम और कैलीग्राफी कर दून के युवा कलाकार श्रद्धा बछेती और अभिषेक यादव ने इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

सुडोकू 6572 का हल

6	7	3	4	5	8	9	2	1
5	4	1	9	2	3	8	7	6
2	9	8	6	7	1	4	5	3
7	6	9	2	4	5	1	3	8
1	8	4	3	9	7	5	6	2
3	2	5	8	1	6	7	4	9
4	5	6	1	8	2	3	9	7
8	3	7	5	6	9	2	1	4
9	1	2	7	3	4	6	8	5

पुलिस जवानों सहित बाहरी राज्यों में चुनाव डयूटी पर गए 5479 जवान मतदान से वंचित रहेंगे

शिमला, 31 मई (देशबन्धु)। प्रदेश पुलिस के कानून व्यवस्था में लगे पुलिस जवानों सहित बाहरी राज्यों में चुनाव डयूटी पर गए 5479 जवान मतदान से वंचित रहेंगे। इसके साथ-साथ राज्य पथ परिवहन निगम के लोकल डिपो में सेवाएं देने वाले चालक-परिचालक में भी बड़ी संख्या में मतदान नहीं कर पाएंगे। ठीक इसी तरह से अस्पतालों में चिकित्सा सेवाओं में लगे चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ भी मतदान नहीं कर पाएगा। ऐसे में लोकसभा और छह विधानसभा सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में कुल सात हजार कर्मचारी व अधिकारी मताधिकार का प्रयोग करने से वंचित होंगे। इस समय प्रदेश पुलिस के 1200 पुलिस जवान उड़ीसा और बिहार में चुनाव डयूटी पर हैं और ये पुलिस जवान मतदान करने से वंचित रह जाएंगे। कारण ये है कि मतगणना पूरी होने के बाद दूसरे राज्यों में चुनाव डयूटी करने के लिए गए पुलिस जवान लौटेंगे, तब तक चुनाव परिणाम घोषित हो चुके होंगे। इसके अतिरिक्त कानून व्यवस्था में सेवाएं देने वाले पुलिस जवानों को पोस्टल यानि डाक मत पत्र की सुविधा नहीं है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय की ओर से राज्य निर्वाचन विभाग से मामला उठाया गया था, लेकिन तुरंत कोई समाधान नहीं होने पर बड़ी संख्या में पुलिस जवान मतदान नहीं कर पाएंगे। राज्य पथ परिवहन निगम में करीब आठ हजार चालक-परिचालकों के लिए पोस्टल मतदान की सुविधा का प्रबंध किया गया था। ये सुविधा लोकल रूट पर चलने वाले चालकों व परिचालकों के लिए नहीं है। निगम प्रबंधन का मत है कि सैंकड़ों की संख्या में ही चालक-परिचालक मताधिकार का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। अस्पतालों में आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले चिकित्सक व नर्सिंग स्टाफ भी मतदान के अधिकार का प्रयोग नहीं कर पाएंगे। कुल मिलाकर सात हजार से अधिक कर्मचारी व अधिकारी वोट नहीं डाल पाएंगे।

■ पुलिस जवान, परिवहन निगम के चालक-परिचालक, चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ सहित 7 हजार लोग मतदान नहीं कर पाएंगे

संवेदनशील पोलिंग बूथ पर अर्द्धसैनिक बल

प्रदेश के 369 संवेदनशील पोलिंग बूथों पर पुलिस तैनात नहीं की गई है। इन बूथों पर अर्ध सैनिक बल का एक जवान और एक गृह रक्षक रहेगा।

हर मतदान केंद्र में एक पुलिस जवान और गृह रक्षक रहेगा

प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक पुलिस जवान और गृह रक्षक रहेगा। ये मतदान केंद्र साधारण पोलिंग बूथ होंगे। पुलिस के कुल 10521 जवान रहेंगे, प्रदेश में कुल पुलिस बल संख्या 16000 है। चुनाव डयूटी पर 5600 गृह रक्षक हैं। जिनमें 5140 पुरुष जवान और 460 महिला गृह रक्षक हैं और गृह रक्षकों की कुल संख्या 6150 है।

सेवानिवृत्ति पर सयुंक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी शाह को दी विदाई

देहरादून, 31 मई (देशबन्धु)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने शुक्रवार को सचिवालय में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रताप शाह के सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सचिव निर्वाचन दिलीप जावलकर एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम समेत निर्वाचन कार्यालय के समस्त कार्मिक उपस्थित रहे। सचिव निर्वाचन जावलकर ने शाह को अधिवर्षता आयु पूर्ण करने पर उन्हें शुभकामना देते हुए मंगलमय एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम ने अपने संबोधन में कहा कि प्रताप शाह ने एक व्यावहारिक, मृदुभाषी और अपने कार्य में दक्ष अधिकारी के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि उन्हें प्रताप शाह के साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी, जिलाधिकारी देहरादून रहते हुए कार्य करने का अवसर मिला। उन्होंने अपने सेवाकाल में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। अपने कार्यों के बल पर उन्होंने एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में अलग छवि बनाई। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रताप शाह ने कहा कि 31 साल के सेवाकाल में उन्हें राजस्व विभाग के अधिकारी, निर्वाचन और शासन में विभिन्न पदों पर कार्य करने और जन सेवा करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि मुख्य निर्वाचन कार्यालय में काफी समय तक उन्हें कार्य करने का अवसर मिला। अपने

कार्यकाल के दौरान शासन और प्रशासन स्तर पर सहयोगियों का हमेशा स्नेह मिला। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रताप शाह की सेवानिवृत्ति के अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय जोगदंडे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी नमामि बंसल, अपर नगर आयुक्त वीर सिंह बुदियाल, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी के. एस नेगी, मुक्ता मिश्रा, नोडल अधिकारी निर्वाचन व्यय मनमोहन मैनाली, उप निदेशक सूचना रवि बिजारनियां, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास और मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

यात्रियों की बस पलटी, मची चीख पुकार

उत्तरकाशी, 31 मई (देशबन्धु)। यमुनोत्री हाईवे पर सिलक्यारा बैंड के पास एक यात्रियों से भरी बस पलट गयी। वाहन में कर्नाटक के 40 तीर्थयात्री सवार थे। इनमें से 15 लोगों को हल्की चोटें आई हुई हैं। घायल तीर्थयात्रियों को उपचार के लिए 108 एंबुलेंस की मदद से पीएचसी ब्रह्मखाल लाया गया। सभी तीर्थयात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। यमुनोत्री हाईवे पर शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे कर्नाटक के तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पलट गई। बस में सवार तीर्थयात्री यमुनोत्री धाम के बाद गंगोत्री धाम के दर्शन के लिए जा रहे थे। अभी तीर्थयात्रियों की बस यमुनोत्री हाईवे पर सिलक्यार के पास पहुंची थी कि अचानक वाहन पलट गया। बस पलटने पर यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। तीर्थयात्रियों की चीख-पुकार दूर-दूर तक सुनाई देने लगी। स्थानीय लोगों ने शोरगुल सुना तो वो दुर्घटनास्थल की ओर दौड़े। स्थानीय लोगों ने तुरंत सड़क दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही अन्य स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंच गए। इसके साथ ही एसडीआरएफ और पुलिस की टीम भी हादसा स्थल पर पहुंची। टीम ने रेस्क्यू कर सभी तीर्थयात्रियों को बस से सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं मौके पर एएचआईडीसीएल के कर्मचारियों ने भी बस को अपने मशीन से उठा कर सड़क के किनारे किया। जिसके बाद प्रशासन ने सभी यात्रियों को स्थानीय गाड़ी में बैठाकर वहां से जिला मुख्यालय भेजा गया है।

ध्वस्तीकरण से पूर्व मानवीय पहलू पर ध्यान दे राज्य सरकार: राजीव महर्षि

देहरादून, 31 मई (देशबन्धु)। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजीव महर्षि ने देहरादून में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के आदेश पर की नदी किनारे की बस्तियों में जा रही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से भीषण गर्मी में बेघर किए जा रहे लोगों के पुनर्वास का तत्काल प्रबंध किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई ऐसे समय पर की जा रही है जब आसमान से आग बरस रही है, लोग तड़प रहे हैं, ऐसे में नदी किनारे बसे लोगों को बेघर किया जाना न सिर्फ अमानवीय है बल्कि राज्य सरकार की नाकामी भी है।

■ कांग्रेस के चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर ने सरकार को घेरा

महर्षि ने कहा कि नदी किनारे मलिन बस्तियों को खाली करने पर वहां रह रहे लोगों के लिए पुनर्वास का प्रावधान जेएनयूआरएम योजना में था लेकिन सरकार के रवैए से लगता है इस प्रावधान को ताक पर रख दिया गया है। महर्षि ने

इस बात पर चिंता जताई कि नदी किनारे पट्टे की जमीन बेचने वाले लोगों पर कोई अंकुश नहीं लगाया गया, इस कारण स्थिति बिगड़ी है और भीषण गर्मी में लोगों को बेघर होना पड़ रहा है। सिस्टम अगर इस बात पर नजर रखता कि पट्टे की जमीन की खरीद फरोख्त न होने पाए तो आज यह स्थिति उत्पन्न न होती। कांग्रेस नेता ने कहा कि नदी किनारे पट्टे की जमीन पर अपना घरौंदा बनाने वाले लोगों ने अपना सब कुछ बेच कर किसी तरह अपने सिर पर एक अदद छत का इंतजाम किया था, किंतु आज जानलेवा गर्मी के मौसम में उन्हें खुले आसमान के नीचे सड़क पर ला दिया गया है, यह मानवीय दृष्टि से बेहद दुखद घटनाक्रम है। महर्षि ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अतिक्रमण का किसी भी स्तर पर समर्थन नहीं करती है किंतु जो लोग ठगे गए हैं, उन पीड़ितों के साथ सहानुभूति मानवता के नाते है। उन्होंने सवाल किया कि जब ये मलिन बस्तियां आकार ले रही थी, तब सरकारी तंत्र सो क्यों रहा था? क्यों सरकारी योजनाओं से उन इलाकों को आच्छादित किया जा रहा था? इस दृष्टि से पूरी तरह से सिस्टम दोषी है और साथ में वे लोग भी जिन्होंने उन्हें अपने घर का सपना दिखा कर स्टाम्प पेपर पर पट्टे की जमीन बेच दी। राजीव महर्षि ने कहा कि यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि नदी किनारे की जमीन सौ रुपए के स्टाम्प पेपर पर बेचने वाले लोगों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई होनी चाहिए जिन्होंने लाचार गरीबों को धोखे में रख कर उन्हें आज सड़क पर लाने का पाप किया है। महर्षि ने कहा कि मानवीय पहलू यह है कि बेघर किए गए लोगों का तत्काल पुनर्वास किया जाए और उन्हें आसान किस्तों पर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराई जाए ताकि उनके बच्चों, बूढ़ों और बीमार लोगों और नर-नारियों को राहत मिल सके।

पहाड़ों की रानी मसूरी के जंगल में आधी रात को लगी भीषण आग

मसूरी, 31 मई (देशबन्धु)। ग्राम दबियाना (ग्राम नालीकला मसूरी) के आसपास के जंगल में देर रात को भीषण आग लग गई। इससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों द्वारा जंगल में लगी आग की सूचना वन विभाग और फायर सर्विस को दी गई। जिसके बाद वन विभाग और फायर सर्विस की टीमें मौके पर पहुंची।

करीब 5 घंटे के बाद आग पर काबू पाया गया। लोगों ने बताया कि जंगल में लगी आग मखनी धार पीपीसीएल गेट ग्राम झलकी मसूरी निवासी रमेश कुमार दास के घर के पास पहुंच गई। जिसके बाद घर में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थान में शिफ्ट किया गया। मसूरी डीएफओ अमित कंवर ने बताया कि ग्राम नालीकला मसूरी के पास जंगल में अचानक से आग लग गई थी। जिसके बाद वन विभाग और फायर सर्विस के जवान मौके पर पहुंचे। कई घंटों के मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। उन्होंने कहा कि जंगल में लगी आग के कारणों का पता लगाया जा रहा है। आग लगने से पेड़ों को नुकसान पहुंचा है।

डीएफओ अमित कंवर ने कहा कि राहत की बात ये रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। उन्होंने बताया कि क्राउन फायर होने के कारण आग पेड़ों के ऊपर ऊपर घूमती रही। इससे पेड़ों को नुकसान पहुंचा है। बताते चलें कि टिहरी में भी भीषण वनाग्नि भड़क गई थी। आग की भयानकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि नई टिहरी जिला मुख्यालय तीन ओर से आग से घिर गया था। फायर ब्रिगेड और स्थानीय निवासियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था।

गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर डबरानी के पास गिरी चट्टान

- एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस व राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल मौके पर रवाना
- हादसे में बोलेरो, एक बाइक, एक मारूति 800, बीआरओक ट्रक व जेसीबी हुई क्षतिग्रस्त

अमरनाथ तिवारी

उत्तरकाशी, 31 मई (देशबन्धु)। उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर डबरानी के पास गंगोत्री नेशनल हाईवे पर बड़ी चट्टान गिरी है। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब 12:59 बजे डबरानी के पास पहाड़ी में आग लगने से चट्टान गिरने की घटना घटी। हाईवे पर चट्टान गिरने के कारण कुछ लोग मलबे में दब गए हैं।

सूचना पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों का रेस्क्यू किया। अभी तक 1 मृतक, 8 घायलों का रेस्क्यू किया जा चुका है। घायलों को 108 एम्बुलेंस सेवा के जरिए उपचार के लिए हर्षिल भेजा गया है। सभी लोग देहरादून के बताए जा रहे हैं। हर्षिल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. विक्रम मंडल ने बताया कि डबरानी हादसे के कुल 8 घायलों को स्वास्थ्य केंद्र में लाया है। सभी को गुम चोटें आई हैं। कोई भी अभी बातचीत की स्थिति में नहीं है। हादसे में एक निजी बोलेरो वाहन, एक बाइक, एक मारुति 800 वाहन, एक बीआरओ ट्रक, एक जेसीबी मशीन और एक पानी का टैंकर क्षतिग्रस्त हुआ है। घटना की सूचना पर जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने राहत एवं बचाव टीमों को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, 108 एम्बुलेंस, राजस्व टीम और आपदा क्लिक रिस्पांस टीम घटनास्थल पर रेस्क्यू कार्य कर रही हैं।

पहाड़ से लगातार गिर रहे पत्थर

उत्तरकाशी। बता दें कि, पहाड़ी से अभी भी लगातार पत्थर गिर रहे हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों ओर से यातायात को सुरक्षित स्थान पर रोक दिया गया है। गंगोत्री और हर्षिल के बीच करीब 500 वाहन रोके गए हैं। फिलहाल, हाईवे से बोल्डर हटाने का कार्य किया जा रहा है। मार्ग पूरी तरह सुरक्षित होने के बाद ही वाहनों की आवाजाही फिर शुरू की जाएगी। बताया गया है कि हादसे वाली जगह पर इन दिनों सीमा सड़क संगठन द्वारा सड़क के बाहरी तरफ पुश्ता निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसी जगह पर सड़क के ऊपर पहाड़ी से अभी भी पत्थर गिरने का क्रम जारी है। सामने आई पहली तस्वीरों के आधार पर बताया जा रहा है कि काफी बड़ी मात्रा और वेग के साथ चट्टान मार्ग पर गिरी है। सड़क पर चट्टान के बड़े-बड़े टुकड़े गिरे हुए नजर आ रहे हैं।

प्रादेशिकी

आग लगने की घटनाओं के दृष्टिगत सतर्क रहे अग्निशमन दस्ता : मुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गर्मी के मौसम में आग लगने की दुर्घटनाओं के दृष्टिगत विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिये हैं। अग्निशमन विभाग को दिए निर्देश में उन्होंने कहा है कि सभी जनपदों में अग्निशमन केन्द्र 24×7 सक्रिय रहें, जिससे आग लगने की किसी भी दुर्घटना से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सभी जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आग लगने की यदि कोई दुर्घटना हो तो प्रभावित लोगों को तत्काल राशन एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध करायी जाएं। जनहानि, पशु हानि अथवा फसल को हुए नुकसान की स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल अनुमन्य मुआवजा राशि प्रदान की जाए।

13 लोकसभा सीटों व दुद्धी विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र में मतदान आज

लखनऊ, 31 मई (देशबन्धु)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत सातवें और अंतिम चरण में उत्तर प्रदेश की 13 सीटों के साथ ही दुद्धी विधानसभा उप निर्वाचन के लिए मतदान की प्रक्रिया 01 जून शनिवार को संपन्न होगी। सातवें चरण के मतदान की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान की अपील करते हुए बताया कि सातवें चरण में उत्तर प्रदेश के महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (अ.जा.), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, रॉबर्ट्सगंज (अ.जा.) लोकसभा क्षेत्रों के साथ ही तथा विधानसभा उपनिर्वाचन क्षेत्र दुद्धी में मतदान संपन्न कराया जाएगा। विधानसभा उपनिर्वाचन क्षेत्र दुद्धी जनपद सोनभद्र में अवस्थित है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान का समय प्रात: 7.00 बजे से शुरू होकर सायं 6.00 बजे तक चलेगा। वहीं राबर्ट्सगंज (अ.जा.) लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के 5 विधानसभा क्षेत्रों में से 3 में मतदान का समय प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक, जबकि 2 विधानसभा राबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र एवं दुद्धी (अ0ज0जा0) लोकसभा सामान्य निर्वाचन क्षेत्र व उप निर्वाचन क्षेत्र में मतदान का समय प्रात: 7 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक रहेगा।

■ सातवें चरण में कुल 2 करोड़ 50 लाख 56 हजार 877 मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग

मतदेय स्थलों पर जो मतदाता मतदान अवधि के अंत में पोलिंग बूथ पर कतार में उपस्थित रहेंगे, वे सभी अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि सातवें चरण में कुल 2 करोड़ 50 लाख 56 हजार 877 मतदाता हैं, जिसमें 1 करोड़ 33 लाख 10 हजार 897 पुरूष तथा 1 करोड़ 17 लाख 44 हजार 922 महिला एवं 1058 थर्ड जेण्डर मतदाता हैं। सातवें चरण में मतदाताओं की संख्या की दृष्टि से सबसे अधिक 20 लाख 97 हजार 202 मतदाता गोरखपुर तथा सबसे कम 17 लाख 76 हजार 982 मतदाता सलेमपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हैं। 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 144 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 134 पुरूष तथा 10 महिला प्रत्याशी हैं। सातवें चरण में सबसे अधिक 28 प्रत्याशी घोसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में तथा सबसे कम 7 प्रत्याशी देवरिया एवं वाराणसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हैं।

मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए आयोग द्वारा 3 विशेष प्रेक्षक, 13 सामान्य प्रेक्षक, 8 पुलिस प्रेक्षक तथा 14 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 1861 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 243 जोनल मजिस्ट्रेट, 130 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 2550 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए 7258 भारी वाहन, 5346 हल्के वाहन तथा 1 लाख 8 हजार 349 मतदान कार्मिक लगाए गए हैं। चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु पर्याप्त मात्रा में अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी अर्द्धसैनिक बलों को दी गई है। अर्द्धसैनिक बलों/पुलिस बलों के व्यवस्थापन के लिए आकस्मिकता की स्थिति में मेडिकल सहायतार्थ एयर एंबुलेंस एवं हेलीकाप्टर की व्यवस्था भी की गई है। हेलीकाप्टर की लोकेशन 31 मई व 1 जून को गोरखपुर में तथा एयर एंबुलेंस की लोकेशन 1 जून को वाराणसी में रहेगी।

मवाना सुभाष बाजार में 74 साल पुरानी सड़क खोद डाली

मवाना, 31 मई (देशबन्धु)। मवाना नगर में सुभाष बाजार अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है, जैसे मेरठ का बेगम पुल। मवाना क्षेत्र में आर्थिक दृष्टि से सुभाष बाजार रीढ़ ही हड्डी है। उसकी सड़क को खोदकर जल निगम ने व्यापारियों को गहरा नुकसान पहुंचाया है। सुभाष बाजार का व्यापारी दो दिन से हाथ पे हाथ धरे बैठा हैं। दो दिन से बाजार में ग्राहक भी नहीं पहुंच पा रहे हैं। इतना ही नहीं, जल निगम विभाग ने पेयजल के लिए पाइप लाइन बिछाने के लिए मवाना शहर की मुख्य और गलियों की सड़कों को खोदकर डाल दिया हैं।

दो स्थानों पर पाइप लाइन तोड़ी, पालिका ने ठीक कराई

अमृत 2.0 (अटल मिशन फॉर रिजूवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन) योजना के तहत शहरी क्षेत्र के हर घर को नल यानी पानी कनेक्शन देने की तैयारियां हैं। इस योजना के तहत मवाना नगर को पांच जोन में बांटा गया है। पहले जोन में ढिकौली कालोनी के प्राइमरी स्कूल में दो हजार किलोलीटर क्षमता का ओवरहेड टैंक व टयूबवेल, जोन दो में मवाना नगर में ढिकौली गेट के पास नगर पालिका की भूमि पर ओवरहेड टैंक व टयूबवेल, जोन तीन में नगर पालिका आवास परिसर में बनी पुराने ओवरहेड टैंक की मरम्मत व अन्य कार्य होने हैं। गाजियाबाद उत्तर प्रदेश जल निगम के अफसरों के अनुसार इसी योजना में पांचों ओवरहेड टैंकों को भरपूर मात्रा में पानी की उपलब्धता कराने को 15 नये नलकूप बनाये जा रहे हैं। नगर में 138 किमी. नई पाइप लाइन बिछेगी, जिसमें से 16 हजार नये कनेक्शन दिए जाएंगे। सुभाष बाजार में सर्राफ, कपड़ा, बर्तन, किराना, रेडीमेड गार्मेंट, साड़ियों का बाजार है। यह बाजार मवाना नगर की आर्थिक दृष्टि से रीढ़ की हड्डी है। इस बाजार के व्यापारियों ने बताया कि सुभाष बाजार की सड़क सबसे पुरानी है। इसे मवाना नगर के प्रथम चेयरमैन बने शील चंद जैन ने बनवाई थी। शील चंद जैन वर्ष 1947 से 1952 तक नगर पालिका के पहले चेयरमैन रहे थे। करीब 74 साल पुरानी सड़क अभी भी टूटी नहीं थी। सभी यातायात पूरी तरह से गुजर रहा था। जल निगम ने 74 साल पुरानी सड़क को बीचोबीच से खोद डाला। इस कारण सुभाष बाजार से पैदल गुजरना भी मुश्किल हो गया। व्यापारियों के अनुसार गुरुवार देर शाम चौड़ा कुआं और चौराहे पर पाइप लाइन को उखाड़ डाला। दोनों ओर पाइप लाइन फटने से बाजार में पानी-पानी हो गया। व्यापारी चर्चा करने लगे कि दुकानें खोलने तैरकर जाना पड़ेगा। दो दिन से बाजार में ग्राहक नहीं आ रहा है। खोदी गई सड़क से बाजार में धूल उड़ रही है। व्यापारी कहते है कि भीषण गर्मी के चलते सुबह और शाम को ग्राहक आ जाते थे लेकिन बाजार के बीचोबीच सड़क खुद जाने के कारण ग्राहक दूर तक दिखाई नहीं देते।

जल निगम से नहीं मिला जवाब

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी राजीव जैन ने 16 मई 2024 को जल निगम के अधिशासी अभियंता को पत्र लिखकर टूटी सड़कों को ठीक नहीं करने पर नाराजगी जताई थी लेकिन जल निगम की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। गुरुवार 30 मई को नगर पालिका की ओर से दोबारा पत्र लिखा गया है। जल निगम के द्वारा नगर पालिका क्षेत्र में बड़ी से बड़ी सड़क और छोटी से छोटी गली को खोद डाला गया। नगारिक कई बार टूटी सड़कों को ठीक कराने की मांग उठा चुके है।

सार संक्षेप

महिला से घर में घुसकर मारपीट का प्रयास

मवाना। कोतवाली थाना क्षेत्र के मौहल्ला काबली गेट में गुरूवार देर रात दबंगों ने एक घर में घुसकर महिला से अभद्रता करते हुए मारपीट का प्रयास किया। विरोध करने पर घर में सामान तोड़फोड़ दिया गया। अन्य परिजनों से भी मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। पीडित महिला ने सात लोगों को नामजद कर थाने पर तहरीर दी।

अंहिसा, सत्य, अचौर्य, ब्रहमचर्य व अपरिग्रह का पाठ पढ़ाया

मवाना/हस्तिनापुर। जैन धर्म नगरी स्थित श्री दिगम्बर जैन प्राचीन बड़ा मंदिर के भव्य त्रिमूर्ति जिनालय में विराजमान भगवान शांतिनाथ प्रतिमा के समक्ष चल रहे 40 दिवसीय शांतिनाथ विधान के 17वें दिन विभिन्न प्रांतो से आये 85 परिवारों ने विधान पाठ में हिस्सा ले पुण्य का सचंय किया। तदोपरांत प्रमोद जैन नमन जैन, रोनित जैन, शौर्य जैन, अर्हम जैन, चितांश जैन, रिया जैन, प्रबोध जैन, नेहा जैन, कामिनी जैन, ने भगवतों की शांतिधारा कर धर्मलाभ अर्जित किया। विधान की समस्त क्रियाऐं पं0 आशीष शास्त्री व आयूष जैन शास्त्री ने सम्पन्न कराई।

देर रात्रि 128 बिजलघरों का औचक निरीक्षण

मेरठ। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि0 की प्रबन्ध निदेशक ईशा दुहन द्वारा बताया गया कि इस भीषण गर्मी में उपभोक्तओं को सुचारू रूप से निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए डिस्काम कटिबद्ध है। भीषण गर्मी मे उपभोक्ताों को सुचारू रूप से निर्बाध विद्युत आपूर्ति देने के लिए डिस्काम द्वारा निरन्तर विद्युत आपूर्ति के प्रयास किये जा रहे हैं। अधिकारियों द्वारा रात्रि के समय पीक आवर्स मे युद्ध स्तर पर औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं। डिस्काम के सभी 14 जनपदों में अधिकारी अपने तैनाती स्थल पर रहकर, भीषण गर्मी के कारण उत्पन्न हुई स्थिति से निपटने के लिए, मुस्तैदी से कार्य कर रहे हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि विद्युत व्यवधान होने पर, त्वरित गति से विद्युत व्यवधान अटेण्ड कर विद्युत आपूर्ति बहाल करना सुनिश्ति करें। डिस्काम के अर्न्तगत दिनांक 30.05.2024 को देर रात्रि 113 अधिकारियों द्वारा समस्त 14 जनपदों मे 128 बिजलघरों का औचक निरीक्षण किया गया।

कृषक इण्टर कालिज में किया जाएगा ऐतिहासिक संग्राहलय का निर्माण

मवाना। नगर स्थित कृषक इण्टर कालिज प्रधानाचार्य देवेन्द्र कुमार ने बताया कि क्षेत्र की इस अमूल्य धरोहर के गौरवशाली इतिहास को संरक्षित करते हुए विद्यालय परिसर मेंसंग्राहलय का निर्माण किया जाएगा। जिसमें विद्यालय की स्थापना से वर्तमान तक क्षेत्रीय प्रबुद्धजनों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हुए राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले विद्यालय के पुरातन छात्रों की गौरवशाली उपलब्धियों को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

आईओटी टेक्नोलॉजी पर दस दिवसीय कार्यशाला

मेरठ, 31 मई (देशबन्धु)। शोभित विश्वविद्यालय में कंप्यूटर क्लब एवं. स्कूल ऑफ कंप्यूटेशनल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग द्वारा संयुक्त रूप से इंटरनेट ऑफ थिंग्स टेक्नोलॉजी पर दस दिवसीय कार्यशाला का आरंभ हुआ। इस कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक स्कूल ऑफकंप्यूटेशनल साइंस एंड इंजीनियरिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर राजेश पांडे है। इस कार्यशाला का आयोजन शोभित विश्वविद्यालय में मुख्य रूप से स्थापित आईओटी लैब में ही करवाया जा रहा है। कार्यशाला का आरंभ शोभित वि विश्वविद्यालय के कुल अधिपति डॉ विनोद कुमार त्यागी के आशीर्वचनों के साथ हुआ। स्कूल ऑफ कंप्यूटेशनल साइंस एंड इंजीनियरिंग के डायरेक्टर डॉ निधि त्यागी ने. विद्यार्थियों को इस कार्यशाला में खूब मन लगाकर सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यशाला के प्रशिक्षक मिस्टर राजेश पांडे ने यह बताया कि इस कार्यशाला में रास्पबेरी पाई बी प्लस मॉडल पर विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों को आई.ओ.टी टेक्नोलॉजी की मदद से स्मार्ट डिवाइसेज. के रूप में अच्छे प्रोजेक्ट बनाने के लिए सशक्त करेगा । कार्यशाला के प्रथम दिन. आई.ओ.टी टेक्नोलॉजी के बारे में सामान्य

चीज बताई गई, इस के साथ ही दस दिन तक जिन विषयों और परीक्षणों को कराया जाएगा उसके बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों. को ट्रेनिंग किट और सभी सेंसर जिनका इस्तेमाल किया जाएगा से रूबरू कराया गया। विद्यार्थी आई.ओ.टी किट और सेंसोरो के साथ काम करके काफी उत्साहित नजर आ रहे थे ।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जागरूकता रैली निकाली

मेरठ, 31 मई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित वैंकटेश्वरा संस्थान एवं विम्स मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर धूम्रपान एवं तम्बाकू सेवन के दुष्परिणामो एवं पूरे विश्व में इसके बढ़ते दुष्प्रभाव के विरुद्ध आज जन-मानस विशेष रुप से युवाओ को इससे बचाने को लेकर राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया, जिसमे देश के सुप्रसिद्ध एक दर्जन से अधिक चिकित्सको ने इसके दुष्परिणामो के बारे में विस्तार से समझाते हुए इन जानलेवा उत्पादो से बचने की सलाह दी । इसके अलावा धूम्रपान निषेध को लेकर एवं पूरे राष्ट्र में इसे पूर्ण रुप से प्रतिबंधित करने के लिए संस्थान परिसर में जागरुकता रैली का आयोजन भी किया गया ।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार व जागरूकता रैली का शुभारम्भ वैंकटेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि, आई.ए.एस. राजेश त्यागी, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, ए.डी.एम. सुरेन्द्र सिंह, एडिशनल एस.पी. राजीव सिंह, डा. बी.एन.सिंह, डा. महेंद्र सिंह, डा. हबीब उर रहमान आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।

इस अवसर पर कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉ. हबीब उर रहमान, कार्यक्रम संयोजक, डॉ. बी एन सिंह विभागाध्यक्ष, डॉ. महेंद्र सिंह सहायक मुख्य प्रवक्ता, डॉ. अलंकृता जैन, डॉ. रूपायन, डॉ कोमल सैनी, नवनीत कुमार,

विकास कुमार, मनीष कुमार, गजेंद्र सिंह, परवेन्द्र कुमार भारतीय, राहुल अग्निहोत्री, अरविंद कुमार, सुदेश चौधरी, अनिकेत पंत, हम्माद अली अहमद, मिशाल अहमद, फरदीन आफ्ताब, फरजाना बानो, सामिया फरहीन, मेघना पवार, शगुफ्ता खान मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

किठौर में तालाब की जांच करने पहुंचे एसडीम मवाना

किठौर, 31 मई (देशबन्धु)। कस्बे में एक जमीनी व तालाब का विवाद चरम पर चल रहा है इसकी गूंज मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच चुकी है और जिलाधिकारी को भी दोनों पक्ष एक दूसरे पर आरोप लगाकर प्रार्थना पत्र दे चुके हैं आज इस मामले में जांच करने के लिए

एसडीएम मवाना पहुंचे और जांच पड़ताल की बताते चलें कस्बे में मेरठ गढ़ रोड स्थित मुसीया तालाब है इसके मामले को लेकर दो पक्ष एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं जिसमें दोनों पक्षों का कहना है कि तालाब की जमीन को उनके द्वारा कब्जा किया जा रहा है इस मामले की जांच पड़ताल करने आज एसडीएम मवाना पहुंचे और जांच पड़ताल की इस संबंध में एसडीएम मवाना अंकित कुमार का कहना है कि तालाब की विधिवत जांच पड़ताल की जा रही है वही ड्रोन कैमरे से भी जांच की जाएगी कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सुभारती में हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

मेरठ, 31 मई (देशबन्धु)। हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर सुभारती पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में बोलते हुए सुप्रसिद्ध प्रोफेसर एवं पत्रकार डॉ. बलदेव राज गुप्ता ने कहा कि देश को आजाद कराने में हिन्दी पत्रकारिता का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि आज से 198 वर्ष पूर्व कलकत्ता से पंडित जुगल किशोर शुक्ल द्वारा इतिहास रचा गया, जब उन्होंने हिन्दी का साप्ताहिक अखबार 'उदन्त मार्तण्ड' को कलकत्ता जैसे शहर से शुरू किया था। यह उनका एक सामाजिक समर्पण था क्योंकि उस समय वे कंपनी शासन के अत्याचारों के खिलाफ अपनी आवाज को हिन्दी अखबार के माध्यम से बुलंद किया। उस समय अखबार का उद्देश्य सामाजिक मुद्दों को लेकर आगे बढ़ना था। अखबार एक मिशन का था ना कि प्रोफेशन। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संस्कृति विभाग के कुलदीप नारायण समेत प्रो. अशोक त्यागी, डॉ. मनोज त्रिपाठी, डॉ. नेहा वर्मा, डॉ. सीमा शर्मा, डॉ. प्रीति सिंह, डॉ. शोभा रतूड़ी, डॉ. मानस कांडी, डॉ. अमित कुमार, डॉ. अमृता चौधरी, डॉ. अर्चना पंवार, राम प्रकाश तिवारी, मधुर शर्मा, शैली शर्मा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन बीएजेएमसी के छात्र नितेश तिवारी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रीति सिंह ने किया।

टॉपर बच्चों के लिए सम्मान समारोह आयोजित

किठौर, 31 मई (देशबन्धु)। कस्बे के श्यामपुर रोड स्थित स्टार अलफलाह इंटर कॉलेज में 2024 में पास आउट हुए हाई स्कूल व इंटरमीडिएट के छात्रों का सम्मान एक समारोह के अंतर्गत किया गया इस समारोह का संचालन कॉलेज के डायरेक्टर डॉक्टर नुसरत अली ने किया जिसमें एसडीएम मवाना वह जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी ने बच्चों को ट्रॉफी व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया स्टार अल्फलाह इंटर कॉलेज के छात्रों के सम्मान समारोह में पहुंचे उप जिलाधिकारी मवाना अंकित कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जिन छात्रों ने हाई स्कूल की परीक्षा पास की है उनको अभी से अपना मन बना लेना है कि भविष्य में उनको किस क्षेत्र में जाना है वही इंटरमीडिएट के पास आउट छात्रों को विशेष जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कठिन परिश्रम से ही आगे का रास्ता तय हो सकता है छात्रों को रेगुलर पढ़ाई करनी है तभी वह अपनी तैय कि हुई सीमा तक पहुंच

सकते हैं उन्होंने आगे कहा कि हर छात्र का भविष्य उसके अपने हाथ में है जिसको जिस फील्ड में जाना है वह उसी का टारगेट रख कर पढ़ाई करें उन्होंने हाई स्कूल परीक्षा में टॉपर छात्रों तुबा, माहिरा चौधरी, तराब शादाब वह इंटरमीडिएट के आयशा, शान मोहम्मद, रिफा आदि को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया वही जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी ने भी छात्रों को संबोधित किया और छात्रों को सम्मानित किया इस अवसर पर क्षेत्र के सम्मानित लोग पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोज अधाना, शराफत चौधरी, अमजद अली, रियासत मलिक, मोइनुद्दीन सैफी, मास्टर जफर वह स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

योग विज्ञान संस्थान के संस्थापक का जन्मदिन मनाया

मेरठ, 31 मई (देशबन्धु)। शुक्रवार को गंगा नगर ए ब्लॉक के गंगा नगर टंकी वाले पार्क में प्रतिदिन लगने वाली योगशाला में योग विज्ञान संस्थान के संस्थापक ऋषि राम शर्मा के जन्म दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी योग साधकों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर जन्म दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि योग विज्ञान की उत्तरी जिले मेरठ की सांस्कृतिक संयोजन एवं महिला संगठन मंत्री प्रमुख गीता जी रहीं। उन्होंने ऋषि राम का संदेश देते हुए कहा विचार ही जीवन है, इसलिए हमें अच्छे विचारों के आधार पर अपने जीवन को जीना चाहिए। स्वास्थ्य मनुष्य की सबसे बड़ी धरोहर

है। उसी से चरित्र बनता है। इसलिए निरंतर योग आवश्यक है। इस अवसर पर योग साधकों ने ऋषि राम के विचार सबके समक्ष प्रस्तुत किए। और महत्वपूर्ण योग क्रिया कर उन्हे श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में योग शिक्षक रचना मित्तल, सुलेखा श्रीवास्तव एवं अनेक योग साधक उपस्थित रहे।

बैठक *नई दिल्ली में डिजिटल कृषि पर राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन*

नवगठित इंडिया डिजिटल एग्रीकल्चर काउंसिल के अध्यक्ष बने प्रो. एम. मोनी

मेरठ, 31 मई (देशबन्धु)। शोभित विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमेरिटस प्रो. एम. मोनी, पूर्व महानिदेशक, नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर, भारत सरकार को नवगठित इंडिया डिजिटल एग्रीकल्चर काउंसिल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस काउंसिल का उद्घाटन समारोह 29 मई 2024 को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में भारतीय खाद्य एवं कृषि परिषद के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इससे पहले, भारतीय खाद्य एवं कृषि परिषद ने नई दिल्ली में डिजिटल कृषि पर राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया।

■ शोभित विवि के कुलाधिपति ने नियुक्ति पर बधाई दी

■ दृष्टिकोण, मिशन व एजेंडा के अनुरूप कार्य करेगा काउंसिलः शेखर

इंडिया डिजिटल एग्रीकल्चर काउंसिल का दृष्टिकोण भारत के कृषि क्षेत्र के लिए एक गतिशील और परिवर्तनकारी भविष्य की कल्पना करता है। इसके उद्देश्यों में सहयोगी साझेदारियों को सुविधाजनक बनाना, किसानों को डिजिटल साक्षरता के माध्यम से सशक्त बनाना, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने को प्रोत्साहित करना, डिजिटल एकीकरण के लिए रणनीतियाँ विकसित करना और समावेशी नीति ढांचे की वकालत करना शामिल है।

शोभित विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कुंवर शेखर विजेंद्र ने प्रो. मोनी को उनकी

नियुक्ति पर बधाई दी है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रो. मोनी के सक्षम नेतृत्व में, इंडिया डिजिटल एग्रीकल्चर काउंसिल अपने उद्देश्यों, दृष्टिकोण, मिशन और एजेंडा के अनुरूप उत्कृष्ट कार्य करेगा। शोभित विश्वविद्यालय, मेरठ के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) विनोद कुमार त्यागी के साथ- साथ उद्यमियों, शैक्षणिक संस्थानों और गैर-सरकारी संगठनों ने प्रो. मोनी को देश में डिजिटल कृषि और स्मार्ट जनजातीय खेती के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान पर बधाई दी। प्रो. एम. मोनी डिजिटल कृषि के क्षेत्र में एक विशिष्ट व्यक्ति हैं, जो अपने व्यापक योगदान और नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं। नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर के पूर्व महानिदेशक और शोभित विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमेरिटस के रूप में, उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल पहलों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इंडिया डिजिटल एग्रीकल्चर काउंसिल के अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति एक तकनीकी रूप से सशक्त कृषि क्षेत्र के लिए उनकी प्रतिबद्धता और दृष्टिकोण का प्रमाण है।

इंडिया डिजिटल एग्रीकल्चर काउंसिल का उद्घाटन भारत के कृषि विकास में एक नया अध्याय है, जो खेती के भविष्य को आकार देने में डिजिटल प्रौद्योगिकियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है। प्रो. मोनी के नेतृत्व में, यह काउंसिल महत्वपूर्ण प्रगति को प्रेरित करने और भारत में एक अधिक टिकाऊ, समावेशी और समृद्ध कृषि परिदृश्य को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।

देशबन्धु नई दिल्ली, शनिवार, 1 जून, 2024, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

लोकसभा आम चुनाव-2024 की मतगणना के महज तीन-चार दिन शेष

भाजपा की हैट्रिक पर टिकी सभी की निगाहें

जयपुर, 31 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव-2024 की मतगणना के महज तीन-चार दिन शेष हैं और इस बार सभी की निगाहे सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हैट्रिक पर लगी हुई हैं।

राजस्थान में 18वीं लोकसभा चुनाव के लिए मतदान गत 19 एवं 26 अप्रैल को दो चरणों में संपन्न हुए और अब इनकी मतगणना चार जून को होनी हैं। जिस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं और खासकर पिछले दो लोकसभा चुनावों में प्रदेश की सभी 25 सीटें जीतने वाली भाजपा के इस बार हैट्रिक लगा पाएगी या नहीं, इस पर भी लोगों की नजरे टिकी हुई। हालांकि भाजपा और उसके नेताओं द्वारा मोदी की गारंटी के बल पर शुरु से ही इस बार भी प्रदेश में भाजपा के सभी सीटें जीतने का दावा किया जा रहा हैं। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सहित पार्टी के कई नेताओं का कहना है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की पिछले दस साल की उपलब्धियों एवं मोदी की गारंटी के कारण पार्टी इस बार भी सभी पच्चीस सीटें जीतने में कामयाब रहेगी।

प्रदेश में कांग्रेस लोकसभा के पहले चुनाव वर्ष 1952 से लेकर 1971 तक पांच चुनावों में लगातार ज्यादा सीटें जीत कर अपना राजनीतिक दबदबा कायम किया लेकिन जून 1975 में देश में लगे आपातकाल के बाद हुए वर्ष 1977 की छठी लोकसभा के चुनाव में प्रदेश में जनता कांग्रेस को पसंद नहीं किया और

उसे बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा और केवल नागौर से उसके वरिष्ठ नेता नाथूराम मिर्धा ही चुनाव जीत सके। इस चुनाव में जनता पार्टी को जबरदस्त लोगों का समर्थन मिला और उसने प्रदेश की 25 में से 24 सीटें जीतकर प्रदेश में अपना परचम पहराया।

पांचवें चुनाव तक कांग्रेस के सामने नहीं टिक पाई कोई राजनीतिक पार्टी

पहले लोकसभा से पांचवें चुनाव तक कांग्रेस के सामने कोई राजनीतिक पार्टी नहीं टिक पाई लेकिन पहले चुनाव में छह निर्दलीयों के साथ तीन आरआरपी एवं केएलपी के एक उम्मीदवार ने भी जीत दर्ज की। इसी तरह वर्ष 1967 में स्वतंत्र पार्टी ने आठ सीटें जीती जबकि जनसंघ ने तीन सीटों पर कब्जा जमाया। इसी तरह वर्ष 1971 एवं 1980 में भी जनसंघ चार-चार सीटें जीती। कांग्रेस ने वर्ष 1977 के चुनाव में मात खाने के बाद वर्ष 1980 में हुए सातवें लोकसभा चुनाव में फिर वापसी करते हुए सर्वाधिक 18 सीटें जीतकर फिर अपना राजनीतिक दबदबा कायम किया और इसके अगले ही वर्ष 1984 में आठवें लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद जनता में उपजी सहानुभूति लहर का पूरा फायदा मिला और वह पहली बार प्रदेश की सभी सीटें जीतने में कामयाब रही। हालांकि वह इसके अगले ही चुनाव वर्ष 1989 में हुए नौवें लोकसभा चुनाव में भाजपा एवं जनता दल के गठबंधन के आगे बुरी तरह मात खाई और उसे सभी सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। इसमें भाजपा ने 13 एवं जनता दल ने 11 सीटें जीती जबकि एक सीट मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार ने जीती।

इसके बाद वर्ष 1991 के दसवीं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 13 सीटें जीतकर कांग्रेस ने फिर अपनी साख कायम करने में सफल रही जबकि भाजपा ने 12 सीटें जीतकर अपनी मौजूदगी बरकरार रखी। वर्ष 1996 के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टियों ने 12-12 सीटें जीतकर बराबर पर रही जबकि एक सीट एआईआईसी (टी) ने जीती। इसके बाद वर्ष 1998 में हुए चुनाव में कांग्रेस ने फिर दम दिखाते हुए 18 सीटें जीती जबकि भाजपा को केवल पांच सीटें जीतकर ही संतोष करना पड़ा। वर्ष 1999 में हुए 13वीं लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सर्वाधिक 16 सीटें जीती जबकि कांग्रेस ने नौ सीटें जीती। इसके बाद वर्ष 2004 के 14वीं लोकसभा के चुनाव में भाजपा ने फिर बाजी मारते हुए 21 सीटें जीती जबकि कांग्रेस को केवल चार सीटों पर संतोष करना पड़ा।

वर्ष 2009 में कांग्रेस ने 20 सीटें जीतकर फिर अपना दबदबा कायम किया जबकि भाजपा ने चार एवं एक निर्दलीय ने जीत दर्ज की। इसके बाद वर्ष 2014 एवं 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने लगातार दो बार सभी सीटें जीतकर अपना जोरदार राजनीतिक दबदबा कायम किया और इस बार वह हैट्रिक पर हैं।

परिणाम चौकाने वाले आने का दावा कर रही कांग्रेस

उधर कांग्रेस एवं उसके नेता इस बार परिणाम चौंकाने वाले आने का दावा कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई नेता इस बार मोदी लहर का असर नहीं होने का दावा कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इस बार भाजपा को कड़ी टक्कर दी जा रही है और कांग्रेस आधे से भी ज्यादा सीटें जीतने जा रही है। राजस्थान में हुए पिछले सत्रह लोकसभा चुनावों में सर्वाधिक दस बार अधिक सीटें जीतकर कांग्रेस ने अपना राजनीतिक दबदबा रखा लेकिन जबसे प्रतिद्वंद्वी के रुप में उसके सामने आई भाजपा ने गत नौ लोकसभा चुनावों में सबसे अधिक पांच बार ज्यादा सीटें जीतकर न केवल राजनीतिक दबदबा कायम किया बल्कि सोलहवीं और सत्रहवीं लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी पच्चीस सीटें जीतने के बाद वह इस बार हैट्रिक पर खड़ी है।

उप्र फिर तय करेगा देश की राजनीति की दिशा

लखनऊ, 31 मई (एजेंसियां)। कहावत है कि दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है और इस कहावत को उत्तर प्रदेश के बाशिंदे एक बार फिर चरितार्थ करेंगे जब चार जून को प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें के परिणाम सामने आएंगे जिससे पता चलेगा कि भाजपा के अबकी बार-400 पार का सपना साकार होता है या फिर विपक्षी दलों के इंडिया समूह को दिल्ली के सिंहासन पर राज करने का मौका मिलेगा।

राजग के 12 मौजूदा केंद्रीय मंत्रियों की किस्मत का फैसला जनता के हाथों में

इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 12 मौजूदा केंद्रीय मंत्रियों की किस्मत का फैसला भी उत्तर प्रदेश की जनता के हाथों होना तय हो चुका है।

मौजूदा लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए योगी आदित्यनाथ ने खूब पसीना बहाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत उत्तर प्रदेश से चुने गए केंद्र के 12 मंत्रियों को फिर से जिताने की अपील की तो अपने भी चार मंत्रियों का हाथ थामकर उनके 'दिल्ली' जाने का मार्ग भी सरल किया। इसके अलावा राज्यसभा सांसद, भाजपा व सहयोगी दलों के आठ विधायकों और तीन विधान परिषद सदस्यों के लिए भी योगी आदित्यनाथ ने रैली, रोड शो व जनसभा की।

इंडिया समूह के लिए प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कमान संभाली और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ मिलकर जम कर चुनाव प्रचार किया। लोकसभा चुनाव-2024 में इंसानी वजूद के लिए जरुरी गरीबी उन्मूलन, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, भूजल संरक्षण और वायु एवं जल प्रदूषण जैसे ज्वलंत मुद्दों पर कोई भी दल चर्चा को तैयार नहीं था लेकिन सभी ने धर्म और जातिगत राजनीति का सहारा लेते हुये संविधान में बदलाव की बात कर मतदाताओं को डराया और भ्रमित जरुर किया।

चुनाव के दौरान दलबदलू नेताओं का खासा प्रभाव

चुनाव के दौरान दलबदलू नेताओं का भी खासा प्रभाव देखने को मिला। हर चुनाव की तरह इस बार भी चुनाव से पहले दल बदलने की प्रक्रिया जोर शोर से चली। पिछले पांच साल एक दूसरे पर जमकर लांछन लगाने और कीचड़ उछालने वाले राजनीतिक दल और नेता मौके की नजाकत को भांपते हुये विचारधारा और समाज की दुहाई देते हुए एक दूसरे के गले मिलते नजर आए।

भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाराणसी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लखनऊ लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है। भाजपा कार्यकर्ता और उत्तर प्रदेश के मुखिया के रूप में योगी आदित्यनाथ ने दोनों शीर्षस्थ नेताओं के लिए कई रैली, सम्मेलन व संवाद कार्यक्रम किया। इसके साथ ही अमेठी से स्मृति ईरानी, जालौन से भानु प्रताप सिंह वर्मा, आगरा से प्रो. एसपी सिंह बघेल, वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी को महराजगंज, चंदौली से डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, मीरजापुर से अनुप्रिया पटेल, मुजफ्फरनगर से संजीव बालियान, लखीमपुर खीरी से अजय मिश्र टेनी, मोहनलाल गंज से कौशल किशोर और फतेहपुर से साध्वी निरंजन ज्योति फिर से जनता के बीच उतरीं। राजग से उत्तर प्रदेश के आठ विधायक चुनावी समर में उतरे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन सभी के लिए खूब रैली की। योगी सरकार के मंत्री व मैनपुरी से विधायक जयवीर सिंह को मैनपुरी लोकसभा से टिकट दिया गया, वहीं खैर से विधायक व मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि को हाथरस लोकसभा सीट से मैदान में उतारा गया है। फूलपुर से विधायक प्रवीण पटेल को फूलपुर लोकसभा, गाजियाबाद से विधायक अतुल गर्ग को गाजियाबाद लोकसभा, निषाद पार्टी के मझवां से विधायक विनोद कुमार बिंद को भदोही लोकसभा, नहटौर से विधायक ओम कुमार को नगीना लोकसभा, मीरापुर से विधायक चंदन चौहान (रालोद) को बिजनौर लोकसभा और छानबे से विधायक रिंकी कोल (अपना दल एस) को राबर्टसगंज लोकसभा सीट से राजग का प्रत्याशी बनाया गया है। इन सभी के लिए योगी आदित्यनाथ ने कई बार रैली व जनसभा कर इनके दिल्ली जाने का मार्ग सरल किया है। योगी सरकार के चार मंत्री भी लोकसभा चुनाव में मैदान में उतरे। इनमें से जितिन प्रसाद को पीलीभीत, जयवीर सिंह को मैनपुरी, अनूप प्रधान को हाथरस और दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली से मैदान में उतारा गया। इसमें से जयवीर सिंह व अनूप प्रधान विधानसभा सदस्य हैं, जबकि दिनेश प्रताप सिंह और जितिन प्रसाद विधान परिषद सदस्य हैं। इन दोनों के अलावा भारतीय जनता पार्टी ने सदस्य विधान परिषद साकेत मिश्र को श्रावस्ती लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। वहीं राज्यसभा सांसद नीरज शेखर को इस बार भाजपा ने बलिया सीट से प्रत्याशी घोषित किया था। सातवें चरण में बलिया में वोटिंग होगी। यूपी के मुखिया के रूप में योगी आदित्यनाथ ने इन सभी का बखूबी साथ निभाते हुए प्रचार किया।

लोकसभा चुनाव प्रचार में हावी रहे मंगलसूत्र, संविधान और आरक्षण के मुद्दे

लखनऊ, 31 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार खत्म हो चुका है। अब सातवें और आखिरी चरण में 1 जून को मतदान है। इसके बाद 4 जून को नतीजों की घोषणा की जाएगी। इस बार सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक-दूसरे को घेरने के लिए नए-नए चुनावी मुद्दों को लाने का प्रयास किया। चुनावी मंचों में मंगलसूत्र, संविधान, आरक्षण, राम मंदिर, पाकिस्तान जैसे मुद्दे खूब हावी रहे। सात चरणों वाले लंबे-चौड़े

चुनावी प्रचार में सभी दलों के दिग्गजों ने यूपी में खूब जोर लगाया। यहां पर सबसे ज्यादा 80 सीटें हैं।

राजनीतिक जानकार बताते हैं कि राम मंदिर के उद्घाटन के साथ ही भाजपा ने अपने चुनावी प्रचार को धार देना शुरू कर दिया था। भाजपा ने उद्घाटन कार्यक्रम में विपक्ष के नहीं शामिल होने को मुद्दा बनाया। इस मुद्दे पर विपक्ष के कई बड़े नेता अपनी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। इस बात को भी रैलियों में खूब उठाया गया। भाजपा की तरफ से चुनाव अभियान में 'मोदी की गारंटी' को प्रमुखता से उठाया गया। इसी कारण यह घोषणा पत्र का हिस्सा भी बना। इसके अलावा 'अबकी बार, 400 पार' का नारा भी भाजपा की रैलियों में खूब गूंजा। भाजपा की ओर से पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, सीएम योगी आदित्यनाथ ने इन मुद्दों को मंचों से खूब उठाया। भाजपा ने कांग्रेस के घोषणापत्र की तुलना मुस्लिम लीग से कर दी। इसके बाद सैम पित्रोदा के विरासत टैक्स के बयान भी खूब उठाए गए। भाजपा नेताओं ने मंगलसूत्र, राम मंदिर, पाकिस्तान जैसे मुद्दों से विपक्ष को घेरने की कोशिश की।

राहुल गांधी अपने भाषण में बेरोजगारी, संविधान बदलने, 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने पर गरीबों के खाते में 'खटाखट-खटाखट' पैसे भेजने जैसे मुद्दों को खूब उठाया। कांग्रेस की तरफ से प्रियंका गांधी वाड्रा ने बेरोजगारी और उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने जैसे बयान पर ज्यादा जोर दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संविधान बदलने और 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने में 30 लाख रोजगार पर जोर दिया। 'खटाखट-खटाखट' जैसे चर्चित शब्द को हर किसी ने तुरंत पसंद कर लिया। विपक्ष के कई और लोगों ने भी भाजपा पर वार करने के लिए इसका इस्तेमाल किया।

विपक्ष ने बेरोजगारी, महंगाई, अग्निवीर और संविधान बदलने वाले बयान पर ही ज्यादा फोकस रखा। सपा ने पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) की चुनावी बिसात पर उम्मीदवार उतारे। इसके साथ ही संविधान के खतरे, बेरोजगारी, अग्निवीर, इलेक्टोरल बांड, महंगाई, भ्रष्टाचार, वैक्सीन जैसे मुद्दे उठाकर भाजपा को घेरने की कोशिश की। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा के '400 पार' वाले नारे पर हमला किया। उन्होंने भी संविधान बदलने, बेरोजगारी और महंगाई को लेकर सवाल पूछे। इसके साथ ही फ्री राशन को लेकर भी भाजपा सरकार पर निशाने साधे।

सातवें चरण में काशी की बारी, मतदान होगा आज

वाराणसी, 31 मई (एजेंसियां)। देश की सांस्कृतिक राजधानी के तौर पर विख्यात वाराणसी के लोग सातवें और अंतिम चरण के मतदान में लोकतंत्र के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे।

काशी के लिए शनिवार यानी एक जून का दिन निर्णायक होने वाला है। इस दिन लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें पड़ाव के अंतर्गत वाराणसी में मतदान होगा। इस मतदान पर न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हैं। वाराणसी का चुनाव यह तय करेगा कि क्या यहां से केवल एक सांसद चुनकर जाएगा या फिर तीसरी बार देश को काशी नेतृत्व की बागडोर देने जा रहा है।

यह चुनाव काशीवासियों के लिए उनके शहर के साथ ही देश की भी तस्वीर और तक़दीर बदलने में निर्णायक सिद्ध होगा। वाराणसी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान के मद्देनजर निर्वाचन आयोग ने सभी तैयारियों को पुख्ता कर ली हैं। वाराणसी लोक सभा क्षेत्र से कुल सात प्रत्याशी इस चुनाव प्रक्रिया के जरिए अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनके भाग्य का फैसला 19 लाख 97 हजार 577 मतदाता करेंगे, जिसमें नौ लाख 13 हजार 692 महिला वोटर्स शामिल हैं। आधी आबादी वाराणसी में निर्णायक भूमिका में है जो नारी सम्मान, स्वालम्बन से जुड़े मुद्दों को ध्यान में रखकर वोट करेंगी। वहीं, 18 से 19 वर्ष के 37,226 फर्स्ट टाइम वोटर भी इस चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगे। लोकतंत्र के महाकुंभ के अंतिम और सातवें चरण के चुनाव के लिए शनिवार को मतों की आहुतियां 660 मतदान केन्द्रों के 1909 मतदान स्थलों पर डाली जाएंगी।

पुराने कांग्रेसी नेताओं को खुद पार्टी ने चुनाव प्रचार में नहीं दिया महत्व

भोपाल, 31 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में लोकसभा के चुनाव के लिए चार चरणों में मतदान हो चुका है। वहीं देश में सातवें और अंतिम चरण का मतदान 1 जून को होने वाला है। इस बार के चुनाव में मध्य प्रदेश के दिग्गज कांग्रेसी नेताओं का पार्टी भी बेहतर उपयोग नहीं कर पाई। गिनती के नेता ही पूरे राज्य में प्रचार में सक्रिय देखे और कुछ ही नेता राज्य के बाहर नजर आए।

राज्य में लोकसभा की 29 सीटें हैं। इन सीटों पर पहले चार चरणों में मतदान हुआ। कांग्रेस के दिग्गज नेता, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह, इन चार चरणों में भी सीमित तौर पर सक्रिय रहे। छिंदवाड़ा से कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ चुनाव मैदान में थे और राजगढ़ से स्वयं दिग्विजय सिंह ताल ठोक रहे थे। दोनों इन सीटों पर अपनी-अपनी प्रतिष्ठा बचाने की चिंता में बाहर निकल ही नहीं सके।

छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र में पहले चरण में मतदान हुआ और उसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एक दो संसदीय क्षेत्र तक ही प्रचार करने पहुंचे। उन्होंने राज्य के बाहर भी पार्टी के लिए ज्यादा सक्रियता नहीं दिखाई। दिग्विजय सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र राजगढ़ में प्रचार किया और उसके अलावा आसपास के संसदीय क्षेत्र में उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभाएं और बैठकें कीं। उसके बाद राज्य के

बाहर कुछ संसदीय क्षेत्र में जाकर प्रचार भी किया। राज्य में चुनाव प्रचार में मुख्य तौर पर राज्यसभा सांसद विवेक तंखा, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव सक्रिय नजर आए। राज्य के बाहर भी कुछ नेताओं को प्रचार के लिए भेजा गया।

कांग्रेस के एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, राज्य के अधिकांश नेताओं की दिल्ली में पूछ-परख कम हो गई है। भले ही राष्ट्रीय स्तर पर राज्य के नेताओं की हनक रही हो, मगर अब स्थितियां बदल चुकी हैं। इन नेताओं का प्रभाव कम हुआ है और उम्मीदवार भी नहीं चाहते थे कि वे उनके इलाके में जाकर प्रचार करें। एक तरफ पार्टी आलाकमान ने इन नेताओं पर ज्यादा भरोसा नहीं दिखाया तो वही उम्मीदवार भी इन्हें बुलाने में ज्यादा रुचि नहीं ले रहे थे। इसी का नतीजा है कि वे राज्य के भले ही दिग्गज नेता हों, मगर उनकी देश में पहले जैसी पूछ नहीं रही।

चुनाव प्रचार के दौरान 'इंडिया' गठबंधन का सबसे बड़ा चेहरा बनकर उभरीं कल्पना सोरेन

रांची, 31 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के 31 जनवरी को जेल जाने के बाद सक्रिय राजनीति में कदम रखने वाली उनकी पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा में फिलहाल किसी ओहदे पर नहीं हैं, लेकिन इसके बावजूद लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान वह न सिर्फ अपनी पार्टी, बल्कि 'इंडिया' गठबंधन की ओर से राज्य में सबसे बड़ी स्टार प्रचारक के रूप में उभरकर सामने आईं।

■ चुनाव प्रचार अभियान के दौरान 353 छोटी-बड़ी सभाएं कीं

कल्पना सोरेन के मीडिया एडवाइजर और झामुमो के प्रवक्ता डॉ. तनुज खत्री के मुताबिक, चुनाव प्रचार अभियान के दौरान उन्होंने 353 छोटी-बड़ी सभाएं कीं। राज्य के लोकसभा क्षेत्रों में उन्होंने कुल 51 बड़ी रैलियों में भाग लिया। इसके अलावा दिल्ली और मुंबई में 'इंडिया' गठबंधन की ओर से आयोजित साझा रैलियों में झारखंड मुक्ति मोर्चा का प्रतिनिधित्व किया।

रांची में 21 अप्रैल को 'इंडिया' गठबंधन की ओर से साझा तौर पर बड़ी रैली हुई और इसके बाद वह राज्य में गठबंधन का सबसे बड़ा चेहरा बन गईं।

कल्पना सोरेन गिरिडीह जिले के गांडेय विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में प्रत्याशी रहीं और इस दौरान उन्होंने अपने क्षेत्र में छोटी-बड़ी 300 सभाएं और बैठकें कीं।

कल्पना सोरेन की राजनीति में औपचारिक तौर पर एंट्री चार मार्च को गिरिडीह में झारखंड मुक्ति मोर्चा के स्थापना दिवस पर आयोजित रैली के साथ हुई। इसके 12 दिनों के बाद जब लोकसभा चुनाव और झारखंड में गिरिडीह जिले की गांडेय विधानसभा सीट पर उपचुनाव का ऐलान हुआ, तो उन्होंने पार्टी और गठबंधन की ओर से प्रचार अभियान का मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने राज्य के सभी 14 लोकसभा क्षेत्रों में गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभाएं कीं और एक तरह से ढाई महीने के भीतर राज्य का चप्पा-चप्पा छान डाला। पार्टी की ओर से उन्हें हेलीकॉप्टर मुहैया कराया गया, जिससे वह एक दिन में तीन-चार रैलियों में शामिल होती रहीं।

झामुमो के प्रवक्ता डॉ तनुज खत्री ने कहा कि कल्पना जी को चुनावी रैलियों, जनसभाओं और जनसंपर्क के दौरान हर तबके के लोगों का जिस तरह का समर्थन मिला, वह अकल्पनीय है। उनकी हर सभा में भीड़ मंच तक पहुंचती रही। उन्हें सुनने के लिए लोग घंटों इंतज़ार करते रहे। महिलाओं और युवाओं से उन्होंने हर सभा में सीधा संवाद किया और हमें उम्मीद है कि उनकी अथक मेहनत का नतीजा 4 जून को चुनावी नतीजों में दिखेगा।

कल्पना सोरेन ने चुनावी जनसभाओं में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इसके अलावा उन्होंने आदिवासियों, महिलाओं, युवाओं के लिए सरकार के कामकाज का ब्योरा अपने अंदाज में पेश किया। उन्होंने अपने भाषणों में केंद्र की सरकार और भाजपा को भी निशाना बनाया।

बंगाल में अंतिम चरण में मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस व भाजपा के बीच

■ 30 सीटों पर जीत का लक्ष्य रखने वाली भाजपा के लिए आखिरी चरण का चुनाव सबसे अहम

कोलकाता, 31 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में नौ संसदीय सीटों के लिए शनिवार को होने वाले सातवें और अंतिम चरण के चुनाव के लिए तैयारियां पूरी कर ली गयी है। इससे पहले राज्य में चुनाव प्रचार का कोलाहल गुरुवार शाम छह बजे समाप्त हो गया।

अंतिम चरण की सीटों में डायमंड हार्बर, दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण और कोलकाता उत्तर शामिल हैं। दक्षिणी एवं उत्तरी 24-परगना और कोलकाता के दो जिलों में फैले नौ संसदीय क्षेत्रों में 80,20,326 महिलाओं समेत कुल 1,63,40,365 मतदाता हैं। ये मतदाता 17,470 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार के जरिए 72 उम्मीदवारों में से अपने प्रतिनिधि चुनेंगे। नौ संसदीय सीटों के साथ ही बारानगर विधानसभा उपचुनाव के लिए भी इसी दिन मतदान होगा।

निर्वाचन अधिकारियों के मुताबिक मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा और शाम सात बजे तक चलेगा।

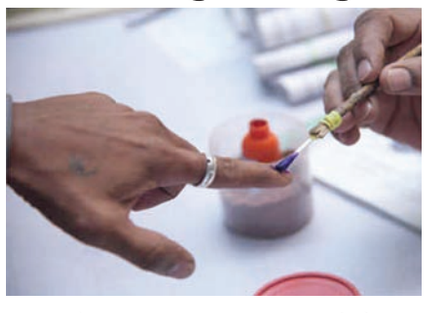

स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय बलों की करीब 967 कंपनियां और राज्य पुलिस के करीब 33,000 जवान तैनात रहेंगे। संदेशखली की घटनाओं के मद्देनजर उत्तरी 24 परगना के बशीरहाट में सबसे ज्यादा 116 कंपनी केंद्रीय सशस्त्र बल तैनात रहेंगे। वहीं इस सप्ताह रेमल तूफान से प्रभावित सुंदरबन में केंद्रीय बलों की 114 कंपनियां तैनात रहेंगी।

चुनावों में मुख्य मुकाबला सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस और प्रमुख विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच देखा जा रहा है। राज्य की 42 लोकसभा सीट में से 30 सीटों पर जीत का लक्ष्य रखने वाली भाजपा के लिए आखिरी चरण का चुनाव सबसे अहम माना जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस में नंबर-2 नेता माने जाने वाले अभिषेक बनर्जी डायमंड हार्बर सीट से तीसरी बार जीत का परचम लहराने के लिए संकल्पित हैं। यहां उनके खिलाफ भाजपा के अभिजीत दास उर्फ बॉबी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के प्रतिकुर रहमान चुनाव मैदान में हैं।

दमदम सीट पर तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार इस बार अपनी जीत की चौकड़ी बनाने के लिए चुनाव मैदान में हैं जहां उनका मुकाबला भाजपा के सिलभद्र दत्ता और माकपा के सुजान चक्रवर्ती से है। इसी तरह बारासात सीट पर तृणमूल कांग्रेस की काकोली घोष दस्तीदार को भाजपा के स्वपन मजूमदार और आल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के संजीब चटर्जी चुनौती दे रहे हैं। बशीरहाट में तृणमूल कांग्रेस के हाजी नूरुल इस्लाम का मुकाबला भाजपा की रेखा पात्रा से है। पात्रा ने उत्तर 24 परगना के संदेशखली में विद्रोह का झंडा बुलंद कर रखा था। जयनगर में तृणमूल कांग्रेस की निवर्तमान सांसद प्रतिमा मंडल का मुकाबला भाजपा के अशोक कंडारी और आरएसपी के समरेन्द्र नाथ मंडल से होगा।

मथुरापुर में तृणमूल कांग्रेस ने इस बार मोहन जटुआ को दोबारा मौका नहीं दिया और बापी हलधर को अपना उम्मीदवार बनाया है जिनके खिलाफ भाजपा के अशोक पुरकैत और माकपा के शरत चंद्र हलधर चुनाव मैदान में हैं। इसी प्रकार जादवपुर सीट से निवर्तमान तृणमूल कांग्रेस सांसद मिमि चक्रवर्ती को पार्टी ने दूसरी बार टिकट नहीं दी और उनके स्थान पर सयानी घोष को प्रत्याशी बनाया है। सुश्री सयानी के मुकाबले भाजपा के अनिर्बान गांगुली और माकपा के श्रीजन भट्टाचार्य चुनाव मैदान में हैं।

कोलकाता दक्षिण में तृणमूल कांग्रेस की निवर्तमान सांसद माला रॉय, भाजपा की देवाश्री चौधरी और माकपा की सायरा शाह हलीम के बीच त्रिकोणीय संघर्ष है। कोलकाता उत्तर में तृणमूल कांग्रेस सांसद सुदीप बनर्जी की भाजपा के तापस रॉय और कांग्रेस के प्रदीप भट्टाचार्य से भिड़ंत है। राय लोकसभा चुनाव से पहले पहले तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा शामिल हो गए थे। पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों और एक विधानसभा सीट के लिए मतगणना 04 जून को होगी।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

टाटा स्टील	1.80 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.32 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	1.07 प्रतिशत
पावरग्रिड	0.96 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	0.92 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

नेस्ले इंडिया	2.08 प्रतिशत
टीसीएस	1.77 प्रतिशत
मारुति	1.51 प्रतिशत
इंफ़ोसिस	1.37 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	0.82 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	74,220
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74400
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	6100-6200
दाल चना	7100-7200
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9850-9950
अरहर दाल	11700-11800

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

आर्थिक गतिविधियों में तेजी जारी

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। विनिर्माण और खनन गतिविधियों में आई तेजी के बल पर वित्त वर्ष 2023-24 में भारत 8.2 प्रतिशत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के साथ दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना गया। वित्त वर्ष 2022-23 में 7.0 प्रतिशत की वृद्धि दर रही थी।

मार्च 2024 में समाप्त चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही है जबकि मार्च 2023 में समाप्त तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत रही थी। जीडीपी वृद्धि के लगभग सभी अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया भर की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से इस मामले में आगे निकल गई है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा आज जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में नॉमिनल जीडीपी में 9.6 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई है, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में 14.2 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई थी। विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में इस दौरान 9.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि पिछले वित्त वर्ष में शून्य से 2.2 प्रतिशत नीचे रहा था। इसी तरह से खान एवं उत्खनन क्षेत्र का प्रदर्शन भी बेहतर रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में यह क्षेत्र 1.9 प्रतिशत की गति से बढ़ा था जो इस वर्ष मार्च में समाप्त तिमाही में बढ़कर 7.1 प्रतिशत पर पहुंच गया।

- वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर
- वित्त वर्ष 2022-23 में 7.0 प्रतिशत की वृद्धि दर रही थी

वित्त वर्ष 2022-23 में देश का जीडीपी 16071429 करोड़ रुपए रहा था जो इस वर्ष 8.2 प्रतिशत बढ़कर 17381722 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही है जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत रही थी। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में निर्माण गतिविधियों में 9.9 प्रतिशत की तेजी रही है जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 9.4 प्रतिशत रही थी। मार्च 2024 में समाप्त वित्त वर्ष में कृषि, पशुधन, वानिकी और मत्स्य पालन क्षेत्र की गतिविधियों में सबसे अधिक गिरावट रही और इस समूह में मात्र 1.4 प्रतिशत वृद्धि रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह क्षेत्र 4.7 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। इसी तरह से बिजली, गैस, जलापूर्ति और अन्य यूटिलिटी सेवा समूह की वृद्धि 7.5 प्रतिशत रही है जबकि वित्त वर्ष 2022-23 यह 9.4 प्रतिशत रहा था।

वित्त वर्ष 2023-24 में वित्तीय घाटा जीडीपी का 5.63 प्रतिशत रहा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार को वित्तीय घाटा 1653670 करोड़ रुपए रहा है जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना में 5.63 प्रतिशत है जबकि पुनरीक्षित अनुमान में यह 5.8 प्रतिशत था। वित्त मंत्रालय द्वारा आज यहां जारी आंकड़ों के अनुसार भारत सरकार को 2023-24 के दौरान 27,88,872 करोड़ रुपए की कुल प्राप्तियां रही जो पुनरीक्षित अनुमान का 101.2 प्रतिशत है। इस दौरान सरकार का कुल व्यय 4442542 करोड़ रुपए रहा है जो पुनरीक्षित अनुमान का 98.9 प्रतिशत है। इस तरह से सरकार का वित्तीय घाटा 1653670 करोड़ रुपए रहा है। सरकार की प्राप्तियों में 23,26,524 करोड़ रुपए कर राजस्व, 4,01,888 करोड़ रुपए गैर-कर राजस्व शामिल है। कर राजस्व और 60,460 करोड़ रुपए गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां। गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियों में ऋण की वसूली 27,338 करोड़ रुपए और विविध पूंजी प्राप्तियां 33,122 करोड़ रुपए शामिल हैं। सरकार द्वारा करों के हिस्से के हस्तांतरण के रूप में राज्य सरकारों को 11,29,494 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1,81,088 करोड़ रुपए अधिक है। सरकार द्वारा किया गया कुल व्यय 44,42,542 करोड़ रुपए रहा है जिसमें से 34,94,036 करोड़ राजस्व खाते से और 9,48,506 करोड़ रुपए पूंजी खाते से व्यय किया गया है।

केंद्रीकृत प्रसंस्करण केंद्र का 15 वर्ष पूर्ण

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। आयकर विभाग के बेंगलुरु स्थित केंद्रीकृत प्रसंस्करण केंद्र (सीपीसी) ने अपनी यात्रा के 15 वर्ष पूरे कर लिए हैं।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष नितिन गुप्ता ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से सीपीसी के अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित किया। 15 वर्ष पूर्ण करने के अवसर पर सीपीसी को बधाई देते हुए उन्होंने वहां तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की निर्बाध करदाता सेवाएं प्रदान करने के लिए उनके ईमानदार और समर्पित प्रयासों की सराहना की।

सीबीडीटी के सदस्य (एस बाद एफ एफ) संजय कुमार वर्मा ने सीपीसी बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता की और इसमें अन्य अधिकारियों-अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें वे लोग भी शामिल थे जो इस परियोजना से जुड़े रहे थे।

- 2009 में एक बैक-ऑफिस सुविधा के रूप में की गई थी सीपीसी की स्थापना

सीपीसी की स्थापना 2009 में एक बैक-ऑफिस सुविधा के रूप में की गई थी, ताकि ई-फाइल और पेपर रिटर्न को अधिकार क्षेत्र से मुक्त तरीके से संसाधित किया जा सके और करदाता द्वारा देय कर या देय रिफंड का शीघ्रता से निर्धारण किया जा सके। पिछले कुछ वर्षों में, सीपीसी निर्बाध करदाता सेवाओं के एक चमकते हुए प्रकाश स्तंभ के रूप में उभरा है और उन्हें बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करता है।

आठ प्रमुख उद्योगों की उत्पादन वृद्धि अप्रैल में 6.2 प्रतिशत रही

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। कोयला, बिजली और उत्पाद जैसे क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन से भारत में आठ प्रमुख उद्योगों की उत्पादन वृद्धि अप्रैल 2024 में सालाना आधार पर 6.2 प्रतिशत रही। यह जानकारी शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में दी गई। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023-24 में आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन सूचकांक में एक साल पहले की तुलना में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार संशोधित आंकड़ों के आधार पर इन प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर जनवरी 2024 में 4.1 प्रतिशत कर दी गयी है। मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि अप्रैल, 2023 की तुलना में अप्रैल, 2024 में आठ प्रमुख उद्योगों (आईसीआई) के संयुक्त सूचकांक में 6.2 प्रतिशत (अनंतिम) की वृद्धि हुई। अप्रैल 2024 में बिजली, प्राकृतिक गैस, कोयला, इस्पात, रिफाइनरी उत्पाद, कच्चा तेल और सीमेंट के उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। इन उद्योगों का भारांक के आधार पर औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत योगदान है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी किया आंकड़ा

अप्रैल 2024 में सीमेंट उत्पादन 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पूरे 2023-24 के दौरान सीमेंट उत्पादन इससे पिछले वर्ष की तुलना में 9.0 प्रतिशत बढ़ा।

मोदी सरकार के व्यापक सुधारों से बैंकिंग क्षेत्र में आया बदलाव : सीतारमण

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत के बैंकिंग क्षेत्र के तीन लाख करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज करने का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व के कारण बैंकिंग क्षेत्र में बदलाव आया जबकि वंशवादी दलों के प्रभुत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) ने बैंकों का इस्तेमाल अपने 'परिवार कल्याण' के लिए किया। इसके विपरीत, हमारी सरकार ने 'जन कल्याण' के लिए बैंकों का लाभ उठाया है और हमारी सरकार ने व्यापक और दीर्घकालिक सुधारों के माध्यम से बैंकिंग क्षेत्र में संप्रग के पापों का प्रायश्चित किया।

संप्रग ने बैंकों का इस्तेमाल अपने 'परिवार कल्याण' के लिए किया। इसके विपरीत, हमारी सरकार ने 'जन कल्याण' के लिए बैंकों का लाभ उठाया : निर्मला सीतारमण

सीतारमण ने यहां एक्स पर एक के बाद एक कुल चार पोस्ट कर बैंकिंग क्षेत्र के बारे में मोदी सरकार द्वारा किए गए कार्यों का विवरण दिया। उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। हाल ही में भारत के बैंकिंग क्षेत्र ने 3 लाख करोड़ रुपए के पार अपना अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

यह 2014 से पहले की स्थिति के बिल्कुल विपरीत है, जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र को खराब ऋणों, निहित स्वार्थों, भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के दलदल में बदल दिया था।

सार संक्षेप

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक जुटाएगा 3200 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने गुरुवार को कहा कि उसने 3200 करोड़ जुटाने के लिए प्रेफरेंशियल शेयर्स जारी करने का निर्णय किया है। शेयर बाजारों को दी गई सूचना के अनुसार निजी क्षेत्र की अग्रणी बैंक आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के निदेशक मंडल ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार निदेशक मंडल ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), एसबीआई जनरल इंश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड से 80.63 रुपए प्रति शेयर के भाव पर प्रेफरेंशियल शेयर्स जारी करके 3,200 करोड़ रुपए जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के प्रति शेयर की कीमत 1.23 प्रतिशत बढ़ कर 78.10 रुपए हुआ।

विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 646.7 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में जबरदस्त कमी होने से 24 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.03 अरब डॉलर गिरकर 646.7 अरब डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.55 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 648.7 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 24 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.5 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 567.5 अरब डॉलर पर आ गया। इस अवधि में स्वर्ण भंडार 48.2 करोड़ डॉलर घटकर 56.7 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 3.3 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 18.14 अरब डॉलर पर आ गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 10 लाख डॉलर की गिरावट के साथ 4.3 अरब डॉलर रह गया।

मारुति सुजुकी का डीबीएस बैंक के साथ समझौता

नई दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने शुक्रवार को डीलर इन्वेंट्री फंडिंग के लिए डीबीएस बैंक के साथ एक समझौता किया। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह नया समझौता देश भर में 3,863 से अधिक मारुति सुजुकी बिक्री आउटलेटों के लिए व्यापक इन्वेंट्री फंडिंग विकल्पों को बढ़ाता है। कंपनी के विपणन और बिक्री के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी पार्थो बनर्जी ने कहा कि यह साझेदारी देश भर में मारुति सुजुकी के व्यापक डीलर नेटवर्क को उनकी बढ़ती व्यावसायिक जरूरतों के अनुरूप नवीन वित्तीय उत्पाद प्रदान करने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा, यह रणनीतिक गठबंधन हमारे डीलर भागीदारों के लिए व्यापक कार्यशील पूंजी समाधान प्रदान करने के लिए एमएसआईएल और डीबीएस बैंक इंडिया की संयुक्त क्षमताओं का उपयोग करके बैंक के साथ हमारे संबंधों को मजबूत करता है।

लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में लौटी तेजी

मुंबई, 31 मई (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर यूटिलिटीज, रियल्टी, पावर, दूरसंचार, धातु और सर्विसेज समेत चौदह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में पिछले लगातार पांच दिन की गिरावट बाद आज तेजी लौट आई।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 75.71 अंक की बढ़त लेकर 73,961.31 अंक पर पहुंच गया। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 42.05 अंक चढ़कर 22,530.70 अंक पर बंद हुआ। दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई। इससे मिडकैप 0.06 प्रतिशत उछलकर 47,263.66 अंक हो गया। इस दौरान बीएसई में कुल 3915 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2004 में तेजी जबकि 1820 में गिरावट रही वहीं 91 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इस तरह निफ्टी की 26 कंपनियों में लिवाली जबकि 24 में बिकवाली हुई। बीएसई के 14 समूहों का रुझान सकारात्मक रहा। इससे कमोडिटीज 0.91, ऊर्जा 0.83, वित्तीय सेवाएं 0.56, इंडस्ट्रियल्स 0.77, दूरसंचार 1.18, यूटिलिटीज 2.10, बैंकिंग 0.30, कैपिटल गुड्स 0.91, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.53, धातु 1.28, तेल एवं गैस 0.56, पावर 1.80, रियल्टी 2.02 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.60 प्रतिशत मजबूत रहे।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.25 और जापान का निक्केई 1.14 प्रतिशत उछल गया। वहीं, जर्मनी का डैक्स 0.10, हांगकांग का हैंगसेंग 0.83 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.16 प्रतिशत गिर गया। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 323 अंक की तेजी के साथ 74,208.53 अंक पर खुला और दमदार लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 74,478.89 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली के दबाव में यह कारोबार के अंतिम चरण में 73,765.15 अंक के निचले स्तर तक टूट गया।

- सेंसेक्स 75.71 अंक की बढ़त लेकर 73,961.31 पर रहा
- निफ्टी 42.05 अंक चढ़कर 22,530.70 पर बंद

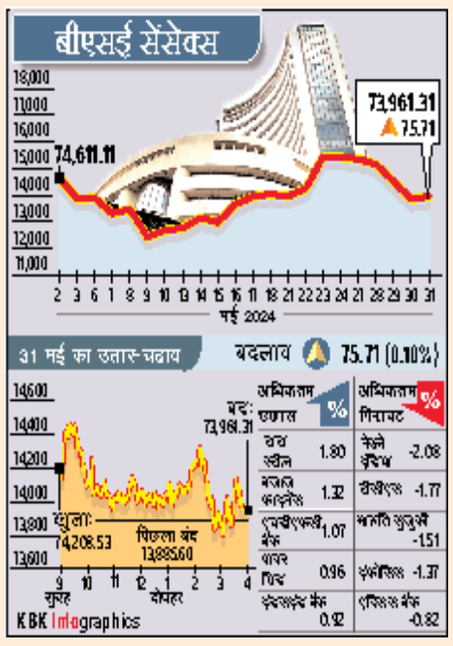

अंत में पिछले दिवस के 73,885.60 अंक के मुकाबले 0.10 प्रतिशत उठकर 73,961.31 अंक हो गया। इसी तरह निफ्टी भी 79 अंक की बढ़त के साथ 22,568.10 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 22,653.75 अंक के उच्चतम जबकि 22,465.10 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 22,488.65 अंक की तुलना में 0.19 प्रतिशत मजबूत होकर 22,530.70 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में टाटा स्टील 1.80, बजाज फाइनेंस 1.32, एचडीएफसी बैंक 1.07, पावरग्रिड 0.96, इंडसइंड बैंक 0.92, एलटी 0.89, आईटीसी 0.50, एसबीआई 0.49, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.47, आईसीआईआई बैंक 0.43, रिलायंस 0.34, बजाज फिन सर्व 0.28, अल्ट्रासिमको 0.27, सन फार्मा 0.20 और विप्रो 0.18 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, नेस्ले इंडिया 2.08, टीसीएस 1.77, मारुति 1.51, इंफ़ोसिस 1.37, एक्सिस बैंक 0.82, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.70, एचसीएल टेक 0.68, कोटक बैंक 0.65, टेक महिंद्रा 0.62, टाइटन 0.55, भारती एयरटेल 0.40, एनटीपीसी 0.31, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.28, एशियन पेंट 0.15, और टाटा मोटर्स के शेयर 0.14 प्रतिशत कमजोर रहे।

एआईबीईए आज विशेष वेबसाइट 'बैंक क्लिनिक' करेगी लॉन्च

हैदराबाद, 31 मई (एजेंसियां)। बैंक कर्मचारियों की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी ट्रेड यूनियन, अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) शनिवार को मुंबई में अपनी विशेष वेबसाइट 'बैंक क्लिनिक' लॉन्च करेगी।

एआईबीईए ने जारी एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा कि भारतीय बैंक संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और पंजाब नेशनल बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक और सीईओ सुनील मेहता वेबसाइट लॉन्च करेंगे। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व एमडी और सीईओ और आईबीए के पूर्व अध्यक्ष और नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट के वर्तमान प्रबंध निदेशक जी राजकिरण राय और आईबीए के अध्यक्ष और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ एम वी राव लंच समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। इस समारोह में विभिन्न बैंकों के अधिकारी और ट्रेड यूनियनों के नेता भाग लेंगे। संगठन ने कहा कि वेबसाइट किसी भी बैंकिंग सेवा के बारे में शिकायत कैसे दर्ज करें, इसकी ट्रैकिंग, ग्राहक सेवा पर आरबीआई के परिपत्र और दिशा-निर्देश, संबंधित समाचार, वित्तीय साक्षरता और ग्राहक शिक्षा साहित्य और दस्तावेजों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करेगी।

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त

पड़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 83 रिंगिट उतरकर 4070 रिंगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.39 सेंट की तेजी लेकर 46.11 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी 50 रुपए और गुड़ 50 रुपए प्रति क्विंटल गिर गया।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही। अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

एलजी का नया वैश्विक अभियान 'आशावाद के साथ जीवन अच्छा है' शुरू

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स ब्रांड एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने 'लाइफ्स गुड' वैश्विक अभियान लॉन्च किया है।

कंपनी ने जारी बयान में इसको एलजी ब्रांड के पुनरुद्धार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताते हुए कहा कि 'आशावाद के साथ जीवन अच्छा है' के प्रेरक बैनर के तहत अभियान का उद्देश्य सकारात्मकता की भावना पैदा करना और लोगों को जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

एलजी इंडिया में कॉर्पोरेट मार्केटिंग प्रमुख जे ह्युंग जून ने कहा कि एलजी में हमारा मानना है कि आशावाद एक शक्तिशाली शक्ति है जो जीवन को बदल सकती है। हमारे

- अभियान का उद्देश्य सकारात्मकता की भावना पैदा करना व लोगों को आशावादी दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है : जे ह्युंग जून

'आशावाद के साथ जीवन अच्छा है' अभियान के माध्यम से, हमारा लक्ष्य सकारात्मकता का प्रभाव पैदा करना है। सोशल मीडिया और उससे परे, लोगों को जीवन को आशावादी और लचीले रवैये के साथ अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने आज भारतीय कवि और लेखक गुंजन सैनी सहित अपने आशावादी प्रभाव के लिए प्रभावशाली लोगों के साथ मिलकर एक पैनल चर्चा की मेजबानी की जिसमें पूर्व सुपर मॉडल और डीजे बरखा कौल, फोर्क स्टूडियो के सह संस्थापक सिद्धार्थ आलमबायन, मनोचिकित्सक मोहित वार्ष्णेय ने भाग लिया।

कंपनी ने कहा कि पैनल चर्चा में कई प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई, जिसमें यह भी शामिल है कि एलजी ने आशावाद का जश्न क्यों मनाया, इस विश्वास पर जोर दिया कि आशावाद एक शक्तिशाली शक्ति है जो जीवन को बदलने में सक्षम है। आशावाद का जश्न मनाकर, एलजी का लक्ष्य सकारात्मकता का एक ऐसा प्रभाव पैदा करना है जो दैनिक जीवन के हर पहलू को छूए। पैनलिस्टों ने चुनौतीपूर्ण समय में भी दैनिक जीवन में आशावादी बने रहने के लिए व्यावहारिक सुझाव और रणनीतियां साझा कीं। उन्होंने व्यक्तिगत धैर्य और दृढ़ संकल्प की प्रेरक कहानियां भी साझा कीं, जिसमें बताया गया कि कैसे बाधाओं पर काबू पाने और दृढ़ संकल्प और आशावाद के माध्यम से सफलता हासिल करने ने उनके जीवन को आकार दिया है। चर्चा ने चिंता के स्रोत और प्रेरणा के मंच के रूप में सोशल मीडिया की दोहरी भूमिका को संबोधित किया, जिससे सकारात्मकता खोजने के लिए इसे कैसे नेविगेट किया जाए, इस पर अंतर्दृष्टि प्रदान की गई।

खेल जगत

बर्नडाइन बेजुइडनहॉट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर बर्नडाइन बेजुइडनहॉट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया है, लेकिन अगले सत्र में वह घरेलू क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगी। दक्षिण अफ्रीका में जन्मी बर्नडाइन बेजुइडनहॉट ने 2014 में दक्षिण अफ्रीका के लिए डेब्यू किया था। हालांकि, इसके बाद वह न्यूजीलैंड चली गईं और 2018 में व्हाइट फर्न्स के लिए डेब्यू किया। वह उन 9 महिला क्रिकेटरों में से एक हैं, जिन्होंने दो देशों का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए चार वनडे, सात टी20 मैच और न्यूजीलैंड के लिए 16 वनडे, 22 टी20 मैच खेले हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बर्नडाइन बेजुइडनहॉट के हवाले से कहा कि यह बहुत शानदार सफर रहा है। व्हाइट फर्न्स के लिए खेलना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान रहा है। यहां मुझे मेरे जीवन की सबसे प्यारी यादें मिली। इस यात्रा ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मैं हमेशा उन सभी की आभारी रहूंगी।

आईसीसी नौवें टी-20 विश्व कप

भारत के लिए बांग्लादेश के खिलाफ इकलौता अभ्यास मैच आज

आयरलैंड मैच से पूर्व सभी विकल्पों को आजमाने का मौका

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 31 मई (देशबन्धु)। रोहित शर्मा की अगुआई भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश से आईसीसी नौवें टी-20 विश्व कप में न्यूयॉर्क के नसउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अपने पहले और इकलौते अभ्यास मैच में शनिवार रात भिड़ेगी। भारतीय क्रिकेट टीम ग्रुप में 'ए' के अपने आयरलैंड(5 जून), पाकिस्तान (9 जून) और मेजबान अमेरिका (12 जून) के खिलाफ इसी स्टेडियम में खेलेगी। भारत और बांग्लादेश का यह मैच नसउ काउंटी इंटरनैशनल क्रिकेट स्टेडियम में 'ड्रॉप इन पिच' पर खेला जाएगा। भारत के लिए बांग्लादेश के खिलाफ यह अभ्यास मैच में 'ड्रॉप' इन पिच के मिजाज को पढ़ने और टी-20 विश्व कप में अपने आयरलैंड के खिलाफ मैच से पहले अपने सभी विकल्पों को आजमाने का मौका है। इस मैदान पर नौवें टी-20 विश्व कप का पहला मैच 3 जून को खेला जाएगा। विराट कोहली के भारत से न्यूयॉर्क की उड़ान पकड़ने की खबर है । टी-20 विश्व कप के इतिहास में सबसबे ज्यादा रन बनाने वाले भारत के विराट कोहलीत के बांग्लादेश के खिलाफ एक जून को खेले जाने वाले अभ्यास मैच से पहले न्यूयॉर्क पहुंचने के बावजूद इसमें खेलना तय नहीं है। भारत के कप्तान रोहित शर्मा और बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन नौवें टी-20 विश्व कप में अपनी अपनी टीमों के लिए खेलने उतर कर इसके इतिहास में इसके सभी नौ संस्करणों में खेलने वाले क्रिकेटर बन जाएंगे।

■ विराट का बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच में खेलना तय नहीं

■ न्यूयॉर्क में टी-20 विश्वकप देखने के लिए यहां के लोग बेहद इच्छुक

भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि हम इससे पहले कभी न्यूयॉर्क में इस स्टेडियम में नहीं खेले हैं और हम इसीलिए टी-20 विश्व कप में अपने पहले मैच से पूर्व इसकी स्थितियों को थाह लेना चाह रहे हैं। हमने पिच के मिजाज की थाह ले फिर आयरलैंड के खिलाफ मैच इसका अधिक से अधिक लाभ उठाने की कोशिश करेंगे। बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच हमारे लिए पिच की थाह लेने और लय पाने के लिए अहम है। न्यूयॉर्क में टी-20 विश्व कप पहली बार हो रहा है और यहां लोग इसे देखने के बेहद इच्छुक हैं । मुझे पूरा विश्वास है कि सभी टीमों के प्रशंसक बेहद रोमांचित हैं और वे टी-20 विश्व कप के शुरू होने पर निगाहें टिकाए हैं। साथ ही मैं इसमें शिरकत करने वालों खिलाड़ियों को इसके शुरू होने का बेसब्री से इंतजार है।हम अमेरिका में आईसीसी टी-20 विश्व कप अभियान को शुरू करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते। भारत के लिए बांग्लादेश के खिलाफ इस अभ्यास मैच में कप्तान रोहित शर्मा के साथ यशस्वी जायसवाल के ही पारी शुरू करने की उम्मीद है। भारत इस मैच में नसउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम के मैदान पर कम से कम तीन स्पिनरों- दो बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा व अक्षर पटेल

हम इससे पहले कभी न्यूयॉर्क में इस स्टेडियम में नहीं खेले हैं और हम इसीलिए टी-20 विश्व कप में अपने पहले मैच से पूर्व इसकी स्थितियों को थाह लेना चाह रहे हैं : रोहित शर्मा

तथा कलाई कें लेग स्पिनर कुलदीप यादव के साथ उतर सकता है। विराट के इस अभ्यास मैच में न खेलने की आशंका के बीच तीसरे नंबर पर सूर्य कुमार यादव, चौथे पर शिवम दुबे, पांचवें पर हार्दिक पांडया, छठे पर ऋषभ पंत, सातवें पर रवींद्र जडेजा , आठवें पर अक्षर पटेल, नौवें पर कुलदीप यादव, दसवें पर जसप्रीत बुमराह और 11 वें आखिर बल्लेबाज के रूप में बहुत उम्मीद है कि अर्शदीप ही उतरेंगे। बुमराह और अर्शदीप सिंह के साथ ऑलराउंडर हार्दिक व शिवम दुबे के रूप में भारत के पास तेज गेंदबाजी के चार विकल्प रहेंगे। वहीं बांग्लादेश की कोशिश इस वार्म अप मैच अपने तुरुप के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान और सदाबहार शाकिब अल हसन के बूते भारत की मजबूत बल्लेबाजी को बिखेरने की होगी। बांग्लादेश को बड़ा स्कोर बनान है तो फिर तंजिदह हसन, सौम्य सरकार, कप्तान नजमल हसन शांतों, लिटन दास, शाकिब अल हसन और तोहिद हृदय जैसे बल्लेबाजों को बड़ी पारी खेल कर खुद को न्यूयॉर्क की पिच के मुताबिक ढालने की होगी।

हमारी हॉकी टीम का खेल बराबर बेहतर हो रहा है : हरमनप्रीत सिंह

नई दिल्ली, 31 मई (देशबन्धु)। दुनिया के बेहतरीन ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की अगुआई में भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 में एंटवर्प चरण के बाद 12 मैचो से 21 अंक लेकर चौथे स्थान पर पर है और उसके ब्रिटेन चरण में उसके चार मैच बाकी है। वहीं भारत की महिला हॉकी टीम 2023-24 प्रो लीग में सातवें स्थान पर है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम मेजबान ब्रिटेन और जर्मनी से 2 से 9 जून तक के आखिरी चरण में दोनों टीमों के खिलाफ दो दो मैचों से अधिकतम अंक हासिल करने की कोशिश करेगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एंटवर्प में मेजबान बेल्जियम से 1-4 औ 2-2(शूटआउट में1-3) से दोनों मैच हारी जबकि अर्जेंटीना को 2-2(शूटआउट में 5-4) और 5-4 से शिकस्त दी। भारत की पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपनी टीम के एंटवर्प में प्रो लीग में प्रदर्शन की बाबत कहा कि हमने अर्जेंटीना और बेल्जियम के खिलाफ एंटवर्प में प्रो लीग में कई बेहद संघर्षपूर्ण मैच खेले और ये दोनों ही टीमें पेरिस ओलंपिक 2024 में हमारे पूल में हैं। हम मैचों में कई बार रोमांचक हॉकी खेली और जबकि कई मौकों पर हमें संघर्ष करना पड़ा। अपनी भारतीय पुरुष हॉकी टीम की बाबत मैं यह जरूर कह सकता हूं कि हमारी हॉकी टीम का खेल बराबर बेहतर हो रहा है। हमने प्रो लीग के इन मैचों में अठ द्वंद्वपने कई नौजवान खिलाड़ियों को भी मौका दिया और उनके साथ पूरी तरह टीम का तालमेल बेहतर हुआ। अब हमें प्रो लीग के ब्रिटेन चरण के मैचों में तेज हॉकी की बानगी दिखा मैदान पर अपने संयोजनों को बेहतर करने साथ यह कोशिश करनी है कि सही वक्त पर हमारे खिलाड़ी सही जगह पर रहे और हम अपनी पूरी क्षमता के साथ खेले। हम इस बात से वाकिफ है कि प्रो लीग का लंदन चरण हमारी 2024 की पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए अहम रहेगा और इसी लिए हम प्रो लीग में अब ब्रिटेन और जर्मनी के खिलाफ बाकी मैचों का बेताबी से इंतजार कर रहे हैं।

हमारी टीम फिलहाल पुनर्निर्माण के दौर में : सलीमा टेटे

भारत की महिला हॉकी अब एफआईएच प्रो लीग 2023-24 में 12 मैचों में आठ अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। भारतीय हॉकी टीम के अब बाकी प्रो लीग मैचों की बाबत कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि हमारी टीम फिलहाल पुनर्निर्माण के दौर में है। हम एक समय केवल एक मैच की बाबत सोच रहे हैं। हमें पूरा भरोसा है कि एफआईएच प्रो लीग में हमारे बाकी मैच टीम में हमें एक दूसरे के खेल को बेहतर ढंग से समझने और आगे बढ़ने में सहायक साबित होंगे।

टी-20 विश्वकप से पहले हार्दिक के लिए 'दोहरी मुसीबत'!

नई दिल्ली, मई 31 (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में खराब फॉर्म और अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या सुर्खियों में बने हुए हैं। हालांकि, वो इन सबके बीच 'नेशनल ड्यूटी' यानी टी-20 विश्व कप 2024 के लिए अमेरिका में टीम इंडिया के साथ जुड़ चुके हैं। एक समय ऐसा आया था कि हार्दिक पांड्या का करियर खत्म होता नजर आ रहा था। चोटों और खराब फॉर्म से जूझ रहे हार्दिक पांड्या के लिए साल 2020-21 काफी खराब रहे। इस दौरान उनकी पीठ की सर्जरी भी हुई। हालांकि, उनका कभी हार न मानने और बेखौफ रवैया उनके डूबते करियर में एक नया सवेरा लाया। पीठ की चोट की सर्जरी और खराब फॉर्म के कारण कुछ चुनौतीपूर्ण वर्षों के बाद, आखिरकार साल 2022 वह साल बन गया जब हार्दिक पांड्या भारत के जाने-माने ऑलराउंडर के रूप में वापस आए, खासकर टी-20 फॉर्मेट में उन्होंने अपनी खोई पहचान हासिल की। मगर, अब एक बार फिर टी-20 विश्व कप 2024 की दौड़ में हार्दिक पांड्या पर दबाव बढ़ता जा रहा है, क्योंकि हाल ही में आईपीएल 2024 में बतौर कप्तान मुंबई इंडियंस में उनकी वापसी बुरी तरह फेल रही। हैरान करने वाली बात तो यह है कि न तो उनका बल्ला चला और ना हीं गेंदबाजी, वहीं कप्तानी में भी उनका हाल-बेहाल था। इस वक्त भारत न्यूयॉर्क में होने वाले इस महाकुंभ के लिए तैयारी कर रहा है, तो निस्संदेह सभी की निगाहें हार्दिक पांड्या पर होंगी। भारतीय चयनकर्ताओं ने खराब दौर के बावजूद हार्दिक पांड्या को टीम इंडिया में मौका दिया है, साथ ही उप-कप्तान भी बनाया है, ऐसे में हार्दिक पर मेगा-इवेंट में काफी प्रेशर होने वाला है।

■ साल 2022 वह साल बन गया जब हार्दिक पांड्या भारत के जाने-माने ऑलराउंडर के रूप में वापस आए

अपनी फॉर्म और आईपीएल टीम में फेरबदल के कारण पहले ही क्रिकेट फैंस की आलोचना झेल रहे हार्दिक की मुश्किलें तब और बढ़ गई जब से उनकी वाइफ नताशा से तलाक की खबरें सामने आ रही हैं। या यूं कह लीजिए हार्दिक पर 'दोहरी मुसीबत' आ गई है। एक तरफ उनका करियर डूब रहा है, तो दूसरी तरफ उनकी पर्सनल लाइफ और परिवार टूटता नजर आ रहा है। नताशा स्टेनकोविक के साथ उनके रिश्ते के खत्म होने की अफवाहों ने पांड्या की परेशानी और बढ़ा दी है। आईपीएल 2015 में मुंबई इंडियंस के लिए अपने प्रदर्शन के ज़रिए सुर्खियों में आने वाले हार्दिक पांड्या इन दिनों फैंस के निशाने पर हैं।

कोरियाई जोड़ी को अपसेट कर ट्रीसा-गायत्री पहली बार सुपर 750 सेमीफाइनल में

सिंगापुर, 31 मई (एजेंसियां)। अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए भारत की महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जोली और गायत्री गोपीचंद ने एक और कोरियाई जोड़ी,विश्व की छठे नंबर की किम सो येओंग और कोंग ही योंग को शुक्रवार को रोमांचक क्वार्टरफाइनल में हराकर पहली बार सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व रैंकिंग में 30वें नंबर की भारतीय जोड़ी ने पहला गेम हराने के बाद शानदार वापसी करते हुए 18-21, 21-19, 24-22 से जीत हासिल की और पहली बार बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनायी। ट्रीसा और गायत्री का सेमीफाइनल में सामना शनिवार को जापान की नामी मत्सुयामा-चिहारू शिफा और इंडोनेशिया की अप्रियानी रहायु-सीती फादिया सिल्वा रामधंती के बीच दूसरे क्वार्टर फाइनल की विजेता से होगा। टूर्नामेंट में इससे पहले युवा भारतीय जोड़ी ने विश्व की दूसरे नंबर की कोरियाई जोड़ी बेक ना हा और ली सो ही को राउंड 16 में एक घंटे तक चले मुकाबले में 21-9, 14-21, 21-15 से हराया था।

सार संक्षेप

अभ्यास मैच वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

पोर्ट ऑफ स्पेन। निकोलस पूरन (75), कप्तान रोवमन पॉवेल (52) और शरफेन रदरफोर्ड (47) रनों की तूफानी पारियों तथा उसके बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलिया को 35 रनों से हरा दिया है। गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम शुरुआत अच्छी नहीं रही। तीसरे ओवर में ऐश्टन एगार ने शे होप को 14 रन पर आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। उसके बाद बल्लेबाजी करने आये निकोलस पूरन ने जॉनसन चार्ल्स के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिये 90 रनों की साझेदारी हुई। निकोलस पूरन ने 25 गेंद पर पांच चौके और आठ छक्के लगाते हुए सर्वाधिक 75 रन और जॉनसन चार्ल्स ने 31 गेंदों में 40 रन बनाये। कप्तान पोवेल के 25 गेंद में चार चौके और चार छक्के लगाते हुए 52 रन की पारी खेली।

प्राग्नानंदा चौथे राउंड में हारे, वैशाली जीतीं

स्टावनगर (नॉर्वे)। पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन के खिलाफ अपनी पहली क्लासिकल जीत दर्ज करने के एक दिन बाद भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ी आर प्राग्नानंदा नॉर्वे शतरंज के चौथे राउंड में अमेरिका के हिकारू नाकामूरा से गुरुवार को हार गए। नाकामूरा ने प्राग्नानंदा के खिलाफ अपनी जबरदस्त तैयारी का प्रदर्शन किया जिन्होंने बाजी बचाने के लिए अपने घोड़े का बलिदान किया। नाकामूरा ने इस चाल को भांप लिया था और बेहतरीन अंदाज में खेलते हुए आसान जीत हासिल की और ओवरआल तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए। प्राग की बहन वैशाली ने दूसरी तरफ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और लीजेंड खिलाड़ी पिया क्रैमलिंग को हराकर अपनी संख्या कुल 8.5 पहुंचा दी।

पेरिस पैरालंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा सेना का जवान

नई दिल्ली। कश्मीर के 29 साल के आमिर भट, जो भारतीय सेना में जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) के रूप में कार्यरत हैं, वो पेरिस पैरालंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया ने इस साल पेरिस में होने वाले पैरा ओलंपिक खेलों के लिए अनंतनाग के एथलीट का चयन किया है। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के दमहाल गांव के निवासी 29 वर्षीय आमिर अहमद भट को इस साल अगस्त में पेरिस में होने वाले पैरालंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। आमिर देश के पहले पैरा शूटर हैं, जिन्होंने दो साल से भी कम समय में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है।

अजारेंका को हराकर मीरा एंड्रीवा तीसरे दौर में

पेरिस, 31 मई (एजेंसियां)। उभरती युवा खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने सनसनीखेज प्रदर्शन करते हुए पूर्व विश्व नंबर एक विक्टोरिया अजारेंका को गुरूवार को देर रात के मुकाबले में 6-3, 3-6, 7-5 से हराकर लगातार दूसरे वर्ष फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा ने 19वीं सीड अजारेंका पर दो घंटे 31 मिनट में जीत हासिल की। मैच पेरिस में स्थानीय समयानुसार देर रात एक बजे (भारतीय समयानुसार तड़के 4:30 बजे) समाप्त हुआ। डब्लूटीए से प्राप्त जानकारी के अनुसार मीरा एंड्रीवा, जो पिछले वर्ष डब्लूटीए की न्यूकमर ऑफ द ईयर रही थीं, इस सत्र में पहले ही पांच टॉप 25 जीत दर्ज कर चुकी हैं। उन्होंने एक महीने पहले मार्केटा वोन्द्रूसोवा और जास्मिन पाओलिनी को मैड्रिड में हराया था। विश्व की 38वें नंबर की खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा अपने युवा करियर में तीसरी बार किसी ग्रैंड स्लैम के राउंड ऑफ़ 16 में प्रवेश करने की तरफ देखेंगी जब उनका मुकाबला एक और उभरती खिलाड़ी अमेरिका की पेटन स्टर्न्स से होगा।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ वर्ल्ड बॉक्सिंग से जुड़ने पर सहमत

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां) भारतीय मुक्केबाजी महासंघ वर्ल्ड बॉक्सिंग का सदस्य बनने पर सहमत हो गया है। अंतरराष्ट्रीय महासंघ वर्ल्ड बॉक्सिंग की स्थापना इस उद्देश्य के साथ की गयी थी ताकि मुक्केबाजी ओलंपिक आंदोलन में बनी रहे। सदस्यता आवेदन को बीएफआई की आम सभा द्वारा अनुमोदित किया गया है, और विश्व मुक्केबाजी के कार्यकारी बोर्ड द्वारा इसकी पुष्टि की जाएगी। बीएफआई अध्यक्ष, अजय सिंह ने हाल ही में विश्व मुक्केबाजी के अध्यक्ष और महासचिव से मुलाकात कर उन तरीकों पर चर्चा की, जिनसे भारत एशिया में अपना सदस्यता आधार बढ़ाने में अंतरराष्ट्रीय महासंघ का समर्थन कर सकता है, जहां बीएफआई सबसे बड़े राष्ट्रीय महासंघों में से एक है। बीएफआई ने एक विज्ञप्ति में कहा, विश्व मुक्केबाजी के भविष्य के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता के तहत, बीएफआई का लक्ष्य एशियाई परिसंघ की स्थापना में अग्रणी भूमिका निभाना और क्षेत्र में अन्य राष्ट्रीय संघों की भर्ती को बढ़ावा देना है। इसमें कहा गया है इसका इरादा वर्ल्ड बॉक्सिंग समितियों और सभी आयोगों के काम में सक्रिय रूप से भाग लेने के साथ-साथ वर्ल्ड बॉक्सिंग प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए बोली लगाने और व्यावसायिक साझेदारी को सुरक्षित करने और नई आय धाराएं उत्पन्न करने के वर्ल्ड बॉक्सिंग के प्रयासों का समर्थन करने का भी है। वर्ल्ड बॉक्सिंग के अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी का बहुत ही महत्वपूर्ण देश है और हम बीएफआई का अपने बढ़ते परिवार में स्वागत करते हैं। यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है जिससे एशिया में हमारी उपस्थिति का पता चलेगा । अपने साझा लक्ष्यों को लागू करने के लिए मुझे बीएफआई के साथ नजदीकी रूप से काम करने का इन्तजार है। अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों और हमारी हालिया बैठक के दौरान, आईओसी ने सभी राष्ट्रीय महासंघों को स्पष्ट संदेश दिया है कि यदि वे चाहते हैं कि उनके देश के मुक्केबाजों को भविष्य के ओलंपिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिले तो उन्हें अब वर्ल्ड बॉक्सिंग में शामिल होना

भारत अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी का बहुत ही महत्वपूर्ण देश है और हम बीएफआई का अपने बढ़ते परिवार में स्वागत करते हैं : बोरिस वान डेर वोर्स्ट

जोकोविच आसान जीत के साथ आगे बढ़े, ज्वेरेव ने एक और मास्टरक्लास दिखाया

पेरिस, 31 मई (एजेंसियां)। शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने रिकॉर्डतोड़ 25वें ग्रैंड स्लैम की तलाश में आसान जीत के साथ फ्रेंच ओपन के अगले दौर में प्रवेश कर लिया जबकि क्ले कोर्ट के बादशाह स्पेन के राफेल नडाल को हराने वाले एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए डेविड गोफिन के खिलाफ गुरूवार को एक और मास्टरक्लास का प्रदर्शन किया। पेरिस के क्ले कोर्ट पर अपनी चौथी ट्रॉफी की तलाश में लगे 37 वर्षीय जोकोविच ने रॉबर्टो कार्बालेस बायेना के खिलाफ अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 6-4, 6-1, 6-2 से जीत हासिल की। चौथी सीड जर्मनी के ज्वेरेव, जिन्होंने 14 बार के विजेता नडाल को पहले राउंड में लगातार सेटों में हराया था, ने एक और बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम के गोफिन को दो घंटे 22 मिनट में 37 विनर्स लगाते हुए 7-6(4), 6-2, 6-2 से पराजित किया। बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव और कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने विपरीत अंदाज में जीत हासिल कर तीसरे दौर में जगह बना ली। दसवीं सीड दिमित्रोव ने हंगरी के फाबियन मरोज़सान को 6-0, 6-3,6-4 से हराया जबकि शापोवालोव ने पहला सेट हारने के बाद वापसी करते हुए अमेरिका के फ्रांसिस तैफो को 6-7(4), 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। विश्व की नंबर एक की अपनी पोजीशन को बनाये रखने के लिए गत चैंपियन जोकोविच को फ़ाइनल में पहुंचना जरूरी है और उन्होंने स्पेन के रॉबर्टो कार्बालेस बायेना के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच में सात बार बायेना की सर्विस तोड़ी और विश्व में 63वें नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 3-0 कर लिया। इस सत्र में जबरदस्त फॉर्म में चल रहे ज्वेरेव का इस वर्ष 30-9 का रिकॉर्ड है जिसमें इस महीने के शुरू में रोम में अपना छठा एटीपी मास्टर्स 1000 ख़िताब शामिल है। एटीपी रैंकिंग में चौथे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव को अपने पहले बड़े खिताब की तलाश है। पहला सेट कड़े मुकाबले में जीतने के बाद, ज्वेरेव ने दूसरे और तीसरे सेट में पूर्व विश्व नंबर 7 गोफिन के खिलाफ पूर्ण नियंत्रण हासिल करने के लिए गियर में बदलाव किया। इंफोसिस स्टैट्स के अनुसार, जर्मन खिलाड़ी ने दूसरे सेट में केवल पांच अप्रत्याशित गलतियां कीं और तीसरे सेट में उन्हें एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा, जिससे जोड़ी की एटीपी हेड-टू-हेड श्रृंखला में 4-2 का सुधार हुआ। अन्य मैचों में, फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे जर्मनी के हेनरी स्क्वॉयर को 6-4, 4-6, 6-3, 6-2 से हराकर दूसरी बार पेरिस में तीसरे दौर में पहुंचे।

25वें ग्रैंड स्लैम

निशांत पेरिस ओलंपिक का टिकट पाने वाले पहले भारतीय पुरुष मुक्केबाज बने

बैंकाक (थाईलैंड), 31 मई (एजेंसियां)। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता निशांत देव (71 किग्रा) पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट हासिल करने वाले पहले भारतीय पुरुष मुक्केबाज बन गए हैं। उन्होंने दूसरे मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर के क्वार्टरफाइनल में मोल्दोवा के मुक्केबाज वासिले सेबोटरी को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी। इस जीत के साथ, निशांत पेरिस ओलंपिक में जगह पक्की करने वाले पहले भारतीय पुरुष मुक्केबाज भी बन गए, वह तीन महिला मुक्केबाज निखत ज़रीन (50 किग्रा), प्रीति साई पवार (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) के साथ शामिल हो गए, जिन्होंने 2022 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीत कर अपनी जगह पक्की कर ली थी। 23 वर्षीय निशांत, जो 71 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हैं, ने पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए अपनी खोज की शुरुआत गिनी-बिसाऊ के अरमांडो बिगाफा पर 5-0 से जीत के साथ की, इसके बाद मंगोलिया के ओटगोनबटार बयाम्बा-एर्डेनेटो को प्रारंभिक दौर में नॉकआउट किया।